RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2023-25 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

13 वाँ स्थापना वर्ष

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 13 » अंक : 4

» मार्च 2023 » मूल्य : 40 रु.

नव संवत्सर का स्वागत और वंदन

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

कृषि विकास की चुनौतियाँ

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान
को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण
श्री प्रवीण सिंह अढायच (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एन.यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल.मकवाना (प्र.संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री अनिल हर्षवाल (प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 13 » अंक : 4 » मार्च 2023 » मूल्य : 40 रु.

13 वाँ स्थापना वर्ष

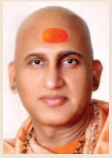

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज

» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी

» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी

» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी

» सलाहकार मंडल :

व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)

» विशेष संवाददाता

जबलपुर संभाग : आलोक मालवीय (मो. 9806750146)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)

» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186

» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com

» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
ए-11, विस्तारा टाउनशिप, मायाखेड़ी बायपास, इंदौर (म.प्र.)

3
भारत में ऊर्जा क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व संभावनाएँ

6
नई सहस्राब्दी में नारी की नई छवि

14
ग्लोबल वार्मिंग से और बिगड़ेगी स्थिति

19
सहकारिता के प्रति लोगों में जनजागरूकता लाने की जरूरत

29
एग्री इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड

60
कई किरदारों के लिए याद आएँगे सतीश कौशिक

13वाँ स्थापना वर्ष

चुनावी बजट में तोहफों की बरसात

पहली मार्च को विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने लोक लुभावन बजट पेश किया। यह प्रदेश का पहला ई बजट है। बजट की खासियत यह है कि 3.14 लाख करोड़ रुपए के बजट में एक लाख करोड़ रुपए महिलाओं के लिए रखे गए हैं। चूंकि यह चुनाव वर्ष है इसलिए कोई नया कर नहीं थोपा गया है। पिछले चुनाव में भाजपा को दो प्रतिशत महिला वोट ज्यादा मिले थे इसलिए बजट में महिलाओं के लिए नोटों की अधिक व्यवस्था की गई है। बजट में प्रस्तुत लाड़ली बहना योजना चुनाव में गेम चेंजर साबित हो सकती है। पूरे बजट का एक तिहाई हिस्सा महिलाओं के लिए है। लाड़ली बहना योजना के लिए सर्वाधिक आठ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान है। इसके बाद महिला स्व सहायता समूह के लिए 5084 करोड़ रुपए की व्यवस्था है। स्व सहायता समूहों से 47 लाख महिलाएं जुड़ी हुई है। निश्चित ही शिवराज सरकार का यह फैसला उन्हें चुनाव में पुनः विजय माला पहना सकता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बजट को अद्भुत, अकल्पनीय बताते हुए इसे मां-बेटियों के उत्थान का बजट कहा है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूजन्यते रमंते तत्र देवता। हमारे सनातन धर्म में स्त्रियों का दर्जा सदैव उच्च रहा है। युवाओं के लिए सरकारी नौकरी में एक लाख भर्ती की लुभावनी योजना है। खेलकूद के लिए भी ढाई गुना वृद्धि स्वागत योग्य है। इससे प्रदेश की युवा शक्ति को नया आयाम मिलेगा। बुजुर्गो के लिए तीर्थ दर्शन योजना में पचास करोड़ का प्रावधान है। किसानों के लिए बजट में ब्याज माफी घोषित की है। प्रदेश के 33 लाख किसान डिफाल्टर हो चुके हैं। सरकार इनका ब्याज चुकाएगी लेकिन मूल धन इन्हें जमा करना होगा। बहरहाल इससे भी किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। इस बार कृषि बजट पिछली बार से 804 करोड़ अधिक है अर्थात 53964 करोड़ रुपए का है। कृषि के लिए यह एक अच्छा कदम है। आदिवासी समुदाय के लिए भी 36 हजार 950 करोड़ रुपए का प्रावधान है,जो पिछले साल से 33 प्रतिशत अधिक है। भोपाल और इंदौर मेट्रो के लिए 710 करोड़ रुपए की व्यवस्था है। इसी वर्ष मेट्रो आरंभ करने की योजना है, जो कहां तक सफल होती है यह तो समय ही बताएगा। महाकाल महालोक की तर्ज पर सलकनपुर देवीधाम और ओरछा के विकास की योजना है। महाकाल महालोक के निर्माण से पर्यटन में जबरदस्त वृद्धि हुई है। इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। हमारा देश धर्म परायण है इसलिए धर्म स्थलों का विकास पर्यटन, तीर्थाटन को बढ़ाता है। बजट में कृषि क्षेत्र के लिए पर्याप्त व्यवस्था हुई है लेकिन मौसम बड़ा बेईमान है। मार्च माह में पकी पकाई फसल पर ओलों की मार से प्रदेश के अनेक जिलों में भारी तबाही हुई है। समय रहते इसका आकलन करा कर अन्नदाता किसान को राहत देने की नई चुनौती सरकार के समक्ष मुंह उठाए खड़ी है। वैदिक युग में होली को नवान्नेष्टि यज्ञ कहा गया है। क्योंकि वह समय होता है, जब खेतों से पका अनाज काटकर घरों में लाया जाता है। जलती होली में जौ और गेहूं की बालियां तथा चने के बूटे भूनकर प्रसाद के रूप में बांटे जाते हैं। होली में भी बालियां होम की जाती हैं। यह लोक-विधान अन्न परिपक्व व आहार के योग्य हो जाने का प्रमाण है। इसलिए वेदों में इसे नवान्नेष्टि यज्ञ कहा गया है। आप सभी को होली की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ

बृजेश त्रिपाठी

भारत में ऊर्जा क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व संभावनाएँ

हरदीपसिंह पुरी
केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री

बीपी ऊर्जा के पूर्वानुमानों और आईईए अनुमानों के अनुसार, बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में; भारत की, 2020-2040 के बीच वैश्विक ऊर्जा मांग वृद्धि में हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत होगी। यह अपरिहार्य है कि हम अपनी बड़ी आबादी के लिए ऊर्जा तक पहुंच, उपलब्धता और किफायती बनाना सुनिश्चित करें। यह हमारी स्थिति को अद्वितीय बनाता है और इसी बात पर ऊर्जा रणनीति भी आधारित है, जिसे अब दुनिया भर में व्यावहारिक और संतुलित माना जाता है। यूएस, कनाडा, स्पेन और यूके में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतें 35-40 प्रतिशत तक बढ़ गईं, लेकिन कच्चे तेल की आवश्यकताओं का 85 प्रतिशत तथा प्राकृतिक गैस की अपनी आवश्यकताओं का 55 प्रतिशत से अधिक आयात करने के बावजूद, भारत में डीजल की कीमतों में एक साल में कमी दर्ज की गई है।

जब हमारे पड़ोस के कई देशों में मांग को प्रबंधित करने के लिए बिजली कटौती हो रही थी तथा पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत थी, तो भारत में, यहां तक कि बाढ़ व प्राकृतिक आपदा जैसी स्थिति में भी, कहीं भी ईंधन की कोई कमी नहीं थी। यह हमारे नागरिकों के लिए ऊर्जा न्याय सुनिश्चित करने के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के कारण संभव हुआ है। केंद्र और कई भाजपा शासित राज्यों ने उत्पाद शुल्क और वैट दरों में दो बार भारी कटौती की घोषणा की। अच्छे कॉर्पोरेट नागरिक होने का परिचय देते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने नुकसान को सहन किया, ताकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का भार भारतीय उपभोताओं पर न पड़े। सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा घरेलू गैस के अपने खुद के उपयोग को कम करने की कीमत पर भी, शहरी गैस वितरण क्षेत्र के लिए एपीएम गैस की आपूर्ति में भारी वृद्धि की गई।

घरेलू उपभोताओं को नजरअंदाज कर रिफाइनरों और उत्पादकों द्वारा मुनाफा कमाने से रोकने के लिए; पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर निर्यात उपकर और घरेलू उत्पादित पेट्रोलियम उत्पादों पर विंडफॉल टैक्स लगाया गया। इन वर्षों में, भारत ने कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ताओं के अपने नेटवर्क का विस्तार किया है, जिसमें अब 39 देश शामिल हैं, जो कि पहले 27 देशों तक सीमित था। भारत ने कच्चे तेल की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका (पिछले 4 वर्षों में ऊर्जा व्यापार 13 गुना बढ़ गया है) और रूस जैसे देशों के

साथ अपने संबंधों को और मजबूत किया है। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में इस रणनीतिक बाजार कार्ड ने न केवल भारतीय उपभोताओं के लिए किफायती ऊर्जा सुनिश्चित की, बल्कि वैश्विक पेट्रोलियम बाजारों पर भी शांतिपूर्ण प्रभाव डाला।

जिस तथ्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए, वह यह है कि भारत द्वारा कुछ देशों से पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद ने वास्तव में, लगभग 98-100 मिलियन बैरल/दिन की वैश्विक मांग और आपूर्ति को संतुलित रखा है, जिससे वैश्विक मूल्य श्रृंखला के लिए तेल की कीमतों को नियंत्रण में रखना संभव हुआ है। अगर ऐसा नहीं किया गया होता, तो वैश्विक कीमतें 300 डॉलर/बैरल तक पहुंच गई होतीं! हम पारंपरिक ईंधन अन्वेषण और ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन दोनों पर काम कर रहे हैं। भारत को आकर्षक ईएंडपी केंद्र बनाने के लिए हमारे सुधार; परामर्श प्रदाता कंपनी वुड मैकेंजी की रिपोर्ट में परिलक्षित होते हैं, जिसमें कहा गया है कि भारत 2023 का लाइसेंसिंग वाइल्डकार्ड हो सकता है।

जैसा मोदी जी ने ग्लासगो में वक्तव्य दिया था, हम अपने जलवायु स्रोतों के परिवर्तन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को लेकर दृढ़ हैं-जिसमें वर्ष 2070 तक उत्सर्जन में नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल करना और वर्ष 2030 के अंत तक उत्सर्जन में एक बिलियन टन की कटौती करना शामिल है। जीवन स्तर के बेहतर होने और तेजी से शहरीकरण के अनुरूप, हम अपने पेट्रोकेमिकल उत्पादन का भी तेजी से विस्तार कर रहे हैं। भारत पेट्रोलियम उत्पादों का वैश्विक निर्यातक है और इसकी रिफाइनिंग क्षमता संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन व रूस के बाद दुनिया में चौथी सबसे बड़ी है। 2040 तक इस क्षमता को 450 एमएमटी तक बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। रिफाइनिंग क्षमता विस्तार भी, अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों में पिछले वर्ष उतार-चढ़ाव के दौरान, ईंधन की कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करने वाले प्रमुख कारकों में से एक था।

भारत वर्ष 2030 तक गैस की हिस्सेदारी मौजूदा 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करके गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के अपने प्रयासों में भी तेजी ला रहा है। भारत ने पिछले नौ वर्षों में 9.5 करोड़ से अधिक परिवारों को स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन की सुविधा वाले परिवारों में शामिल किया है। पीएनजी कनेशन 2014 के 22.28 लाख से बढ़कर 2023 में एक करोड़ से अधिक हो गए हैं। भारत में सीएनजी स्टेशनों की संया 2014 के 938 से बढ़कर 2023 में 4900 हो गई है। भारत ने अपने गैस पाइपलाइन नेटवर्क की लंबाई, 2014 के 14,700 किलोमीटर से 2023 में 22,000 किलोमीटर तक बढ़ा दी है। हाल ही में समाप्त हुए भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 में, प्रधानमंत्री द्वारा ई20, यानि 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित गैसोलीन लॉन्च किया गया। इसके साथ, भारत ने अपनी जैव ईंधन क्रांति में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जिसे 15 शहरों में शुरू करके, अगले दो वर्षों में पूरे देश में विस्तारित किया जाएगा।

भारत का इथेनॉल मिश्रित गैसोलीन सालल 2013-14 के 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 10.17 प्रतिशत हो गया है। अब भारत पांच, दूसरी पीढ़ी के इथेनॉल भी स्थापित कर रहा है, जो कृषि अपशिष्ट को जैव ईंधन में परिवर्तित कर सकते हैं, जिससे पराली जलाने के कारण प्रदूषण कम होगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। देश में संपूर्ण हरित हाइड्रोजन इकोसिस्टम विकसित करने के लिए 19,744 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया है, जो 4 मीट्रिक टन वार्षिक हरित हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में भारत के प्रयासों में तेजी लाएगा और 2030 तक संचयी जीवाश्म ईंधन आयात में एक लाख करोड़ रुपए तक की बचत करेगा।

भारत 2030 तक हरित हाइड्रोजन इकोसिस्टम विकसित करने के क्रम में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए तैयार है। अपनी ऊर्जा रणनीति की तरह हम भारत के भविष्य के परिवहन क्षेत्र को बदलने एकीकृत मार्ग अपना रहे हैं। इसलिए, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन के साथ, भारत ने 50 गीगावाट घंटे के उन्नत रसायन सेल बनाने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू की है, जिसके माध्यम से इलेट्रिक वाहनों को समर्थन दिया जा रहा है। इस क्षेत्र के लिए व्यावहारिक अंतर वित्तपोषण व सीमा शुल्क छूट की भी घोषणा की गई है। हमने, मई 2024 तक 22,000 रिटेल आउटलेट्स पर वैकल्पिक ईंधन स्टेशनों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। ■

'हरियाली के रास्ते' के स्वामित्व एवं अन्य विवरण के संबंध में

घोषणा फॉर्म 4 (नियम 8 देखिये)

1.	प्रकाशन का स्थान	: 111/ए–ब्लॉक, शहनाई–II रेसीडेंसी, कनाडिया रोड इंदौर
2.	प्रकाशन की अवधि	: मासिक
3.	मुद्रक का नाम	: बृजेश त्रिपाठी
	क्या भारतीय नागरिक है	: हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	
4.	प्रकाशक का नाम	: बृजेश त्रिपाठी
5.	सम्पादक का नाम	: बृजेश त्रिपाठी
	क्या भारतीय नागरिक है	: हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	
	पता	: 111/ए–ब्लॉक, शहनाई–II रेसीडेंसी, कनाडिया रोड इंदौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूँजी के 1 प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	: बृजेश त्रिपाठी

मैं बृजेश त्रिपाठी एद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक : मार्च 2023

बृजेश त्रिपाठी
प्रकाशक के हस्ताक्षर

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
जन-जन के लाड़ले नेता एवं प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री आशीष सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. उज्जैन

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री बी.एल. मकवाना (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्रीमती वर्षा श्रीवास (सहायक आयुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

नई सहस्राब्दी में नारी की नई छवि

नारी की नई सहस्राब्दी में सर्वदा एक नई छवि उभर रही है। महिलाएं पिछली सदियों में जो बेड़ियों से जकड़ी थी, उसे तोड़कर आज वह अपनी नई पहचान बनाने में जुटी है। आज नारी अबला नहीं रही, वह पुरुष से दुर्बल नहीं है बल्कि उससे कहीं ज्यादा सक्षम और सबल है। इस संदर्भ में राष्ट्र-निर्माता स्वामी विवेकानंद ने वर्षों पहले कहा था- किसी भी रा की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर है वहां की महिलाओं की स्थिति। हमें नारियों को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना चाहिए, जहां वे अपनी समस्याओं को अपने ढंग से स्वयं सुलझा सकें। हमें नारी शक्ति के उद्धारक नहीं, वरन उनके सेवक और सहायक बनना चाहिए। भारतीय नारियां संसार की अन्य किन्हीं भी नारियों की भांति अपनी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता रखती हैं। आवश्यकता है, उन्हें उपयुक्त अवसर देने की। इसी आधार पर भारत के उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएँ सन्निहित हैं।

घर की घुटन भरी चहारदीवारी अब प्रायः टूट चुकी है। कल की साधारण-सी गृहिणी आज कुशल प्रबंधक बनकर अपने कार्यों, दायित्वों का निर्वहन कर रही है। उसकी इस भूमिका में नवीनता है, सृजनशीलता की आभा है। हालांकि नारी में यह प्रतिभा जन्मजात थी, परंतु पुरुष प्रधान समाज की निरंकुश मानसिकता में वह दबी पड़ी गल रही थी। जैसे ही यह प्रतिरोध कुछ कम हुआ कि नारी प्रतिभा पुष्पित-पल्लवित होने लगी।

समस्त शास्त्री मानते हैं कि जब भी समाज, राष्ट्र एवं विश्व विकास के उत्तुंग शिखर पर स्थापित हुआ, उसके पीछे नारियों के त्याग, बलिदान एवं योगदान ही महत्वपूर्ण रहे हैं। विश्व के अधिकांश देशों में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ रही है। अमेरिका, कनाडा जैसे अत्यधिक विकसित देशों से लेकर युगांडा, बांग्ला देश के समान अल्प विकासशील देशों में भी यह बदलाव दिखाई दे रहा है।

जहां पुरुषों का एकाधिकार एवं वर्चस्व रहा है। इस मिथक को तोड़कर महिलाएं इस क्षेत्र में भी प्रवेश पा चुकी हैं। अंतरिक्ष उड़ान में भाग लेने वाली भारतीय महिलाएं कल्पना चावला या सुनीता विलियम्स तथा अंटार्कटिका ज्वालामुखी की खोज, पर्वतारोहण, रॉफ्टिंग सेना तथा मैनेजमेंट जैसी जटिल एवं साहसपूर्ण क्षेत्रों में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। महिलाओं के लिए यह नूतन भविष्य की नवीन संभावनाएं लेकर आ रहा है।

इतिहास के अनुसार समानाधिकार की यह लड़ाई आम महिलाओं द्वारा शुरू की गई थी। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आन्दोलन की शुरूआत की, फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला, इस मोर्चे का

उद्देश्य युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था।

महिला दिवस अब लगभग सभी विकसित, विकासशील देशों में मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने महिलाओं के समानाधिकार को बढ़ावा और सुरक्षा देने के लिए विश्वभर में कुछ नीतियाँ, कार्यक्रम और मापदण्ड निर्धारित किए हैं। संयुक्त राष्ट संघ के अनुसार किसी भी समाज में उपजी सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक समस्याओं का निराकरण महिलाओं की साझेदारी के बिना नहीं पाया जा सकता।

भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है और समारोह आयोजित किए जाते हैं। महिलाओं के लिए काम कर रहे कई संस्थानों द्वारा जैसे अवेक, सेवा, अस्मिता, स्त्रीजन्म जगह-जगह महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाए जाते हैं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। कई संस्थाओं द्वारा गरीब महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

भारत में एक महिला को शिक्षा का, वोट देने का अधिकार और मौलिक अधिकार प्राप्त है। धीरे धीरे परिस्थितियाँ बदल रही हैं। भारत में आज महिला आर्मी, एयर फोर्स, पुलिस, आईटी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा जैसे क्षेत्र में पुरूषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं। माता-पिता अब बेटे-बेटियों में कोई फर्क नहीं समझते हैं। लेकिन यह सोच समाज के कुछ ही वर्ग तक सीमित है।

सही मायने में महिला दिवस तब ही सार्थक होगा जब विश्व भर में महिलाओं को मानसिक व शारीरिक रूप से संपूर्ण आजादी मिलेगी, जहाँ उन्हें कोई प्रताड़ित नहीं करेगा, जहाँ उन्हें दहेज के लालच में जिन्दा नहीं जलाया जाएगा, जहाँ कन्या भ्रूण हत्या नहीं की जाएगी, जहाँ बलात्कार नहीं किया जाएगा, जहाँ उसे बेचा नहीं जाएगा। समाज के हर महत्वपूर्ण फैसलों में उनके नज़रिए को महत्वपूर्ण समझा जाएगा। तात्पर्य यह है कि उन्हें भी पुरूष के समान एक इंसान समझा जाएगा। जहाँ वह सिर उठा कर अपने महिला होने पर गर्व करे, न कि पश्चाताप कि काश मैं एक लड़का होती।

नारी सदैव पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर तो चलती ही है, बल्कि उनसे भी अधिक जिम्मेदारियों का निर्वहन भी करती हैं। सही मायने में महिला दिवस तब ही सार्थक होगा जब विश्व भर में महिलाओं को मानसिक व शारीरिक रूप से संपूर्ण आजादी मिलेगी, जहाँ उन्हें कोई प्रताड़ित नहीं करेगा, जहाँ उन्हें दहेज के लालच में जिन्दा नहीं जलाया जाएगा, जहाँ कन्या भ्रूण हत्या नहीं की जाएगी, जहाँ बलात्कार नहीं किया जाएगा, जहाँ उसे बेचा नहीं जाएगा।

भारतीय संस्कृति में नारी के समान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता। अर्थात्, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किया जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है। मां अर्थात माता के रूप में नारी, धरती पर अपने सबसे पवित्रतम रूप में है। माता यानी जननी। मां को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है, क्योंकि ईश्वर की जन्मदात्री भी नारी ही रही है। मां देवकी (कृष्ण) तथा मां पार्वती (गणपति/ कार्तिकेय) के संदर्भ में हम देख सकते हैं इसे।

अगर आजकल की लड़कियों पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि ये लड़कियां आजकल बहुत बाजी मार रही हैं। इन्हें हर क्षेत्र में हम आगे बढ़ते हुए देखा जा सकता है। विभिन्न परीक्षाओं की मेरिट लिस्ट में लड़कियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। किसी समय इन्हें कमजोर समझा जाता था, किंतु इन्होंने अपनी मेहनत और मेधा शक्ति के बल पर हर क्षेत्र में प्रवीणता अर्जित कर ली है। इनकी इस प्रतिभा का सम्मान किया जाना चाहिए। नारी का सारा जीवन पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने में ही बीत जाता है। पहले पिता की छत्रछाया में उसका बचपन बीतता है। पिता के घर में भी उसे घर का कामकाज करना होता है तथा साथ ही अपनी पढ़ाई भी जारी रखनी होती है। यह क्रम विवाह तक जारी रहता है। उसे इस दौरान घर के कामकाज के साथ पढ़ाई-लिखाई की दोहरी जिम्मेदारी निभानी होती है।

नारी सदैव पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर तो चलती ही है, बल्कि उनसे भी अधिक जिम्मेदारियों का निर्वहन भी करती हैं। नारी इस तरह से भी सम्माननीय है। देवी अहिल्याबाई होलकर, मदर टेरेसा, इला भट्ट, महादेवी वर्मा, राजकुमारी अमृत कौर, अरुणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी और कस्तूरबा गांधी आदि जैसी कुछ प्रसिद्ध महिलाओं ने अपने मन-वचन व कर्म से सारे जग-संसार में अपना नाम रोशन किया है। कस्तूरबा गांधी ने महात्मा गांधी का बायां हाथ बनकर उनके कंधे से कंधा मिलाकर देश को आजाद कराने में भूमिका निभाई है। इंदिरा गांधी ने अपने दृढ़-संकल्प के बल पर भारत एवं विश्व राजनीति को प्रभावित किया है। ■

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सौजन्य से
श्री राजेन्द्रसिंह रजावत (शा.प्र. खातेगाँव)
श्री मनोज शर्मा (पर्य. खातेगाँव)
श्री सुखलाल मौर्य (शा.प्र. काँटाफोड़)
श्री ज्ञानेन्द्र जोशी (पर्य. काँटाफोड़)
श्री मुकेश राठौर (शा.प्र. उदयनगर)
श्री बद्रीलाल सोलंकी (पर्य. उदयनगर)
श्री ऋषव गुप्ता (कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री पी.एन.गोडरिया (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एस. पुरी (प्रभारी सीईओ)
वृहत्ताकार सेवा सह. संस्था मर्या. नेमावर, जि.देवास — श्री ओमप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)
वृहत्ताकार सेवा सह. संस्था मर्या. खातेगाँव, जि.देवास — श्री दिनेश चौहान (प्रबंधक)
वृहत्ताकार सेवा सह. संस्था मर्या. अजनास, जि.देवास — श्री संतोष नाथ (प्रबंधक)
वृहत्ताकार सेवा सह. संस्था मर्या. इकलेरा, जि.देवास — श्री महेन्द्रसिंह राजावत (प्रबंधक)
वृहत्ताकार सेवा सह. संस्था मर्या. जियागाँव, जि.देवास — श्री हरिओम पंवार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोमगाँव, जि.देवास — श्री नारायणजी यादव (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पी. नानकर, जि.देवास — श्री कैलाश मीणा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. हरणगाँव, जि.देवास — श्री गजानंद शुक्ला (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. विक्रमपुर, जि.देवास — श्री दिनेशचंद्र शर्मा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पटरानी, जि.देवास — श्री कमलसिंह अरोरा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. खल, जि.देवास — श्री महेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या.कांकरिया, जि.देवास — श्री संतोष जायसवाल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. मुरझाल, जि.देवास — श्री मनोहर पंवार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. काँटाफोड़, जि.देवास — श्री यशवंत पंवार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बेड़गाँव, जि.देवास — श्री यशवंत पंवार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. गोदना, जि.देवास — श्री जगदीश गोसवाल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. जिनवानी, जि.देवास — श्री रमजान शेख (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. लोहार्दा, जि.देवास — श्री ज्ञानेन्द्र जोशी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भैसून, जि.देवास — श्री राजेश मीणा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुंजापुरा, जि.देवास — श्री रामसिंह तोमर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. चंदुपुरा, जि.देवास — श्री गंगाराम मौर्य (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पानकुआ, जि.देवास — श्री सरवन डाबर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. उदयनगर, जि.देवास — श्री ललित शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. देवनालिया, जि.देवास — श्री बद्रीलाल सोलंकी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पांडुतालाब, जि.देवास — श्री मुकेश मंडलोई (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पोलाखाल, जि.देवास — श्री शिवकुमार कुशवाहा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. रतनपुर, जि.देवास — श्री इंदरसिंह परमार (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सामुदायिक बहुलता का पर्व है होली

■ **प्रमोद भार्गव**
वरिष्ठ पत्रकार

होली शायद पूरी दुनिया का एकमात्र ऐसा त्यौहार है, जो सामुदायिक बहुलता की समरसता से जुड़ा है। इस पर्व में मेल और मिलाप का जो आत्मीय भाव अंतर्मन से उमड़ता है, वह सांप्रदायिक अतिवाद और जातीय जड़ता को भी ध्वस्त कर देता है। फलस्वरूप किसी भी जाति का व्यक्ति उच्च जाति के व्यक्ति के चेहरे पर पर गुलाल मल सकता है और आर्थिक रूप से विपन्न व्यक्ति भी धनकुबेर के भाल पर गुलाल का टीका लगा सकता है। यही एक ऐसा पर्व है,जब दफ्तर का चपरासी भी उच्चाधिकारी के सिर पर रंग उड़ेलने का अधिकार अनायास पा लेता है। वाकई रंग छिड़कने का यह होली पर्व उन तमाम जाति एवं वर्गीय वर्जनाओं को तोड़ देता है,जो मानव समुदायों के बीच असमानता बढ़ाती है। इस त्यौहार की उपादेयता को और व्यापक बनाने की जरूरत है। होली का पर्व हिरण्यकश्यप की बहन होलिका के दहन की घटना से जुड़ा है। ऐसा लोक-प्रचलन में है कि होलिका को आग में न जलने का वरदान प्राप्त था। अलबत्ता उसके पास ऐसी कोई वैज्ञानिक तकनीक थी, जिसे प्रयोग में लाकर वह अग्नि में प्रवेश करने के बावजूद नहीं जलती थी। चूंकि होली को बुराई पर अच्छाई के पर्व के रूप में माना जाता है, इसलिए जब वह अपने भतीजे प्रहलाद को विकृत तथा क्रूर मानसिकता के चलते गोद में लेकर प्रज्वलित आग में प्रविष्ट हुई तो खुद तो जलकर खाक हो गई, किंतु प्रहलाद बच गए। उसे मिला वरदान सार्थक सिद्ध नहीं हुआ, क्योंकि वह असत्य और अनाचार की आसुरी शक्ति में बदल गई थी। ऐतिहासिक और पौराणिक साक्ष्यों से पता चलता है कि होली की इस गाथा के उत्सर्जन के स्रोत पाकिस्तान के मुल्तान से जुड़े हैं। यानी आविभाजित भारत से। अभी भी यहां भक्त प्रहलाद से जुड़े मंदिर के भग्नावशेष मौजूद हैं। वह खंबा भी मौजूद है, जिससे प्रहलाद को बांधा गया था। भारत विभाजन के बाद पाक में हिंदू धर्म से जुड़े मंदिरों को नेस्तनाबूद करने का जो सिलसिला चला, उसके थपेड़ों से यह मंदिर भी लगभग नष्टप्रायः हो गया, लेकिन चंद अवशेष अब भी मुलतान में मौजूद हैं और अल्पसंख्यक हिंदू होली खेलते हैं।

वसंत पंचमी भी यह वासंती वास्त्रों में सुसज्जित महिलाएं मनाती हैं और हिंदु पुरुष पतंगें उड़ाकर खुशी प्रकट करते हैं। जाहिर है, यह पर्व पाक जैसे आतिवादियों के देश में सांप्रदायिक सद्भाव के वातावरण का भी निर्माण करता है। गोया, होली व्यक्ति की मनोवृत्ति को लचीली बनाने का काम करती है। वैदिक युग में होली को नवान्नेष्टि यज्ञ कहा गया है। क्योंकि वह समय होता है, जब खेतों से पका अनाज काटकर घरों में लाया जाता है। जलती होली में जौ और गेहूं की बालियां तथा चने के बूटे भूनकर प्रसाद के रूप में बांटे जाते हैं। होली में भी बालियां होम की जाती हैं। यह लोक-विधान अन्न परिपक्व व आहार के योग्य हो जाने का प्रमाण है। इसलिए वेदों में इसे नवान्नेष्टि यज्ञ कहा गया है। मसलन अनाज के नए आस्वाद का आगमन। यह नवोन्मेष खेती किसानी की संपन्नता का घोतक है। जो ग्रामीण परिवेश में अभी भी विद्यमान है। गोया यह उत्सवधर्मिता आहार और पोषण का भी प्रतिक है, जो धरती और अन्न के सनातन मूल्यों को एकमेव करता है।

होली का सांस्कृतिक महत्व मधु अर्थात मदन से जुड़ा है। संस्कृत और हिंदी साहित्य में मदनोत्सव को वसंत ऋतु का प्रेमाख्यान माना गया है। वसंत यानी शीत और ग्रीष्म ऋतुओं की संधि-वेला। अर्थात एक ऋतु का प्रस्थान और दूसरी ऋतु का

आगमन। यह वेला एक ऐसे प्राकृतिक परिवेश को रचती है, जो मधुमय होता है, रसमय होता है। मधु का ऋगवेद में खूब उल्लेख है क्योंकि इसका अर्थ है, संचय से जुटाई गई मिठास। मधु मक्खियां अनेक प्रकार के पुष्पों से मधु जुटाकर एक स्थान पर संग्रह करने का काम करती हैं। जीवन का मधु संचय का यही संघर्ष जीवन को मधुमयी बनाने का काम करता है। होली को मदनोत्सव भी कहा गया है। क्योंकि इस रात चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होता है। इसी शीतल आलोक में भारतीय स्त्रियां अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना करती हैं। लिंग पुराण में होली को फाल्गुनिका की संज्ञा देकर इसे बाल-क्रीड़ा से जोड़ा गया है।

मनु का जन्म फाल्गुनी को हुआ था, इसलिए इसे मन्वादि तिथि भी कहते हैं। भविष्य पुराण में भूपतियों से आह्वान किया गया है कि वे इस दिन अपनी प्रजा को भय मुक्त रहने की घोषणा करें। क्योंकि यह ऐसा अनूठा दिन है, जिस दिन लोग अपनी पूरे एक साल की कठिनाइयों को प्रतीकात्मक रूप से होली में फूंक देते हैं। इन कष्टों को भस्मीभूत करके उन्हें जो शांति मिलती है, उस शांति को पूरे साल अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए ही भाविष्य पुराण में राजाओं से प्रजा को अभयदान देने की बात कही गई है। भारतीय कुटुंब की भावना इस दर्शन में अंतर्निहित है। अर्थात होली के सांस्कृतिक महत्व का दर्शन नैतिक, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को मिलाकर एकरूपता गढ़ने का काम करता है। तय है, होली के पर्व की विलक्षण्ता में कृषि, समाज, अर्थ और सद्भाव के आयाम एकरूप हैं। इसलिए यही ऐसा अद्वितीय पर्व है, जो सृजन के बहुआयामों से जुड़ा होने के साथ-साथ सामुदायिक बहुलता के आयाम से भी जुड़ा है।

होली एक प्राचीन त्योहार है। पौराणिक कथाओं के अनुसार मुख्य रूप से यह बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है। भारत और चीन में इसे, इसी परिप्रेक्ष्य में मनाने की परंपरा है। आज इस पर्व को मूल-अर्थों में मनाना ज्यादा प्रासंगिक है। गलत साधनों से कमाई संपत्ति और बाहुबल का बोलबाला बढ़ रहा है। ऐसी राक्षसी शक्तियों के समक्ष नियंत्रक मसलन कानूनी ताकतें बौनी साबित हो रही हैं। हिंसा और आतंक के भयभीत वातावरण में हम भयमुक्त होकर नहीं जी पा रहे हैं। दुविधा के इसी संक्रमण काल में होलिका को मिले वरदान आग में न जलने की कथा की प्रासंगिकता है। क्योंकि बुराई का जलना और अत्याचारी व दुराचारी ताकतों का ढहना तय है। सम्राट हिरण्यकश्यप की बहन बोलकर को आग में न जलने का वरदान था, जिसे प्रयोग में लाकर वह अग्नि में प्रवेश करने के बावजूद नहीं जलती थी। लेकिन जब वह अपने भतीजे प्रहलाद का अंत करने की क्रूर मानसिकता के साथ उसे गोद में लेकर प्रज्वलित अग्नि में प्रविष्ट हुई तो प्रहलाद तो बच गए, किंतु होलिका जल कर मर गई।

चीन में होली का नाम है, 'फोश्वेई च्ये अर्थात रंग और पानी से सराबोर होने का पर्व है। इस पर्व से जुड़ी कहानी है कि प्राचीन समय में दुर्दांत अग्नि-राक्षस ने चिंग हुग नाम के गांव की उपजाऊ कृषि भूमि पर कब्जा कर लिया। राक्षस की छह सुंदर पत्नियां थीं। इसके बाद भी उसने चिंग हुग गांव की ही एक युवती का अपहरण करके उसे सातवीं पत्नी बना लिया। उसने अपने रूप-जाल के मोहपाश में राक्षस को ऐसा बांधा कि मृत्यु का रहस्य जान लिया। राज यह था कि यदि राक्षस की गर्दन से उसके लंबे बाल लपेट दिए जाएं तो वह मृत्यु का शिकार हो जाएगा। युवती ने ऐसा ही किया। राक्षस की गर्दन उसी के बालों से सोते में बांध दी और बाल से ही गर्दन काटकर धड़ से अलग कर दी। यह सिर लुढ़कता हुआ जहां-जहां से गुजरता वहां-वहां आग प्रज्वलित हो उठती। लड़की ने ग्रामीणों की मदद से पानी से आग बुझाने में जुट गई। राक्षस के अंत की खुशी में ताएं जाति के लोग आग बुझाने के लिए जिस पानी का उपयोग कर रहे थे, उसे एक-दूसरे पर उड़ेल कर झूमने लगे। और फिर हर साल होली मनाने का सिलसिला चल निकला। ■

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

डॉ. नरोत्तम मिश्रा
(प्रभारी मंत्री)

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री एच.एस. विश्वकर्मा
(भारसाधक अधिकारी)

श्री देवीसिंह धनवार
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति गौतमपुरा, जि.इंदौर

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

डॉ. प्रभुराम मालवीय
(प्रभारी मंत्री)

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री राहुल चौहान
(भारसाधक अधिकारी)

श्री हजारीलाल पाटीदार
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति राजगढ़, जि.धार

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

डॉ. प्रभुराम मालवीय
(प्रभारी मंत्री)

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्रीमती मेघा पवार
(भारसाधक अधिकारी)

श्री मदनसिंह अखारे
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बदनावर, जि. धार

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

डॉ. प्रभुराम मालवीय
(प्रभारी मंत्री)

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्रीमती दीपा श्रीगुप्ता
(भारसाधक अधिकारी)

श्री किशोर कुमार नरगावे
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति धार, जि.धार

जन्मदिवस विशेष

शिवराज ने गढ़ा नया मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान का 'मैं हूँ ना' का भाव आत्म-विश्वास जगाता है। वे कार्यकर्ताओं के लिए कहते है कि 'पाँव में चक्कर, मुँह में शक्कर, सिर पर बर्फ और सीने में आग' होना चाहिए। वे स्वयं भी इसी भाव का पालन करते है। विकसित मध्यप्रदेश उनका स्वप्न और जन-कल्याण लक्ष्य है।

मोहन यादव
उच्च शिक्षा मंत्री

मध्यप्रदेश ने पिछले सात दशक की राजनीति में कई उतार-चढ़ाव देखे। प्रदेश ने कई मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल को देखा। विशेषकर, वर्ष 1993 से लेकर 2003 की तत्कालीन सरकार के कार्यकाल को लेकर नकारात्मक चर्चा होती रही है। वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में नई सरकार ने जिन लक्ष्यों को लेकर सत्ता हासिल की थी, आज 20 वर्ष बाद हमें अंतर साफ नजर आता है। वर्ष 2003 के पहले प्रदेश बदहाल था। सड़कें गड्डो में परिवर्तित थी, बिजली आती-जाती रहती थी। आमजन के लिए शासकीय सुविधाएँ पाना कठिन था। शहरों के हालात बदतर थे, ग्रामीण जन-जीवन अपने पर ही निर्भर था। शासकीय अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएँ स्वयं बीमार थी। शिक्षाकर्मी शासकीय स्कूलों में 500 रूपये महीने में पढ़ा रहे थे। प्रदेश 'बीमारू राज्य' की श्रेणी में था और उद्योगपति यहाँ निवेश करने में कतराते थे। कृषि प्रधान होने के बावजूद भी राज्य की कृषि दर न्यूनतम थी। सिंचाई के साधन नहीं थे। उद्योगों की विकास दर एक प्रतिशत से भी नीचे थी। प्रदेश की विकास दर ऋणात्मक थी। जन-कल्याण की योजनाओं का अता-पता नहीं था।

पिछले दो दशक में मध्यप्रदेश का परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया है। आज विकास के सूचकांकों में प्रदेश की उपलब्धियाँ गौरव करने वाली है। राज्य की विकास दर 16 प्रतिशत से अधिक है। औद्योगिक विकास दर 24 प्रतिशत है। सड़क, बिजली और पानी के मुद्दे पर परिणाम हम सबके सामने हैं। इस दौरान प्रदेश ने 23 प्रतिशत कृषि विकास दर अर्जित की और सात बार कृषि कर्मण पुरस्कार प्राप्त किया। प्रदेश ने जन-कल्याण के क्षेत्र में न केवल नए प्रतिमानों को स्थापित किया, वरन इस क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई

योजनाएँ अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनी। राज्य ने अभूतपूर्व प्रगति की है। इस नए मध्यप्रदेश को गढ़ने का श्रेय निश्चित रूप से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को जाता है।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने सत्ता को दरबारी व्यवस्था से बाहर निकाल कर आमजन के बीच ले जाने का कार्य किया है। वे लगातार बैठकों के माध्यम से कार्यक्रमों को दिशा देते है और व्यवस्था को सुचारु बनाये रखते है। किसी एक विषय पर लगातार बैठकें कर किसी विषय को परिणाम तक पहुँचाने में उन्हें महारत है। कई बार बैठक में उनका कड़ा रुख भी सामने आता है। जनता के साथ उनका सीधा संवाद है और लगातार प्रतिदिन अलग-अलग जिलों में जाकर लोगों से मिलना उनकी खासियत है। उनके द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए की गई 40 से अधिक पंचायतों ने प्रदेश में सामाजिक कल्याण की कई योजनाओं को स्वरूप दिया। वर्ष 2006 में प्रारम्भ की गई कन्या विवाह योजना और वर्ष 2007 में लागू की गई लाड़ली लक्ष्मी योजना ने उन्हें आमजन का मुख्यमंत्री बनाया। योजनाओं के माध्यम से समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को लाभ मिला। श्री चौहान के विजन और मिशन ने सुशासन स्थापित किया है। लोक सेवा गारंटी, सीएम हेल्पलाइन, समाधान, पेसा नियम, भू-माफिया कानून जैसे

कार्यक्रमों ने सरकारी व्यवस्था को आमजन के करीब पहुँचाया है और इसका लाभ दिलाया है। श्री चौहान के निर्णय मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण होते हैं। हर व्यक्ति की चिंता करना उनका स्वभाव है। पर्यावरण के प्रति उनकी निष्ठा ने प्रतिदिन पौध-रोपण के अंकुर अभियान को जन्म दिया। यह अभियान एक मिसाल बन गया है और एक राजनेता के रूप में उनके विलक्षण स्वरूप को बताता है।

कोरोना काल प्रदेश के लिये एक कठिन दौर था। लॉकडाउन के कारण अचानक सब कुछ बंद हो गया। लेकिन इन आपातकालीन परिस्थितियों में भी श्री चौहान ने कुशलता से सरकार का संचालन किया। स्वयं कोविड प्रभावित होने के बाद भी उन्होंने अस्पताल से सरकार चलाई। मुख्यमंत्री रहते हुए भी श्री चौहान कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा है। उनका 'मैं हूँ ना' का भाव आत्म-विश्वास जगाता है। वे कार्यकर्ताओं के लिए कहते है कि 'पाँव में चक्कर, मुँह में शक्कर, सिर पर बर्फ और सीने में आग' होना चाहिए। वे स्वयं भी इसी भाव का पालन करते है। मध्यप्रदेश उनका मंदिर है और प्रदेश की साढ़े 8 करोड़ जनता उनकी भगवान है। सामाजिक सेवा उनका अनुष्ठान है। विकसित मध्यप्रदेश उनका स्वप्न और जन-कल्याण लक्ष्य है। वे बहनों के लाड़ले भाई और भांजियों के लोकप्रिय मामा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान को 65वें जन्म-दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ। ■

लाड़ले 'मामाजी' : एक नजर में

- जन्म 5 मार्च 1959
- पिता स्व. श्री प्रेम सिंह चौहान और माता श्रीमती सुंदरबाई चौहान
- वर्ष 1992 में श्रीमती साधना सिंह के साथ विवाह।
- स्नातकोत्तर (दर्शनशास्त्र) तक स्वर्ण पदक के साथ शिक्षा।
- सन् 1975 में मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्रसंघ अध्यक्ष।
- आपात काल का विरोध और 1976-77 में भोपाल जेल में निरूद्ध।
- जन समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन और जेल यात्राएं।
- सन् 1977 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक।
- वर्ष 1998 में विदिशा संसदीय क्षेत्र से ही तीसरी बार 12 वीं लोक सभा के लिए सांसद चुने गये। वह 1998-99 में प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे। श्री चौहान वर्ष 1999 में विदिशा से चौथी बार 13 वीं लोक सभा के लिये सांसद निर्वाचित हुए।
- 2000 से 2003 तक भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे।
- 2005 में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त।
- 29 नवम्बर 2005 को पहली बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
- 12 दिसम्बर 2008 को भोपाल के जम्बूरी मैदान में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।
- 14 दिसम्बर 2013 को भोपाल के जम्बूरी मैदान में लगातार तीसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
- 23 मार्च 2020 को प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

पर्यावरण

ग्लोबल वार्मिंग से और बिगड़ेगी स्थिति

■ विवेक सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

जलवायु परिवर्तन के कारण बन रही स्थितियां अब कोई छिपा तथ्य नहीं रह गई हैं। पूरी दुनिया इनका सामना कर रही है। इस समस्या का एक पक्ष यह भी है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में जिन गरीब देशों की भूमिका सबसे कम रही है, आज उन पर ही संकट सबसे ज्यादा है। दरअसल विकसित और उच्च आय वाले कुछ चुनिंदा देशों ने जमकर उत्सर्जन किया है और अभी भी कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वहां प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति भी लगातार बढ़ रही है। हालांकि आर्थिक रूप से समृद्ध होने के कारण ये अमीर देश इस संकट का सामना करने में ज्यादा सक्षम हैं। दूसरी ओर, गरीब देश उत्सर्जन में नाम मात्र की हिस्सेदारी होते हुए भी संकट के मुहाने पर खड़े हैं, क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति किसी भी तरह की प्राकृतिक आपदा से निपटने में सक्षम नहीं है।

वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है। इसका असर दुनिया के हर कोने में देखा जा रहा है। कहीं अत्याधिक गर्मी पड़ रही है तो कहीं सामान्य से बहुत अधिक वर्षा हो रही है। यदि धरती की सतह का वैश्विक औसत तापमान बढ़ता है तो सबसे ज्यादा प्रभावित दुनिया के गरीब देश होंगे। यह बात एक अध्ययन में सामने आई है। पेरिस समझौते में यह सीमा 1.5 डिग्री या दो डिग्री सेल्सियस तक तय की गई है। यदि तापमान में इतनी वृद्धि होती है तो भी असर गरीब देशों पर देखने को मिलेगा। जियोफिजिकल रिसर्च लैटर्स नामक जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में जलवायु परिवर्तन के अमीर और गरीब देशों पर पड़ने वाले प्रभाव की तुलना की गई है। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के एंड्रयू किंग के मुताबिक, परिणाम ग्लोबल वार्मिंग से आने वाली असमानताओं का उदाहरण है। हैरत की बात यह है कि तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने पर सबसे ज्यादा ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करने वाले अमीर देशों पर इसका सबसे कम असर होगा।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, सबसे कम प्रभावित वे देश होंगे जहां तापमान न तो ज्यादा गर्म होता है और न ठंडा। इनमें सबसे आगे ब्रिटेन है। इसके विपरीत भूमध्यवर्ती क्षेत्र के देश जैसे कांगो ग्लोबल वार्मिंग से सर्वाधिक प्रभावित होंगे। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र से बाहर के इलाकों में वार्मिंग के प्रभाव का उतना पता नहीं चलेगा। हालांकि भूमध्यवर्ती क्षेत्र, जहां पहले से औसत तापमान अधिक होता है और सालभर तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होता वहां जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में थोड़ा बदलाव होने पर एकदम से महसूस होगा और इसका तत्काल प्रभाव भी पता चलेगा। टेंपरेट क्षेत्रों में आने वाले ज्यादातर राष्ट्र अमीर हैं और गरीब राष्ट्र उष्णकटिबंध क्षेत्र में आते हैं। पिछले साल ही यूरोप के अमीर देशों को बाढ़ ने तहस-नहस कर डाला। जर्मनी, बेल्जियम में उफनती नदियों ने कहर ढा दिया। ठंडे और कोहरे में लिपटे मौसम के लिए मशहूर अमेरिका के उत्तर पश्चिमी इलाकों में गर्मी से सैकड़ों लोगों की जान चली गई। कनाडा में जंगलों की आग ने समूचे गांव का अस्तित्व खत्म कर डाला। अध्ययनों से पता लगा है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण हुए जलवायु परिवर्तन ने इन देशों को शिकार बनाया है। आने वाले वर्षों में कई देशों में स्थिति और ज्यादा खराब होगी। यूरोप और उत्तर अमेरिका में खराब मौसम ने साइंस और इतिहास के दो तथ्यों को रेखांकित किया है। दरअसल, पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की गति धीमी करने को तैयार नहीं है। वह इसकी जरूरत को लेकर भी सचेत नहीं है। इन देशों की गतिविधियों से वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की भरमार हुई और दुनिया में गर्मी बेतहाशा बढ़ी है।

भीषण मौसम और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध पर अध्ययन करने वाले ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के भौतिकशास्त्री फ्रेडरिके ओटो का कहना है, हमें लोगों का जीवन बचाना होगा। ग्लोबल वार्मिंग के कारण गरीब देशों में मौतों और नुकसान का लंबा सिलसिला चल रहा है। साल 2013 में विकासशील देशों ने जलवायु परिवर्तन से हो रहे नुकसान के लिए धन देने की मांग थी जिसे अमेरिका, यूरोपीय देशों ने ठुकरा दिया था। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के भारत स्थित दफ्तर में जलवायु डायरेक्टर अलका केलकर का कहना है, औद्योगिक देशों द्वारा 100 साल से अधिक समय तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन ने भयानक मौसम की स्थितियां बनाई हैं। इससे गरीब देशों में तबाही हुई है। ये आपदाएं अमीर देशों में हो रही हैं। 2015 के पेरिस समझौते के बाद भी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम नहीं हुआ है।

यूरोप, अमेरिका, कनाडा, रूस के घटनाक्रम साइंस की अनदेखी का नतीजा हैं। क्लाइमेट मॉडलों ने बढ़ते तापमान के विनाशकारी प्रभाव की चेतावनी दी है। 2018 के वैज्ञानिक मूल्यांकन में आगाह किया गया है कि औसत ग्लोबल तापमान में बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री से कम नहीं रखा गया तो फिर विनाशकारी नतीजे होंगे। समुद्रतटीय शहर डूब जाएंगे। दुनिया के कई इलाकों में फसलें नष्ट हो जाएंगी। जलवायु परिवर्तन के कारण सदी के अंत तक यूरोप में बारिश के साथ तूफानों की चेतावनी दी गई है। ब्रिटेन के मौसम विभाग में जलवायु वैज्ञानिक कहते हैं, हमें कार्बन उत्सर्जन कम करके परिवर्तन को रोकना होगा। लेकिन, अमेरिका जैसे साधन संपन्न देश भी इस तरफ ध्यान नहीं देते हैं। अमेरिका में 2010 के बाद एक हजार व्यक्तियों की मौत बाढ़ से हो चुकी है। देश के दक्षिण पश्चिमी हिस्से में पिछले कुछ वर्षों से गर्मी से मौतें बढ़ रही हैं। अंटार्कटिका के बाद रूस का साइबेरिया विश्व की सबसे सर्द जगह है। लेकिन, पिछले तीन साल से उार पूर्व साइबेरिया जंगलों की भीषण आग का सामना कर रहा है। किसी समय इस इलाके में हमेशा बर्फ जमी रहती थी।

पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की गति धीमी करने को तैयार नहीं है। वह इसकी जरूरत को लेकर भी सचेत नहीं है। इन देशों की गतिविधियों से वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की भरमार हुई और दुनिया में गर्मी बेतहाशा बढ़ी है।

अब बीते कुछ सालों से गर्मियों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंचता है। पिछले साल 60 हजार वर्गमील क्षेत्र में जंगल और टुंड्रा में आग लगी थी। पिछले वर्ष तीस हजार वर्ग मील से अधिक इलाके में आग लग गई। वैज्ञानिकों का कहना है, कुछ वर्षों से उत्तर साइबेरिया के तेजी से गर्म होने के कारण अग्निकांड हुए हैं। भारत की बात करें तो इस साल पूरे देश में गर्मी ने पूरी तरह से दस्तक दे दी है। असर होली के बाद वातावरण में गर्मी का अहसास होता था वो भी धीरे-धीरे लेकिन इस बार तो फरवरी में ही मई-जून का अहसास हो गया। मैदानी इलाकों में गर्मी ने फरवरी में 146 साल का रिकॉर्ड ही तोड़ दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर और मध्य भारत में दिन का औसत तापमान सामान्य से 1.73 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इससे पहले फरवरी में 1901 में 0.81 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मार्च से मई के बीच संभावित लू के लिए एडवाइजरी जारी की है।

मौसम विभाग ने भी 2023 में गर्मी के लिए पहली बार चेतावनी जारी की है। इसे देखते हुए या करें, या न करें की सूची जारी की गई है। इसके मुताबिक, जरूरी न हो तो दोपहर 12 से 3 के बीच घर से न निकलें। बच्चों को बाहर खड़ी कार में अकेले कतई ना छोड़ें। इस बार फरवरी 1877 के बाद सर्वाधिक गर्म रहा है। फरवरी का औसत अधिकतम तापमान 29.54 डिग्री सेल्सियस रहा जो अभी तक का सर्वाधिक है, जबकि औसत न्यूनतम तापमान 1901 से लेकर अब तक का पांचवां सर्वाधिक रहा है। यह ग्लोबल वार्मिंग का नतीजा है और आने वाले कल के लिए चेतावनी भी। ■

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सौजन्य से
श्री तुमेरसिंह मंडलोई (शा.प्र. ओझर)
श्री अविनेश पवार (शा.प्र. धनोरा)
श्री मकसूद शेख (शा.प्र. वरला)
श्री रेमालसिंह खरते (शा.प्र. धवली)
श्री संजय शर्मा (शा.प्र. सेंधवा)
श्री देवेन्द्र मंडलोई (शा.प्र. मंडी सेंधवा)
श्री जावेद मंसूरी (शा.प्र. निवाली)
श्री भीलू वैशाखी (शा.प्र. पानसेमल)
श्री गौरव शुक्ला (शा.प्र. खेतिया)
श्री बी.एल.मकवाना (प्र. संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)
श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री राजेन्द्र आचार्य (प्रभारी सीईओ)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. ओझर, जि.बड़वानी
श्री दीपक यादव (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. नागलवाड़ी, जि.बड़वानी
श्री शंकरलाल सोलंकी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. धनोरा, जि.बड़वानी
श्री प्रहलादराव पवार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. झिरी जामली, जि.बड़वानी
श्री अनिल अग्रवाल (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. खुर्माबाद, जि.बड़वानी
श्री चंद्रकांत चौहान (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. चाच. पाटी, जि.बड़वानी
श्री गुमानसिंह बर्वे (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. वरला, जि.बड़वानी
श्री दीपक ठाकुर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बलवाड़ी, जि.बड़वानी
श्री गणेश अवस्थी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. धवली, जि.बड़वानी
श्री राजाराम चौहान (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. दुगानी, जि.बड़वानी
श्री सुरेश आर्य (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. सेंधवा, जि.बड़वानी
श्री जयंतीलाल चौहान (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. महेदगाँव, जि.बड़वानी
श्री सुनील तिवारी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामली, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्र यादव (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बाबदड़, जि.बड़वानी
श्री अजीज खान (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. मालवन, जि.बड़वानी
श्री राहुल वाकड़े (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. जोगवाड़ा, जि.बड़वानी
श्री सीताराम पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. चाटली, जि.बड़वानी
श्री निंबाराव पाटिल (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. गवाड़ी, जि.बड़वानी
श्री सखाराम डावर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. निवाली, जि.बड़वानी
श्री विनोद मंडलोई (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. वझर, जि.बड़वानी
श्री हीरालाल देवड़ा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. पानसेमल, जि.बड़वानी
श्री पंकज शाह (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. मोयदा, जि.बड़वानी
श्री यदा निगवाल (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. दोंदवाड़ा, जि.बड़वानी
श्री प्रताप पंवार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. खेतिया, जि.बड़वानी
श्री प्रकाश ठाकरे (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. राखी खुर्द, जि.बड़वानी
श्री गिरधर भावसार (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

कृषि विकास की चुनौतियां

■ **डॉ. सत्येन्द्र किशोर मिश्र**
एसोसिएट प्रोफेसर, विक्रम वि.वि., उज्जैन

खाद्यान्न उत्पादन की अपर्याप्तता व आयात निर्भरता से एक उभरती वैश्विक कृषि महाशक्ति बनने की भारत की उतार-चढ़ाव भरी यात्रा रही है। महामारी संकट में भारतीय कृषि की शक्ति दिखी और कृषि उत्पादन व उत्पादकता सराहनीय रहा। अब भारतीयकृषि विखंडित भू-जोत, निम्न कृषि उत्पादकता, खाद्य मूल्य अस्थिरता एवं जलवायु परिवर्तन जैसी दिक्कतों का सामना कर रही है। उभरती चुनौतियो में अगली पीढ़ी के सुधारों जैसे पर्यावरणीय टिकाऊ नई कृषि प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ-साथ पोस्ट हार्वेस्टिंग में सुधार जरूरी है। देखना होगा कि भारतीय कृषि इस ओर कितनी आगे बढ़ी है? भारतीय कृषि में बदलाव हेतु कैसी नीतियों तथा सुधारों की जरूरत है? भारत की जीडीपी में कृषि का हिस्सा घट रहा है, परंतु कुल उत्पादन बढ़ा है। कृषि लगभग आधी आबादी की आजीविका का आधार है। कृषि क्षेत्र ने महामारी संकट में भी 3.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जबकि अर्थव्यवस्था में 6.2 फीसदी की गिरावट आई।

अनेक देशों ने ऊंची कीमतों पर खाद्यान्न भंडारण किया, जबकि भारत में बफर स्टॉक लगभग तीन गुना सहज ही रहा। कृषि निर्यात में, वर्ष 2020-21 में 17.1 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि हुई है तथा सरकारी खरीदी में भी वृद्धि हुई। आज भारत विश्व में दूध, दाल, जूट तथा मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक व सबसे बड़े पशुसंसाधन वाला देश है। चावल, गेहूं, कपास, गन्ना, चाय, मूंगफली, फल, सजियों एवं मांस का भारत दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। भारतीय कृषि 1960 के दशक में तकनीक गहन प्रेरित हरित क्रांति के साथ उत्पादन एवं उत्पादकता विकास में आगे बढ़ी, जो बाद के दशकों में कायम रही। कृषि आगतों तक पहुंच में वृद्धि के अलावा मूल्य समर्थन नीति के कारण खाद्यान्न उत्पादन में लगातार रिकॉर्ड वृद्धि हुई। 2012-13 से बागवानी उत्पादन ने खाद्यान्न उत्पादन को पीछे छोड़ दिया तथा वर्तमान में इसका हिस्सा कृषि क्षेत्र के कुल उत्पादन मूल्य का 35 फीसदी है।

खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि ने उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों के लिए विविधीकरण को और आसान बना दिया। पशु पालन एवं मछली उत्पादन का लगातार महत्व बढ़ा है, पशुपालन में पिछले दशक में 6.6 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई। भारत दुनिया में दूध, अंडे तथा मांस के प्रमुख उत्पादक के रूप में उभरा है। पशुधन न केवल लघु व सीमांत किसानों बल्कि भूमिहीन मजदूरों की आजीविका का एक महत्वपूर्ण साधन है। वर्ष 2000 में भारत में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के उत्पादों की वैश्विक व्यापार में भागीदारी 1.1 फीसदी से दोगुना बढ़कर 2018 तक 2.2 फीसदी हो गई। 2020-21 में भारत के कुल निर्यात में इसका योगदान 14.2 फीसदी रहा, इसमें अनाज, बागवानी फसलों, चीनी, पशुधन व समुद्री उत्पाद शामिल हैं। भारत के कृषि निर्यात में अनाज की हिस्सेदारी सर्वाधिक 22.3 फीसदी है, जो मुख्यतः बासमती तथा गैर-बासमती चावल की बढ़ती मांग के कारण है। पशुपालन की हिस्सेदारी निर्यात में 2000 में 10.4 फीसदी; दोगुना बढ़कर 2020 में 20.2 फीसदी हो गई, जो मुख्यतः मांस निर्यात के कारण है।

पिछले दो दशकों में समुद्री एवं बागवानी उत्पादों का हिस्सा 18 फीसदी पर स्थिर है। परन्तु तिलहन, तंबाकू एवं पेय पदार्थों

आज प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जलवायु संबंधी जोखिमों से फसल क्षति को कवर करती है। कृषि में विकास तथा स्थिरता में संतुलन हेतु एकीकृत दीर्घकालिक जलवायु नीति आवश्यक है। कृषि अपशिष्ट प्रबंधन चुनौती है। उत्तर भारतीय राज्यों में फसल अवशेष जलाने से प्रदूषण के कारण जनस्वास्थ्य एवं ग्लोबल वार्मिंग पर खतरा बढ़ता है।

का हिस्सा घटा है। 2014 से भारत की एट-ईस्ट नीति के कारण, एशियाई तथा मध्यपूर्वी देश भारतीय कृषि निर्यात के प्रमुख खरीदार हैं। दूसरी ओर, अमेरिका तथा यूरोपीय संघ के बाजारों में कृषि उत्पादों की पहुंच सैनिटरी और फाइटोसैनेटिक मानदंडों के कारण चुनौती बनी हुई है। मसाला में 37 फीसदी तथा चावल आधारित उत्पादों में 23 फीसदी अस्वीकृत दर मिलावट या गलत ब्रांडिंग के कारण है। उत्पादन तथा शुरूआती प्रसंस्करण गतिविधियों के साथ बैकवर्ड इंटीग्रेशन, उचित पैकेजिंग और प्रमाणन सीमा अस्वीकृति दर को कम कर विकसित देशों में निर्यात बढ़ा सकते हैं। फाइटोसैनिटरी मानक समय के साथ बदलते रहते हैं तथा आयातक देशों में अलग-अलग होते हैं, बदलते मानकों पर निर्यातकों में जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। भारत में फसल उत्पादकता अपेक्षाकृत कम है। खाद्यान्न की तुलना में, दलहन, तिलहन, मोटे अनाज तथा बागवानी फसलों की उत्पादकता वृद्धि कम रही है। यह विकसित देशों की तुलना में लगभग 30 से 60 फीसदी ही है।

यन्त्रीकरण समय तथा श्रम की कठिनाइयों को कम कर कृषि उत्पादकता को 30 फीसदी तक बढ़ाने तथा लागत को 20 फीसदी तक घटाने की क्षमता रखता है। भारत में कृषि यन्त्रीकरण का वर्तमान स्तर 40 से 45 फीसदी है। पिछले कुछ वर्षों में ट्रैक्टरों का घनत्व बढ़ा है, परंतु पावरटिलर, रोटोवेटर जैसे अन्य कृषि उपकरणों का बाजार अभी भी सीमित एवं असंगठित है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में कृषि यन्त्रीकरण भी कम है। छोटी तथा बिखरी जोतें भारत में कृषि यन्त्रीकरण के आगे रूकावट हैं। सिंचित क्षेत्र में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे उच्च उत्पादकता तथा सूखा जैसे मौसम की परेशानियों से निजात मिली है। देश में सिंचित क्षेत्र 140 मिलियन हेक्टेयर है। वर्ष 2015-16 में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की शुरुआत के साथ, सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं में तेज वृद्धि हुई है, इससे जल उपयोग दक्षता सुनिश्चित हुई है। प्रगति के बावजूद, भारत में पूर्ण सिंचित क्षेत्र अभी भी 34.4 फीसदी तक सीमित है जो कि 38.6 फीसदी पूर्ण असिंचित क्षेत्र से कम है।

बागवानी, पशुधन व समुद्री उत्पादों के वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी दोगुना करने हेतु भारतीय कृषि ने पिछले दशकों में अच्छा प्रदर्शन किया है। कृषि उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका रबी तथा खरीफ फसलों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। खरीफ मौसम के दौरान अधिकतम तापमान का ज्यादा प्रभाव होता है जबकि न्यूनतम तापमान रबी फसलों को प्रभावित करते हैं। पौधों के जैविक विकास में बाधक बनने के अलावा जलवायु परिवर्तन के कारण कीट तथा रोग के हमलों में वृद्धि से फसल क्षति होती है। बेमौसम बारिश के साथ ही बाढ़ तथा अतिवृष्टि-अनावृष्टि की घटनाएं फसलों के लिए नुकसानदेह होती हैं। लघु तथा सीमांत किसान इन प्रभावों के प्रति अतिसंवेदनशील होते हैं। कृषि आय बचाने में जलवायु जोखिम कम करने की नीतियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

आज प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जलवायु संबंधी जोखिमों से फसल क्षति को कवर करती है। कृषि में विकास तथा स्थिरता में संतुलन हेतु एकीकृत दीर्घकालिक जलवायु नीति आवश्यक है। कृषि अपशिष्ट प्रबंधन चुनौती है। उत्तर भारतीय राज्यों में फसल अवशेष जलाने से प्रदूषण के कारण जनस्वास्थ्य एवं ग्लोबल वार्मिंग पर खतरा बढ़ता है। 2018 में फसल अवशेष जलाने का आंकड़ा 48.6 मिलियन टन था, इसमें 50 फीसदी हिस्सा धान का है। उत्तरी राज्यों में खरीफ तथा रबी की फसल के मध्य कम अंतर से अपशिष्ट प्रबंधन में दिक्कतें आती हैं। अपशिष्टों के औद्योगिक उपयोग व माइक्रोबियल डीकंपोजिंग समाधान आदि जैसा उपाय जरूरी है। भारत में ग्रामीण आबादी 83.3 करोड़ है। कृषि क्षेत्र कुल श्रमशक्ति का 49 फीसदी है, जीडीपी में इसका योगदान 15 फीसदी है जो कि कृषि पर श्रमशक्ति की निर्भरता को दर्शाता है। ■

सहकारिता के प्रति लोगों में जनजागरुकता लाने की जरूरत

■ **राकेश वर्मा**
क्षेत्रीय निदेशक, रासविवि शिमला

भारत सरकार द्वारा नए सहकारिता मंत्रालय के गठन से सहकारिता क्षेत्र को बहुत उम्मीदें जागी हैं। यह निर्णय आगे आने वाले दिनों में सहकारिता का दायरा भी बढ़ाएगा व सहकारिता किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रहेगा। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकर करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। हमारा देश प्राचीन काल से ही सहकारिता को अपनाता आ रहा है। आवश्यकता है सहकारिता के प्रति लोगों में जनजागरुकता लाने की। भारत दुनिया का सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है। हमारी प्राथमिकता युवाओं को सहकारिता से जोड़ने पर होना चाहिए, क्योंकि भारत का युवा सहकारिता को समझ जाएगा तो आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना आसानी से साकार हो सकेगी एवं हमारा भारत आर्थिक रूप से सक्षम, समृद्ध और शक्तिशाली हो सकेगा। गाँव-गाँव आत्मनिर्भरता की कहानी लिखेंगे और युवाओं को नई सोच के साथ आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

इसी उद्देश्य से सुझाव स्वरूप विचार है कि सहकारिता में अभी नए-नए प्रयोग किए जाने हैं व नए-नए आविष्कार भी होंगे। देखना यह होगा कि शिक्षित युवाओं को सहकारिता के क्षेत्र में कैसे आकर्षित कर जोड़ा जाए। आज के युवा को निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की तो जानकारी है व इन्हीं में अपनी आजीविका को देखता है। जबकि उसकी नजर में सहकारिता को आउटडेटिड फेशन वाला प्रोफेशन समझा जाता है। जिसकी वजह से सहकारिता क्षेत्र शिक्षित युवाओं से वंचित है। समय आ गया है कि अब लीक से हटकर सोचा जाए। सहकारिता जागरुकता के लिए इसे स्कूली शिक्षा में एक विषय पाठ्यक्रम के तौर पर जोड़ा जाना चाहिए। विद्यार्थी को शिक्षा के साथ-साथ सहकारिता क्षेत्र की भी जानकारी मिल सकें ताकि इस क्षेत्र के प्रति भी उनकी रुचि पैदा हो।

कृषि मंत्रालय द्वारा देशभर में अगले 5 वर्षों में 10 हजार एफ.पी.ओ. (फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशनसंस) का गठन किया जाना है। जिसका फार्मेशन व प्रमोशन क्लस्टर बेस्टड बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन संस (सी.बी.बी. ओज.) के माध्यम से किया जाएगा। इसी प्रकार एफ.एफ.पी.ओ. (फिश फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन संस) का गठन भी मत्स्यपालन विभाग भारत सरकार द्वारा किया जाना है। वह भी सी.बी.बी.ओज. के माध्यम से किए जाने हैं। सी.बी.बी.ओ. के चयन प्रक्रिया हेतु कुछ निर्धारित योग्यता, नियम व शर्तें रखी गई हैं।

जबकि सी.बी.बी.ओ. के साथ के अभी तक के अनुभव में प्रायः यह देखा गया है कि सी.बी.बी.ओ. प्रायवेट कंपनीज हों या कृषि विज्ञान केंद्र (के.वी.के.) उनके पास उपयुक्त स्टाफ/पर्याप्त संसाधन आदि की कमी है व दोनों ही लोकल युवाओं को कम वेतन पर लेकर काम चला रहे हैं। यह भी देखा गया है कि प्रायवेट

सी.बी.बी.ओ. कंपनीज जो कि अन्य प्रदेशों से हिमाचल में आकर काम कर रही हैं। जिन्हें सिर्फ 2-3 एफ.पी.ओज. राज्य में या जिलास्तर पर आवंटित किए गए हैं उन्हें तो ये घाटे का सौदा लगता है। उनका उद्देश्य पैसा बचाने व कमाने का होता है। जबकि कम वेतन पर युवा ज्वाइन तो करता है लेकिन स्थायी तौर पर रुकते नहीं, जिसकी वजह से दोनों ही सी.बी.बी.ओ. एवं एफ.पी.ओ. का काम सुस्त व ढीला चल रहा है। सी.बी.बी.ओ. के चयन हेतु कुछ बेसिक योग्यता के साथ-साथ सी.बी.बी.ओ. के पास अपने कार्यक्षेत्र अथवा ज्ञानक्षेत्र में माहिर 5 डोमेन एक्सपर्ट्स का होना भी आवश्यक है। ऐसा मानना है कि सी.बी.बी.ओ. चयन प्रक्रिया में यदि बड़ी सी छूट सहकारी सी.बी.बी.ओ. गठन हेतु दे दी जाए तो शिक्षित युवा मिलकर सहकारी सी.बी.बी.ओ. जैसे युवा सहकारी सी.बी.बी.ओ. समिति (वायएड- यंग एजुकेटीड सोसायटी) आदि का गंन कर एक नई शुरुआत के बारे में सोच सकते हैं एवं प्रदेश को अपनी सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं। साथ ही साथ वह कदम एक स्टार्ट-अप के रूप में शिक्षित युवाओं के बीच उन्हें सहकारिता के क्षेत्र में आकर्षित कर जोड़ने का एक कारगर माध्यम बन सकता है। इससे न केवल युवक स्वरोजगारी बन पाएँगे बल्कि औरों के लिए भी रोजगार सृजन करेंगे। इसके साथ ही साथ विभिन्न विषय क्षेत्रों का शिक्षित युवा सी.बी.बी.ओ. चयन की शर्तों के अनुसार 5 डोमेन एक्सपर्ट्स विषय जैसा कि (इंजीनियर- आईटी, एमबीए (फायनेंस/एचआर/मार्केटिंग), एलएलबी, एलएलएम2, बीएससी (एग्री/हार्टि/फिशरी/वेट/एएच) आदि क्षेत्रों से युवा जब जुड़ेंगे तो सहकारिता क्षेत्र को भी बल मिलेगा। जिससे औरों को भी प्रेरणा मिलेगी जो कि भविष्य में एक मिसाल का रूप कायम करेगी। जिसके साथ ही युवाओं का शहरों की ओर पलायन में कमी आ सकती है। युवा अपने ही गृह राज्य/जिले में रहकर उत्कृष्टता से कार्य करते हुए अपनी पहचान बनाएगा। इससे हिमाचल प्रदेश में कृषि का भी विकास होगा। आजकल कोविड-19 के चलते बहुत से युवक घर से काम कर रहे हैं। कुछ एक युवकों की नौकरियों भी छूट गई हैं। जबकि इस प्रकार के अनुभवी युवाओं का जुड़ना भी तय माना जाए।

युवाओं का जुड़ना न केवल सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करेगा बल्कि हमारे देश के सांस्कृतिक, मूल्यों व संस्कारों को भी मजबूत बनाएगा। इस सोच को हमें युवाओं के बीच लेकर जाना होगा। इस प्रयास से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा युवाओं के लिए शुरू की गई युवा सहकार योजना को भी बल व गति मिलेगी। ये कदम सहकारिता क्षेत्र में युवाओं के लिए वरदान व मील का पत्थर साबित होगा। कौन जाने सहकारी सी.बी.बी.ओज (एफ.पी.ओज. युवाओं के लिए एक प्रवेश द्वार बन जाए व सहकारिता क्षषत्र के लिए गेम चेंजर सिद्ध हो। यह सहकारिता व युवाओं दोनों के लिए ही विजयी की स्थिति होगी एवं भारत की आर्थिक समृद्धि की डगर मजबूत होगी। जय सहकार- जय भारत। ■

(साभार : सहकार सुगंध)

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते

» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर

» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412

» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

जन-जन के लाड़ले नेता एवं
प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री
श्री शिवराजसिंह चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाई

सौजन्य से
श्री इंदरसिंह मंडलोई (शा.प्र. साकेत नगर)
श्री सत्यनारायण जोशी (पर्य. साकेत नगर)
श्री कमल किशोर मालवीय (शा.प्र. सांवेर)
श्री माँगीलाल पटेल (पर्य. सांवेर)
श्री हरीश पाण्डे (शा.प्र. क्षिप्रा)
श्री सुरेश सोलंकी (शा.प्र. मांगलिया)
श्री आशाराम राठौर (पर्य. मांगलिया)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल.मकवाना
(प्र.संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कनाड़िया, जि.इंदौर श्री रमेश परमार (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. सांवेर, जि.इंदौर** श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. गारी पिपल्या, जि.इंदौर श्री संदीप उमठ (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ोदिया खान, जि.इंदौर** श्री जगदीश सोलंकी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भिचौली मर्दाना, जि.इंदौर श्री सतीश बालाराम मौर्य (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. जामोदी, जि.इंदौर** श्री सुरेशचंद्र माँगीलाल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. खजराना, जि.इंदौर श्री सत्यनारायण जोशी (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोलसिन्दा, जि.इंदौर** श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. तलावली चांदा, जि.इंदौर श्री संतोष चौहान (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुवार्डा हप्पा, जि.इंदौर** श्री कपिल राठौर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. श्रीराम पानोड, जि.इंदौर श्री ज्ञानसिंह तोमर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. गुराण, जि.इंदौर** श्री मिट्ठूलाल कालमा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बुरानाखेड़ी, जि.इंदौर श्री मुकेश मौर्य (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरलाई, जि.इंदौर** श्री मनीष परमार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सेमल्या चाऊ, जि.इंदौर श्री शील कुमार खराडिया (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलासिया, जि.इंदौर** श्री लाखनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पंचोला, जि.इंदौर श्री तेजराम मालवीय (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. डकाच्या, जि.इंदौर** श्री माखनलाल पटेल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोदा, जि.इंदौर श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. मांगल्या सड़क, जि.इंदौर** श्री दिनेश व्यास (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. कुड़ाना, जि.इंदौर श्री सुभाष चौधरी (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. टोड़ी, जि.इंदौर** श्री अजबसिंह सोलंकी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. दर्जी कराड़िया, जि.इंदौर श्री जितेन्द्र राठौर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. कदवालीखुर्द, जि.इंदौर** श्री कल्याणसिंह बारोड़ (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मध्यप्रदेश बजट

समाज का प्रत्येक वर्ग विकास धारा से जुड़ेगा

53964 करोड़ रु. का प्रावधान किसान और कृषि की बेहतरी के लिए

2500 करोड़ रु. से डिफॉल्टर किसानों का ब्याज भरेगी सरकार

विधानसभा में वित्तमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश का वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की धारा से जोड़ने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना ही सरकार का लक्ष्य है। हमारी सरकार का बजट अमृत काल में प्रदेश में समृद्धि, खुशहाली और विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। इस बजट का लक्ष्य महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीब वर्ग, आम जनता को नई शक्ति, नई दिशा और विश्वास प्रदान करेगा।

श्री देवड़ा ने आगे कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन से राजस्व आधिक्य की स्थिति रही है और राजकोषीय घाटा भी निर्धारित सीमा में रहा है। बजट प्रस्तावों में कोई नए कर का प्रस्ताव नहीं है। हमारा बजट समावेशी बजट है। इस बजट को तैयार करने में नवाचार करते हुए आम जनता, प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त किये गये थे। इसके लिए हमें 4 हजार से अधिक सुझाव प्राप्त हुए जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण सुझावों को बजट तैयार करते समय गंभीरतापूर्वक विचार किया गया।

खेती बनेगी लाभ का धंधा

किसानों और कृषि के लिए 53 हजार 964 करोड़ रूपए का प्रावधान बजट में किया गया है। डिफॉल्टर किसानों का सहकारी समितियों का ब्याज राज्य शासन द्वारा भरने के लिए ढाई हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की ओर से किसानों को 6 हजार तथा राज्य शासन की ओर से 4 हजार रूपए का अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में 3 हजार 200 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। जीरो प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए अलग प्रावधान किया गया है। फसल बीमा योजना के लिए 2 हजार करोड़, बिजली बिलों पर सब्सिडी के लिए 13 हजार करोड़ तथा किसानों के लिए संचालित अन्य सभी योजनाओं में पर्याप्त प्रावधान किया गया है। इससे खेती को लाभ का धंधा बनाने में मदद मिलेगी।

सड़क, सिंचाई के लिए व्यवस्था

सड़कों के लिए 10 हजार 182 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है, जिसमें पुलों के निर्माण और संधारण की राशि भी शामिल हैं। सिंचाई क्षमता हमें 65 लाख हेक्टेयर तक ले जानी है, इसके लिए 11 हजार 49 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। बिजली की अधो-संरचना को ठीक करने के लिए 18 हजार 302 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

हर गरीब को पक्की छत

बजट में गाँवों के विकास, ग्रामोदय और नगरोदय के लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है। ग्रामीण विकास के लिए 24 हजार 443 करोड़ रूपए और प्रधानमंत्री आवास के लिए 08 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान है। हमारा उद्देश्य हर गरीब को पक्की छत उपलब्ध करा कर उसके घर के सपने को पूरा करना है। नगरों के लिए 14 हजार 882 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण अधो-संरचना के लिए 3083 करोड़ रु. का प्रावधान है।

जनजातियों के लिए प्रावधान

जनजातीय कल्याण के लिए 36 हजार 950 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले साल से 37 प्रतिशत अधिक है। इसमें सिकल सेल मिशन के लिए 50 करोड़ रूपए का प्रावधान भी किया गया है। अनुसूचित जनजाति के लिए भी 26 हजार 87 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। पिछड़ा वर्ग,

नारी शक्ति के लिए

8000 करोड़ रु.
मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए

2191 करोड़ रु.
आँगनवाड़ी सेवाएँ (सक्षम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0)

1272 करोड़ रु.
विशेष पोषण आहार योजना के लिए

929 करोड़ रु.
का प्रावधान मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए

870 करोड़ रु.
आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का मानदेय

467 करोड़ रु.
प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए

किसान शक्ति के लिए

5520 करोड़ रु.
अटल कृषि ज्योति योजना के लिए

3200 करोड़ रु.
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लिए

2475 करोड़ रु.
5 एचपी पम्पों/थ्रेशरों व एकबत्ती कनेक्शन निःशुल्क विद्युत

2001 करोड़ रु.
प्रधनामंत्री फसल बीमा योजना के लिए

1250 करोड़ रु.
निवेश प्रोत्साहन योजना के लिए

1500 करोड़ रु.
सहकारी बैंकों को अंशपूँजी के लिए

हर वर्ग का कल्याण

प्रदेश का वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट समाज के हर वर्ग के कल्याण का बजट है। माँ, बहन और बेटी के उत्थान के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। किसानों की आय बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन सब बिन्दुओं का ध्यान इस बजट में रखा गया है। यह सर्वसमावेशी और सर्वस्पर्शी बजट, सही मायने में जनता का बजट है।

● **श्री शिवराजसिंह चौहान**
(मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश)

स्वागतयोग्य निर्णय

बजट में डिफाल्टर कृषकों के ऋणों के समाधान के लिये सहकारी बैंकों को 1500 करोड़ रूपये की अंशपूँजी, सहकारिता विभाग को 2417 करोड़ 47 लाख रूपये और लोक सेवा प्रबंधन विभाग के लिये 117 करोड़ 78 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। सहकारिता क्षेत्र में प्रदेश को सशक्त और समृद्ध बनाने के बजट प्रावधानों के लिये मुख्यमंत्री का आभार।

● **डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया**
(मंत्री : सहकारिता विभाग)

खेती-किसानी को लाभ

अमृतकाल में प्रस्तुत किया गया प्रदेश सरकार का बजट खेती-किसानी के लिये लाभदायक है। बजट में मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में 3 हजार 200 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। जीरो प्रतिशत ब्याज पर ऋण के लिए भी अलग से व्यवस्था है। फसल बीमा योजना के लिए 2 हजार करोड़, बिजली बिलों पर सब्सिडी के लिए 13 हजार करोड़ का प्रावधान है।

● **श्री कमल पटेल**
(मंत्री : किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग)

घुमंतु, विमुक्त, अर्द्धघुमंतु समुदाय के लिए बजट में विशेष रूप से प्रावधान किया गया है।

युवाओं का कौशल उन्नयन

बजट में मुख्यमंत्री कौशल एप्रेंटिसशिप योजना के लिए 1000 करोड़ रूपए के प्रावधान से एक लाख युवाओं को लाभ मिलेगा। रोजगार के लिए एक लाख से अधिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी है। साथ ही स्व-रोजगार की मुख्यमंत्री युवा उद्यम क्रांति योजना में पर्याप्त प्रावधान किया गया है। युवाओं के कौशल उन्नयन के लिए भोपाल में संत रविदास ग्लोबल स्किल पार्क बनाया जा रहा है। ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में भी बड़े स्किल सेंटर्स स्थापित किए जाएंगे। प्रदेश में मुख्यमंत्री बालिका स्कूटी योजना आरंभ की जा रही है। शासकीय शाला में 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बालिका को राज्य सरकार की ओर से ई-स्कूटी प्रदान की जाएगी। ■

माननीय मुख्यमंत्री
श्री शिवराजसिंह चौहान
को जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
श्री आशीष सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से
श्री रामसिंह सोलंकी (पर्य. उन्हेल)
श्री महेन्द्र चौहान (पर्य. तराना)
श्री दीनदयाल शर्मा (पर्य. चिमनगंज मंडी)
श्री प्रकाश त्रिवेदी (पर्य. नरवर)
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री महेशचंद्र शर्मा (शा.प्र. उन्हेल)
श्री दिनेशसिंह यादव (शा.प्र. तराना)
श्री विनय पोरवाल (शा.प्र. चिमनगंज मंडी)
श्री रोहित काशिव (शा.प्र. नरवर)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा माडन, जि.उज्जैन
श्री चंदरसिंह आंजना (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पासलोद, जि.उज्जैन
श्री राजेन्द्र सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आक्या नजीक, जि.उज्जैन
श्री राधेश्याम चौधरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आलोट जागीर, जि.उज्जैन
श्री रामसिंह सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलिया डाबी, जि.उज्जैन
श्री संतोष बोरिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रामाबलोदा, जि.उज्जैन
श्री नंदराम हल्कारा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेड़ाबन, जि.उज्जैन
श्री अर्जुनसिंह देवड़ा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उन्हेल, जि.उज्जैन
श्री रामगोपाल अजमेरा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छड़ावदा, जि.उज्जैन
श्री किशोर पाटीदार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बघेरा, जि.उज्जैन
श्री जितेन्द्र रावल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कचनारिया, जि.उज्जैन
श्री मदनसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सालाखेड़ी, जि.उज्जैन
श्री मनोज कुमार उपाध्याय (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डाबडा राजपूत, जि.उज्जैन
श्री भारतसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भड़सीमा, जि.उज्जैन
श्री शेख इरफान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करंज, जि.उज्जैन
श्री कैलाशचंद्र जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अम्बोदिया, जि.उज्जैन
श्री बसंतीलाल शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रातड़िया, जि.उज्जैन
श्री देवदत्त बर्वे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नलवा, जि.उज्जैन
श्री मोहनलाल शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जैथल, जि.उज्जैन
श्री प्रहलादसिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबला रेहवारी, जि.उज्जैन
श्री राजेशसिंह तोमर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उन्डासा, जि.उज्जैन
श्री दीनदयाल शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दताना, जि.उज्जैन
श्री प्रकाश त्रिवेदी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरवर, जि.उज्जैन
श्री राधेश्याम बैरागी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कचनारिया, जि.उज्जैन
श्री गोर्धनसिंह पंवार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नौगाँवा, जि.उज्जैन
श्री कृष्णपालसिंह झाला (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

उत्तरप्रदेश बजट

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता उत्तरप्रदेश

योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 का 6,90,242.43 करोड़ रु. का बजट पास करा लिया है। इस भारी-भरकम बजट के जरिए राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के साथ कदम मिलाते हुए उत्तरप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को साफ जताया है। बजट में कानून-व्यवस्था, किसानों, युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों समेत सभी वर्गों का पूरा ख्याल रखा गया है। बजट में 32,721.96 करोड़ रु. की 280 नई योजनाएँ शामिल की गई हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर का आकार देने के लिए बुनियादी ढाँचे के विकास और विस्तार देने के लिए भी सरकार ने खजाना खोला है। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता से उत्साहित सरकार ने बजट में नए औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए नई योजनाएँ शुरू करने का हौसला भी दिखाया है। बुंदेलखंड में उद्योगों की स्थापना को गति देने के लिए संस्थागत ढाँचा विकसित करने का इरादा भी रकार ने स्पष्ट किया है।

किसानों के लिए

984.54 करोड़ रु.
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के लिए

753.70 करोड़ रु.
नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस योजना के लिए

1950 करोड़ रु.
निजी नलकूपों को मुफ्त बिजली के लिए

113.52 करोड़ रु.
गौ आधारित प्राकृतिक खेती के लिए

233 करोड़ रु.
डेयरी सेक्टर की क्षमता बढ़ाने के लिए

बजट के मुख्य बिंदु

47844.72 करोड़ रु.
से सड़कें और पुलों का निर्माण होगा

6150 करोड़ रु.
मेडिकल सेक्टर का बजट गत वर्ष से बढ़ा

42000 करोड़ रु.
कानून व्यवस्था के लिए

15370 करोड़ रु.
महिलाओं और बेटियों के लिए

3600 करोड़ रु.
मुफ्त टैबलेट और स्मार्टफोन के लिए

आधुनिक तकनीक से उन्नत कृषि को बढ़ावा

बजट में योगी सरकार ने किसानों के लिए खजाना खोल दिया है। किसानों की आय में वृद्धि हेतु कृषि शिक्षा, शोध एवं अनुसंधान के सथ-साथ प्रसार कार्यक्रमों की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। प्रदेश के 4 कृषि विश्वविद्यालयों में एग्रीटेक स्टार्टअप योजना हेतु 20 करोड़ रु. की व्यव्था की गई है। महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., कुशीनगर की स्थापना हेतु 50 करोड़ रु. आवंटित किये गये हैं। कृषि वि.वि. कानपुर, अयोध्या, बांदा तथा मेरठ में अवस्थापना कार्यों हेतु लगभग 35 करोड़ रु. का प्रावधान है। पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के लिए 102.81 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। दलहन और तिलहन बीज मिनी किट वितरण योजना के लिए क्रमशः 15-15 करोड़ रु. का प्रावधान है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के लिए 984.54 करोड़ रु. आवंटित किये गये हैं। नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस योजना के लिए 753.70 करोड़ रु. का प्रावधान है। नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर योजना के लिए 631.93 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है।

योगी सरकार ने किसानों के निजी नलकूपों को विद्युत बिल से मुक्त किया है। किसानों को अगले वित्तीय वर्ष से इस मद में विद्युत बिल में 100 प्रश छूट मिलेगी। इसके लिए सरकार ने बजट में 1950 करोड़ रु. की व्यवस्था की है।

उम्मीद बना है उत्तरप्रदेश

आज उत्तरप्रदेश एक आशा, एक उम्मीद बन चुका है। भारत आज अगर दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो उत्तरप्रदेश भारत की ग्रोथ को ड्राईव करने में अहम रोल निभा रहा है। दुनिया के बड़े-बड़े देशों से भी ज्यादा सामर्थ्य अकेले उत्तरप्रदेश में है। उत्तरप्रदेश में एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट क्षेत्र में बहुत प्रशंसनीय कार्य हुआ है। एक तरफ डबल इंजन सरकार का इरादा और दूसरी तरफ संभावनाओं से भरा उत्तरप्रदेश इससे बेहतर पार्टनरशिप हो ही नहीं सकती।

● **श्री नरेन्द्र मोदी** (प्रधानमंत्री)

वन ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य

यह बजट उत्तरप्रदेश के त्वरित, सर्व समावेशी और समग्र विकास के साथ उसे आत्मनिर्भर बनाने की नींव डालने का काम करेगा। साथ ही अगले पाँच वर्षों में वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आधारशिला भी रखेगा। पिछले 6 वर्षों में हमने पारदर्शी तरीके से बजट का आकार बढ़ाने का जो प्रयास किया, उसी के फलस्वरूप पिछले 6 वर्षों में बजट दोगुने से ज्यादा हुआ है।

● **योगी आदित्यनाथ**
(मुख्यमंत्री)

प्राकृतिक खेती पर जोर

चालू वित्तीय वर्ष में प्रदेश के 49 जिलों में नेशनल मिशश्र ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के अंतर्गत गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा और इसमें गंगा नदी से जुड़े प्रदेश के सभी 26 जिलों को शामिल किया गया है। योजना के तहत 50-50 हेक्टेयर के 1 714 क्लस्टर विकसित होंगे जिनका कुल क्षेत्रफल 85710 हेक्टेयर होगा। इस योजना के लिए 113.52 करोड़ रु. की धनराशि की व्यवस्था की गई है। अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष में श्रीअन्न (मोटे अनाज) को बढ़ावा देने की घोषणा को आगे बढ़ाते हुए उत्तरप्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के तहत 55.60 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। किसानों को आधुनिक कृषि से जोड़ने के लिए वर्ष 2023-24 में 17000 किसान पाठशालाओं का आयोजन होगा।

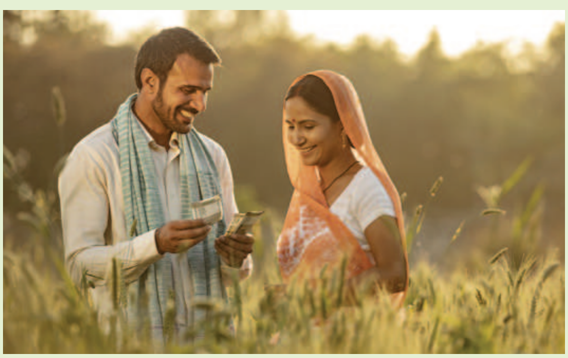

233 करोड़ रु. से बढ़ेगी डेयरी सेक्टर की क्षमता

डेयरी सेक्टर की क्षमता बढ़ाने और दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण के लिए भी सरकार ने 233 करोड़ रु. का बजट दिया है। शहरी क्षेत्रों में गौशालाओं के निर्माण के लिए 100 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति 2022 के अंतर्गत प्रदेश में स्थापित होने वाली दुग्ध इकाइयों को वित्तीय अनुदान, रियायतें एवं अन्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए 25 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। वहीं वर्तमान दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण एवं पुनर्जीवित करने की योजना पर 86.95 करोड़ रु. व्यय किये जाएँगे। नंदबाबा दुग्ध मिशन के क्रियान्वयन के लिए भी वित्तीय वर्ष 2023-24 में 61.21 करोड़ रु. का प्रावधान है।

खाद्य प्रसंस्करण के लिए विशेष सबसिडी

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के लिए बजट में 741.98 करोड़ रु. का प्रावधान है। इसके तहत छोटे और लघु खाद्य व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए सबसिडी और सहायता के रूप में आर्थिक सहायता दी जाती है। उत्तरप्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2022 के क्रियान्वयन के लिए 100 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है।

कई जिलों में बनेंगे होलसेल मछली बाजार

प्रधनामंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में थोक मछली बाजार बनाए जाएँगे। इसके लिए बजट में 257.50 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत 10 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। निषादराज बोट सबसिडी योजना के तहत 5 करोड़ रु. व्यय किये जाएँगे। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजनांतर्गत 10 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है।

सड़कों और पुलों के लिए खजाना खोला

प्रदेश में बेहतर रोड कनेक्टिविटी के लिए सरकार ने सड़कों, सेतुओं, उपरिगामी सेतुओं व रेल उपरिगामी सेतुओं के निर्माण और रखरखाव के लिए धनवर्षा करते हुए 47844.72 करोड़ रु. की धनराशि आवंटित की है। इसमें से 1000 करोड़ रु. धर्मार्थ मार्गों के विकास के लिए होंगे। बुंदेलखंड में डिफेंस कॉरिडोर के विकास को गति देने के लिए दो नए लिंक एक्सप्रेस वे के निर्माण की घोषरा की गई है। दोनों एक्सप्रेसवे के लिए 235 करोड़ रु. आवंटित किये गये हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के साथ डिफेंस कॉरिडोर परियोजना के लिए 550 करोड़ रु. का इंतजाम किया गया है।

भव्य होगा महाकुंभ मेले का आयोजन

महाकुंभ मेला 2025 का भव्य आयोजन विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ किया जाना है। इसकी तैयारी प्रारंभ कर दी

गई है। वर्ष 2022-23 में प्रावधानित 621.55 करोड़ रु. के सापेक्ष आगामी बजट में लगभग चार गुना ज्यादा यानी 2500 करोड़ रु. आवंटित किये गये हैं।

महिलाओं और बेटियों का रखा ख्याल

योगी सरकार ने बजट में महिलाओं का पूरा ख्याल रखा है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लिए 1050 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। इसमें बेटियों के पैदा होने के बाद से उनकी डिग्री तक की पढ़ाई के लिए अलग-अलग चरणों में सरकार 15 हजार रु. की आर्थिक मदद करती है। गरीब परिवारों की बेटियों की शादी के लिए सरकार ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 600 करोड़ रु. दिये हैं। निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण अनुदान के लिए 4032 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। इससे 32.67 लाख निराश्रित महिलाओं को पेंशन दी जा रही है।

बुजुर्गों और दिव्यांगों का सहारा बनेगी पेंशन

योगी सरकार ने अपने दूसरे बजट में सामाजिक सरोकारों पर फोकस करते हुए बुजुर्गों व दिव्यांगों का भी ख्याल रखा है। सरकार वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत बुजुर्गों को 1000 रु. प्रति माह पेंशन देती है जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 7248 करोड़ रु. आवंटित किये गये हैं। दिव्यांगजन पेंशन के लिए सरकार ने 1120 करोड़ रु. दिये हैं। इससे 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1 हजार रु. प्रति माह पेंशन दी जाएगी। इसके अलावा बजट में कुष्ठावस्था विकलांग भरण पोषण योजना हेतु 42 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है।

कानून व्यवस्था के लिए 42 हजार करोड़ रु.

पुलिस विभाग के सुदृढ़ीकरण व आधुनिकीकरण के लिए सरकार ने बजट को बढ़ावा है। पुलिस विभाग को 2250 करोड़ रु. प्रदान किये गये हैं। इनसे पुलिस के आवासीय व अनावासीय भवनों का निर्माण होगा। गृह विभाग का कुल बजट 42494.88 करोड़ रु. है। इनसे पुलिस को नए वाहन उपलब्ध कराने के लिए लगभग 71 करोड़ रु. उपलब्ध कराए गए हैं। ■

डंके की चोट पर नई पहचान बनाई यूपी ने

उत्तरप्रदेश की आज की सरकार और ब्यूरोक्रेसी प्रगति की राह पर दृढ़ संकल्प के साथ चल पड़ी है। उत्तर प्रदेश की धरती अपने सांस्कृतिक वैभव, गौरवशाली इतिहास और समृद्ध विरासत के लिए जानी जाती है। इतना सामर्थ्य होने के बावजूद यूपी के साथ कुछ बातें जुड़ गई थीं। लोग कहते थे कि यूपी में विकास होना मुश्किल है। यहां कानून व्यवस्था सुधरना नामुमकिन है। उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य कहलाता था। यहां आए दिन हजारों करोड़ के घोटाले होते थे। हर कोई यूपी से अपनी उम्मीदें छोड़ चुका था। लेकिन, सिर्फ पांच-छह साल के भीतर यूपी ने अपनी एक नई पहचान स्थापित कर ली है और डंके की चोट पर स्थापित कर ली है। अब यूपी को सुशासन से और गुड गवर्नेंस से पहचाना जा रहा है। अब यूपी की पहचान बेहतर कानून व्यवस्था, शांति और स्थिरता के लिए है। अब यहां वेल्थ क्रिएटर्स के लिए नित नए अवसर बन रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए उत्तर प्रदेश की जो पहल है, उसके परिणाम नजर आ रहे हैं। बिजली से लेकर कनेक्टिविटी तक हर क्षेत्र में सुधार आया है। बहुत जल्द यूपी देश के उस इकलौते राज्य के तौर पर भी जाना जाएगा जहां पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से यूपी सीधे समुद्र से जुड़ रहा है। गुजरात और महाराष्ट्र के पोर्ट

से कनेक्ट होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश में एक और विषय पर बहुत प्रशंसनीय काम हुआ है। यह काम एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट से जुड़ा है। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी हेल्थ यूनिवर्सिटी, राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी, मेजर ध्यान चंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऐसे अनेक संस्थान अलग-अलग स्किल्स के लिए युवाओं को तैयार करेंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ यूपी में सरकारी सोच और एप्रोच में, ईज आफ डूइंग बिजनेस के लिए सार्थक बदलाव आया है। आज यूपी एक आशा, एक उम्मीद बन चुका है। आज सभी इंडस्ट्री के दिग्गज यहां हैं। इनमें से अधिकतर को एक लंबा अनुभव भी है। आज दुनिया की हर क्रेडिबल वॉयस यह मानती है कि भारत की अर्थव्यवस्था ऐसे ही तेजी से आगे बढ़ते रहेगी। वैश्विक संकट के इस दौर में भारत ने न सिर्फ रेडीनेस दिखाया बल्कि रिकवरी भी उतनी ही तेजी से की। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है भारतीयों का खुद पर बढ़ता भरोसा, खुद पर आत्मविश्वास।

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री तुलसीराम सिलावट
(प्रभारी मंत्री)

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री राजेश पाटीदार
(भारसाधक अधिकारी)

श्री हरेसिंह सोलंकी
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति मूंदी, जि.खंडवा

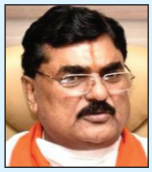

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री तुलसीराम सिलावट
(प्रभारी मंत्री)

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री दिलीप कुमार
(भारसाधक अधिकारी)

श्री भगवानसिंह परिहार
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति हरसूद, जि.खंडवा

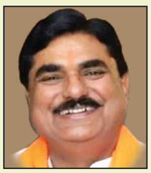

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्रीमती वंदना चौहान
(भारसाधक अधिकारी)

श्री रमेशचंद्र वास्के
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सेगाँव, जि.खरगोन

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री शिवराम कनासे
(भारसाधक अधिकारी)

श्री हिम्मतसिंह जमरा
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सनावद, जि.खरगोन

एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

डॉ. रबीन्द्र पस्तोर
सी.ई.ओ., ई-फसल

कृषि एवं कृषि विकास में बुनियादी ढांचे की निर्विवाद भूमिका है। केवल बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से ही किसानों के लिए मूल्यवर्धन और उचित सौदे का अवसर उपलब्ध कराये जा सकते हैं। किसानों को अधिक मूल्य दिलाने के लिए अगले स्तर तक उत्पादन की गतिशीलता बनाये रखने के लिए बुनियादी ढाँचे की उपलब्धता बहुत आवश्यक है।

भारत सरकार द्वारा विगत अनेक दशकों से कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कृषि आदान, मशीनीकरण, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही है। लेकिन किसानों के लिए खेती घाटे का व्यवसाय बन कर रह गया है। अभी भी देश की 58% जनसंख्या खेती पर निर्भर है लेकिन उत्तराधिकार के क़ानून के कारण भू स्वामी की मृत्यु पर कृषि भूमि का विभाजन होने के कारण 85% किसान लघु एवं सीमांत किसानों की श्रेणी के हैं जिन के पास कुल कृषि क्षेत्र का 45% क्षेत्र है। कृषि क्षेत्र में विगत 5 वर्षों में निवेश की विकास दर 2% ही रही है। इस निवेश में निजी क्षेत्र की भागीदारी वित्तीय वर्ष 2014 में रू 2.19 लाख करोड़ थी जो कुल निवेश का 88% था जो वर्ष 2017 में बड़ कर रू 2.50 करोड़ हो गया जो कुल निवेश का 88% था। निवेशकों के विश्वास की कमी के कारण पुनः लाभ निवेश अनुपात प्लबैक अनुपात (वित्त वर्ष 18 में सकल मूल्यवर्धन का 914%) रहा था जो अन्य क्षेत्र (वित्त वर्ष 18 में सकल मूल्यवर्धन का 933%) रहा था। विभिन्न कारणों के कारण कृषि क्षेत्र में पर्याप्त अधोसंरचना का विकास नहीं हो पाया है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2011 में कृषि अधोसंरचना में 100% विदेशी निवेश की अनुमति दी गई थी लेकिन सरकार की कृषि व्यापार की निरंतर बदलती नीतियों के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं।

कृषि एवं कृषि विकास में बुनियादी ढांचे की निर्विवाद भूमिका है। केवल बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से ही किसानों के लिए मूल्यवर्धन और उचित सौदे का अवसर उपलब्ध कराये जा सकते हैं। कटाई के बाद के चरण में उपज का बेहतर उपयोग किया जा सके व किसानों को अधिक मूल्य दिलाने के लिए अगले स्तर तक उत्पादन की गतिशीलता बनाये रखने के लिए बुनियादी ढाँचे की उपलब्धता बहुत आवश्यक है।

योजना का परिचय

अधोसंरचना के कारण प्रकृति की अनिश्चितताओं तथा क्षेत्रीय असमानताओं को कम कर एक जैसे विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है। मानव संसाधन और सीमित भूमि संसाधन का पूरी क्षमता में उपयोग करने में भी मूलभूत ढाँचा मदद करता है। इन कारणों

के कारण ही माननीय वित्त मंत्री ने 15.05.2020 को रु. 1 लाख करोड़ के बजट की घोषणा की थी। इस के तहत किसानों के लिए फार्म-गेट इंफ्रास्ट्रक्चर के एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड की फाइनेंसिंग सुविधा फार्म-गेट पर कृषि अवसंरचना परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए ऋण प्रदान किए जाएंगे। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां, किसान उत्पादक संगठन, कृषि उद्यमी, स्टार्ट-अप आदि पात्र होंगे। जिससे फार्मगेट और एकत्रीकरण बिंदु के विकास के लिए प्रोत्साहन, किफायती और वित्तीय रूप से व्यवहार्य पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन आधारभूत संरचना का विकास किया जा

योजना के कार्यान्वयन की अवधि

यह योजना 2020-21 से 2032-33 तक चालू रहेगी। जिसके तहत ऋण वितरण योजना छह साल में पूरी होगी, यानी वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत तक। दिसंबर 2022, तक रु. 14,118 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से रु. 9117 करोड़ योजना के तहत भुगतान किया गया है। शेष रु. 1 लाख करोड़ में से रु. 90,883 करोड़ होंगे। 2022-23 और 2025-26 के बीच शेष अवधि के दौरान वितरित किया जाएगा।

पुनर्भुगतान की अवधि

वित्तपोषण सुविधा के तहत कवर अधिकतम 7 वर्ष की अवधि के लिए होगा जिसमें 2 वर्ष तक की अधिस्थगन अवधि शामिल है।

सरकारी बजटीय सहायता

ब्याज सबवेंशन और क्रेडिट गारंटी शुल्क के लिए बजटीय सहायता प्रदान की जाएगी। पीएमयू की प्रशासनिक लागत भी दी जाएगी।

1. ब्याज अनुदान लागत– इस वित्तपोषण सुविधा के तहत सभी ऋणों पर 9% ब्याज होगा जिसमें रु. 2 करोड़ की सीमा तक 3% प्रतिवर्ष का सबवेंशन अनुदान देय होगा। यह सबवेंशन अधिकतम 7 वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध होगा। 2 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण के मामले में, ब्याज अनुदान रु. 2 करोड़ तक सीमित होगा।

2. क्रेडिट गारंटी लागत– क्रेडिट गारंटी कवरेज पात्र प्रकरणों के लिए उपलब्ध होगी। क्रेडिट के तहत इस वित्तपोषण सुविधा से उधारकर्ता सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) 2 करोड़ रुपये तक के ऋण के लिए गारंटी दी जाएगी। इसके लिए कवरेज के शुल्क का भुगतान सरकार द्वारा किया जाएगा। एफपीओ के मामले में क्रेडिट गारंटी का लाभ उठाया जा सकता है। एफपीओ प्रोत्साहन योजना के तहत बनाई गई सुविधा से लाभ मिलेगा। डीए एंड एफडब्ल्यू के तहत भी एफपीओ इसके लिए पात्र हैं। एआईएफ के तहत क्रेडिट गारंटी शुल्क की प्रतिपूर्ति की जायेगी।

सकता है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डीए एंड एफडब्ल्यू ने मध्यम एवं दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण सुविधा योजना तैयार की है जिस का उपयोग कटाई के बाद फसल से संबंधित व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश के लिए प्रोत्साहन और वित्तीय सहायता के माध्यम से बुनियादी ढांचे और सामुदायिक कृषि संपत्तियों का प्रबंधन सहायता उपलब्ध करवाना है।

योजना के उद्देश्य

इस योजना का शुभारंभ अधोसंरचना की व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश के लिए मध्यम एवं दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण सुविधा जुटाने से फसल कटाई के बाद के प्रबंधन के बुनियादी ढांचे और सामुदायिक कृषि संपत्ति के लिए परियोजनाओं द्वारा देश में कृषि बुनियादी ढांचे में सुधार को प्रोत्साहन और वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने के लिए किया गया। यह वित्तपोषण सुविधा कृषि में सभी हितधारकों के लिए कई उद्देश्यों को पूरा करेगी जिस के तहत किसान (एफपीओ, पीएसीएस, विपणन सहकारी समितियों, बहुउद्देशीय सहकारी समितियों सहित, राज्य एजेंसियां, कृषि उत्पाद बाजार समितियां (मंडियां), राष्ट्रीय और राज्य संघ सहकारी समितियां, एफपीओ संघ और स्वयं सहायता समूह संघ (एसएचजी) आदि) को पात्रता है।

अ – किसान

-किसानों को बड़े आधार पर सीधे उपभोक्ताओं को बेचने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बेहतर मार्केटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना जो किसानों के लिए अच्छा मूल्य प्राप्ति में वृद्धि का अवसर प्रदान करेगा। जिससे किसानों की समग्र आय में सुधार करना।

- लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश से किसान अपनी बिक्री कर सकेंगे। फसल कटाई के बाद के नुकसान और बिचौलियों की संख्या कम कर बाजार में सीधे होलसेलर, प्रसंस्करण कर्ता व निर्यातकों को बेचना। इससे आगे बाजार तक बेहतर पहुंच के कारण किसानों को स्वतंत्र बनाएगा।

- आधुनिक पैकेजिंग और कोल्ड स्टोरेज सिस्टम तक किसान पहुंच सकेंगे जिससे आगे वह तय करें कि बाजार में कब बेचना है और अधिक मूल्य प्राप्त करना है।

- उन्नत उत्पादकता और आदानों के अनुकूलन के लिए सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियां। परिणामस्वरूप किसानों को काफी बचत होगी।

बी – सरकार

- सरकार वर्तमान में अव्यवहार्य में प्राथमिकता वाले क्षेत्र को ऋण देने में सक्षम होगी। परियोजनाओं के माध्यम से ब्याज सबवेंशन, प्रोत्साहन के माध्यम से समर्थन अभिसरण और क्रेडिट गारंटी। यह नवाचार के चक्र की शुरुआत करेगा और कृषि में निजी क्षेत्र का निवेश बड़ाने में मदद करेगा।

- पोस्ट हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के कारण सरकार आगे होगी। राष्ट्रीय खाद्य अपव्यय प्रतिशत को कम करने में सक्षम

जिससे कृषि को सक्षम बनाया जा सके। वर्तमान वैश्विक स्तरों के साथ प्रतिस्पर्धी बनने के लिए क्षेत्र।

- केंद्र/राज्य सरकार की एजेंसियां या स्थानीय निकाय संरचना निर्माण कर सकेंगे। व्यवहार्य परियोजनाओं में स्वयं या पीपीपी परियोजनाओं में निवेश आकर्षित करने के लिए कृषि बुनियादी ढाँचा विकास।

सी- कृषि-उद्यमी और स्टार्टअप

- वित्त पोषण के एक समर्पित स्रोत के साथ, उद्यमी नवाचार के लिए जोर देंगे। जिससे कृषि क्षेत्र में आईओटी, एआई, एमआई आदि नए युग की तकनीकों का लाभ उठाकर विकास किया जा सके।

- यह हिताधिकारियों को पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ेगा और इसलिए, इसके लिए प्रक्रिया में सुधार होगा जिससे उद्यमियों और किसानों के बीच सहयोग बड़ेंगे।

डी- बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र

- क्रेडिट गारंटी, अभिसरण और ब्याज सबवेंशन ऋष्टा देने वाली संस्थाओं के साथ कम जोखिम पर कर्ज दे सकेंगे। यह योजना उनके विस्तार में मदद करेगी जिससे ग्राहक आधार और पोर्टफोलियो का विविधीकरण होगा।

- पुनर्वित्त सुविधा सहकारी बैंकों और आरआरबी के लिए बड़ी भूमिका निभाएगी।

इ- उपभोक्ता

- कटाई के बाद के पारिस्थितिकी तंत्र में कम अक्षमताओं के साथ, उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण लाभ। बाजार में पहुंचने वाली उपज का एक बड़ा हिस्सा होगा और इसलिए, बेहतर गुणवत्ता और कीमतें मिलने से कुल मिलाकर, कृषि में वित्तपोषण सुविधा के माध्यम से निवेश इंफ्रास्ट्रक्चर इको-सिस्टम में सभी हितधारकों को लाभान्वित करेगा।

स्वीकृति योग्य परियोजनाएं

निम्नलिखित परियोजनाएँ निजी संस्थाओं के साथ-साथ समूहों सहित सभी लाभार्थियों पात्र हैं -

जैसे एफपीओ, पीएसीएस, एसएचजी, जेएलजी, सहकारी समितियां, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय संघ, सहकारी समितियां, एफपीओ संघ, स्वयं सहायता समूहों के संघ, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय एजेंसियां आदि।

(अ) कटाई के बाद की प्रबंधन परियोजनाएँ : जिसमें ई-मार्केटिंग प्लेटफॉर्म सहित आपूर्ति श्रृंखला सेवाएं,गोदाम और साइलो, कोल्ड स्टोर और कोल्ड चेन,पैकेजिंग इकाइयां, परख इकाइयों, छँटाई और ग्रेडिंग इकाइयाँ, लॉजिस्टिक सुविधाएं- रीफर वैन और इंसुलेटेड वाहन,पकने वाले कक्ष, कृषि अवशेष/अपशिष्ट प्रबंधन अवसंरचना, प्राथमिक प्रसंस्करण गतिविधियां।

(ब) सामुदायिक खेती संपत्ति : जैविक आदानों का उत्पादन - वर्मीकम्पोस्टिंग, संपीडित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र, जैव उत्तेजक उत्पादन इकाइयां, स्मार्ट और सटीक कृषि के लिए बुनियादी ढांचा, ड्रोन की खरीद, क्षेत्र में विशेष सेंसर लगाना, ब्लॉकचेन और एआई इन कृषि आदि। रिमोट सेंसिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसे स्वचालित मौसम स्टेशन, फार्म, जीआईएस अनुप्रयोगों के माध्यम से सलाहकार सेवाएं, नर्सरी, ऊतक संस्कृति, बीज प्रसंस्करण, कस्टम हायरिंग सेंटर- कृषि मशीनरी/उपकरण, फार्म/हार्वेस्ट ऑटोमेशन (कम्बाइन हार्वेस्टर, गन्ना हार्वेस्टर, बूम स्प्रेयर आदि, स्टैंडअलोन सोलर पम्पिंग सिस्टम (पीएम-कुसुम घटक बी), (पीएम-कुसुम घटक सी) के तहत ग्रिड से जुड़े कृषि-पंप का सोलराइजेशन, एकीकृत स्पिरुलिना उत्पादन और प्रसंस्करण इकाइयां, रेशम उत्पादन प्रसंस्करण इकाई, शहद प्रसंस्करण, संयंत्र संगरोध इकाइयां, फसलों के समूहों के लिए आपूर्ति श्रृंखला अवसंरचना प्रदान

करने के लिए पहचान की गई परियोजनाएं निर्यात क्लस्टर सहित, पीपीपी के तहत केंद्र/राज्य/स्थानीय सरकारों या उनकी एजेंसियों द्वारा प्रवर्तित परियोजनाएं, सामुदायिक खेती की संपत्ति या फसल कटाई के बाद की प्रबंधन परियोजनाओं के निर्माण के लिए।

निम्नलिखित परियोजनाएं केवल एफपीओ, पीएसीएस, एसएचजी, जेएलजी जैसे समूहों के लिए पात्र हैं, सहकारिता, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सहकारिता संघ, एफपीओ संघ, एसएचजी, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय एजेंसियों के संघ, क्योंकि वे समुदाय के रूप में अर्हता प्राप्त हैं।

खेती की संपत्ति

हाइड्रोपोनिक खेती, मशरूम की खेती, लंबवत खेती, एरोपोनिक खेती, पॉली हाउस/ग्रीनहाउस, रसद सुविधाएं (गैर-प्रशीतित/अछूता वाहनों सहित), ट्रैक्टर।

नोट 1 : एआईएफ के तहत किसी भी योग्य बुनियादी ढांचे के सोलराइजेशन को भी वित्तपोषित किया जा सकता है।

नोट 2 : डिजिटल कनेक्टिविटी और ऑप्टिक फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर भाग के रूप में निवेश योग्य होगा।

वित्तपोषण सुविधा का आकार और पात्र लाभार्थी

प्राइमरी सहकारी समितियों को ऋण के रूप में बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा रु. 1 लाख करोड़ प्रदान किए जाएंगे। जिसमें कृषि साख समितियाँ (पैक्स), विपणन सहकारी समितियाँ, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), किसान, संयुक्त देयता समूह (जेएलजी), बहुउद्देशीय सहकारी समितियां, कृषि-उद्यमी, स्टार्टअप और केंद्रीय/राज्य एजेंसी या स्थानीय निकाय प्रायोजित सार्वजनिक निजी भागीदारी परियोजनाएं, राज्य एजेंसियां, कृषि उपज बाजार समितियां (मंडियां), सहकारी समितियों के राष्ट्रीय और राज्य संघ, एफपीओ (किसान उत्पादक संगठनों) के संघ और स्वयं सहायता समूहों के संघ (एसएचजी)। एपीएमसी कृषि और संबद्ध क्षेत्र की उपज के लिए विनियमित बाजारों का संचालन करते हैं मत्स्य पालन सहित भी पात्र होंगे।

पात्र प्रति इकाई परियोजनाओं की संख्या

एक स्थान पर रु. 2 करोड़ तक के ऋण के लिए ब्याज सबवेंशन इसके तहत पात्र योजनाएँ हैं। एक स्थान पर कई परियोजनाएं रु. 2 करोड़ की कुल सीमा के साथ भी पात्र हैं। एलएन मामले में, एक पात्र इकाई विभिन्न स्थानों पर परियोजनाएँ लगाती है तो ऐसी सभी परियोजनाएँ 2 करोड़ रुपये तक के ऋण के लिए पात्र होंगी। हालाँकि, एक निजी क्षेत्र की संस्था के लिए, जैसे किसान, कृषि उद्यमी, स्टार्ट-अप ऐसी परियोजनाओं की अधिकतम सीमा 25 इकाईयो की सीमा तक होगी। यह 25 परियोजनाओं की सीमा राज्य एजेंसियों, सहकारी समितियों, राष्ट्रीय और पर लागू नहीं होगी। सहकारी समितियों के राज्य संघ, एफपीओ, एफपीओ के संघ, एसएचजी और एसएचजी के संघ की विभिन्न बुनियादी ढांचे के प्रकार की कई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा सकती है।

निर्दिष्ट बाजार क्षेत्र। ऐसे मामलों में, रु. 2 करोड़ तक के ऋण के लिए ब्याज सबवेंशन होगा।

एपीएमसी के निर्दिष्ट बाजार क्षेत्र के भीतर कोल्ड स्टोरेज, छंटाई, ग्रेडिंग और एसेइंग यूनिट, साइलो आदि विभिन्न बुनियादी ढांचे के प्रकार की प्रत्येक परियोजना के लिए योजना का लाभ प्रदान किया जाता है।

परियोजना प्रबंधन और हैंडहोल्डिंग समर्थन

इस योजना का भाग लेने वालों के सहयोग के लिए एक ऑनलाइन मंच https://agriinfra.dac.gov.in/ उपलब्ध कराया गया है। इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से निधि के तहत ऋण के लिए आवेदन करना होता है। इस सिस्टम से पारदर्शिता के साथ प्रत्येक प्रकरण की निगरानी की जाती है। यह योजना में भाग लेने वालीं सभी संस्थाओं को एक प्लेटफार्म पर ले आने के कारण कई बैंकों द्वारा दी जाने वाली ब्याज दरों, ब्याज सबवेंशन सहित योजना विवरण और क्रेडिट गारंटी की पेशकश, न्यूनतम दस्तावेज, फ़ास्ट अनुमोदन प्रक्रिया उपलब्ध करता है। अन्य योजना के लाभों के एकीकरण के लिए मंच भी प्रदान करता है। जिले भर में डैशबोर्ड के विचार; कुल निगरानी के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर के पीएमयू स्वीकृत राशि और उधारकर्ताओं की संख्या, प्राप्त कुल ब्याज अनुदान लाभ, ऋण विवरण सारांश, उधारकर्ताओं का जनसांख्यिकीय और भौगोलिक मिश्रण और परियोजनाओं के प्रकार।

आवेदक ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करेगा जिसके बाद उसे पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे। क्रेडेंशियल प्राप्त करने के बाद, लाभार्थी पोर्टल पर उपलब्ध आवेदन पत्र भरकर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ऋण के लिए आवेदन कर सकता है।

आवेदन के साथ, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और संबंधित दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी आवेदक द्वारा पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।यह आवेदन मंत्रालय में केंद्रीय पीएमयू द्वारा सत्यापित किया जाएगा और फिर पोर्टल पर आवेदक द्वारा चुने गए ऋणदाता संस्थान को भेजा जाएगा।

उधार देने वाला संस्थान परियोजना का मूल्यांकन करेगा और यह तय करेगा कि परियोजना की व्यवहार्यता के आधार पर ऋण स्वीकृत करना है या आवेदन को अस्वीकार करना है। ऋणदाता संस्थान द्वारा लाभार्थी को ऋण के संवितरण के बाद, ऋण संस्थान द्वारा प्रस्तुत दावे के आधार पर भारत सरकार द्वारा ऋणदाता संस्थान को ब्याज सबवेंशन और क्रेडिट गारंटी शुल्क जारी किया जाएगा। आउटपुट और आउटकम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क (ओओएमएफ) इसका हिस्सा होगा। निगरानी प्रणाली और परिणाम संकेतकों के माप की निगरानी की जाती है।

यह एक बहुत उपयोगी योजना है। लेकिन इस योजना का लाभ लेने के लिए योजना का डीपीआर विषय विशेषज्ञों से ही बनवाया जाना चाहिए। ■

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान
को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री बी.एल. मकवाना
(प्र. संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)
श्रीमती वर्षा श्रीवास
(सहायक आयुक्त सह.)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
सौजन्य से
श्री कमलेश ओझा (पर्य. पेटलावद)
श्री दिनेश खतेड़िया (पर्य. बामनिया)
श्री शैलेन्द्र सिंह (पर्य. झकनावदा)
श्री लालसिंह डोडिया(पर्य. रायपुरिया)
श्री रामप्रकाश त्रिपाठी (पर्य. सारंगी)
श्री संजय नागर (पर्य. मेघनगर)
श्री देवीसिंह कलमे
(शा.प्र. पेटलावद)
श्री योगेश रत्नावत
(शा.प्र. बामनिया)
श्री मनोज शुक्ला
(शा.प्र. झकनावदा)
श्री देवेन्द्र मिश्रा
(शा.प्र. रायपुरिया)
श्री संजय रोहित सिंह
(शा.प्र. सारंगी)
श्री मन्नूसिंह खतेड़िया
(शा.प्र. मेघनगर)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पेटलावद, जि.झाबुआ
श्री कमलेश ओझा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. टेमरिया, जि.झाबुआ
श्री कमलेश ओझा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बामनिया, जि.झाबुआ
श्री भेरूलाल पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. करवड़, जि.झाबुआ
श्री रमेशचंद्र सोलंकी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खवासा, जि.झाबुआ
श्री दिनेश खतेड़िया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भामल, जि.झाबुआ
श्री चैनसिंह राठौर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. झकनावदा, जि.झाबुआ
श्री शैलेन्द्र सिंह (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बौलासा, जि.झाबुआ
श्री शैलेन्द्र सिंह (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रायपुरिया, जि.झाबुआ
श्री लालसिंह डोडियार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बैकल्दा, जि.झाबुआ
श्री लालसिंह डोडियार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मोहनकोट, जि.झाबुआ
श्री रमेशचंद्र पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सारंगी, जि.झाबुआ
श्री मनोहरलाल वर्मा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मठमठ, जि.झाबुआ
श्री गेंदालाल पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बोड़ायता, जि.झाबुआ
श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बरवेट, जि.झाबुआ
श्री अन्नूसिंह गामड़ (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रंभापुर, जि.झाबुआ
श्री गरवरसिंह कठोटा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मदरानी, जि.झाबुआ
श्री मानसिंह वसुनिया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मांडली, जि.झाबुआ
श्री नटवरसिंह हाड़ा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मेघनगर, जि.झाबुआ
श्री संजय नागर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. नौगाँवा, जि.झाबुआ
श्री दिनेश बैरागी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पचपिपल्या, जि.झाबुआ
श्री वीरसिंह डामोर (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

जायद की सूरजमुखी

सूरजमुखी हमारे देश के लिए तिलहन की एक नई फसल है। इसके बीज में 46-52 प्रतिशत तक तेल एवं प्रोटीन 20-25 प्रतिशत प्राप्त होता है। सूरजमुखी 90-100 दिन में तैयार हो जाता है। सूरजमुखी की फसल खरीफ, रबी तथा जायद तीनों मौसम में समान रूप से ली जा सकती है। लेकिन खरीफ में रोगों एवं कीटों का प्रकोप अधिक होने के करण रबी एवं जायद में इसकी फसल अधिक लाभप्रद पायी गयी है इन दोनों मौसमों में बोई गई फसल से 15 से 25 प्रतिशत तक अधिक पैदावार मिलती है। जायद में आलू, गन्ना या तोरिया या अन्य फसलों के बाद खेत खाली पड़े हों, वहां इसकी खेती सफलता से की जा सकती है।

सूरजमुखी के फूलों की खेती से किसानों का भविष्य सुरक्षित होने लगा है। अनेक किसान सूरजमुखी के फूलों की खेती कर रहे हैं। दूसरे फसलों के हिसाब से किसानों को सूरजमुखी से ज्यादा फायदा हो रहा है। बंगाल के बाजारों में डिमांड के चलते किसानों को काफी फायदा मिल रहा है। यहां सूरजमुखी के फूलों की कीमत 200 रुपये किलो है। किसानों को कृषि विभाग का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। किसानों का कहना है कि सूरजमुखी की खेती से किसान बहुत उत्साहित है और साथ ही इसमें लागत कम और मुनाफा अधिक है। दरअसल सूरजमुखी के तेल की बाजार में अधिक मांग है। इसकी फसल तीन महीने में तैयार हो जाती है। प्रति एकड़ करीब 10 क्विंटल उपज होता है। सूरजमुखी के दानों में 40 प्रतिशत तेल होता है। कम समय में किसानों को अधिक मुनाफा होता है।

■ **जलवायु :** प्रकाश अवधि का इसकी वृद्धि व विकास पर कोई अंतर नही पड़ता क्योंकि अप्रदीप्तिकाल पौधा है। इसीलिए इसे तीनों ऋतु में खरीफ, रबी एवं बसंत में आसानी सें उगाया जा सकता है।

■ **भूमि एवं खेत की तैयारी :** इसकी खेती दोमट एवं भारी मिट्टी पलट वाले हल से गहरा जुताई करने के बाद दो-तीन बार हैरो या देशी हल सें जुताई करके और पाटा लगा देना चाहिए।

■ **उन्नत किस्में :** भरपूर पैदावार के लिए उन्नत किस्मों की स्वस्थ एवं उत्तम गुणवत्ता वाले बीज का चुनाव करें।

■ **बीज मात्रा :** सामान्य-10 कि.ग्रा./हे. एवं संकर-5-6 कि.ग्रा./हे.।

■ **बुवाई :** रबी- अक्टूबर सें नवम्बर एवं जायद- फरवरी से मार्च

■ **बोने की विधि :** कतार सें कतार की दूरी 60 सेमी. एवं पौध से पौध की दूरी 20 सेमी. एवं 3-4 सेमी. से गहरा नहीं बोना चाहिए ।

■ **बीजोपचार :** बीमारियों से बचाव हेतु उपचार फफूंदनाशक थायरम 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज दर से या 2 ग्राम केप्टान से करना चाहिए।

■ **बीज शोधन :** बीज को 12 घंटे पानी मे भिगोगर छाया में 3-4 घंटे सुखाकर बोने से जमाव शीघ्र होता है। बीज को कैप्टान को 2 ग्राम या थीरम की 3 ग्राम मात्रा प्रति कि.ग्रा. बीज की दर

से शोधित कर लेना चाहिए, इससे पौधे स्वस्थ होते है।

■ **खाद मात्रा :** अन्य फसलों के समान चार वर्षों में एक बार गोबर की खाद लगभग 25-30 गाड़ी के अतिरिक्त बारानी क्षेत्रों में एवं नत्रजन- 50 कि.ग्रा. सामान्य एवं 60 कि.ग्रा. संकर जाति, स्फुर- 60 कि.ग्रा. सामान्य एवं 90 कि.ग्रा. संकर जाति, एवं पोटाश- 40 कि.ग्रा. सामान्य एवं 60 कि.ग्रा. संकर जाति से प्रति हेक्टेयर के हिसाब से बोनी के पहले दे देना चाहिए।

■ **सिंचाई :** सूरजमुखी की खेती के रबी के मौसम में दो सिंचाई की जायद की फसल में चार सिंचाई की आवश्यकता होती है। सूरजमुखी के पौधें में फूल आते समय और मुण्डकों के बीज भरते समय सिंचाई देना अच्छा होता है। सूरजमूखी का परागण मूख्यतः मधुमक्खियों द्वारा होता है। इसके अलावा अन्य मधुमक्खियों एवं अन्य कीट परागण में सहायता करती है। रबी में दो बार और बसंत ऋतु में 5-6 बार सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। फसल उगने के 25-30 दिन बाद पहली और 50 दिन बाद दूसरी सिंचाई कर देना चाहिए। तीसरी सिंचाई फूल निकलने और दाने भरने की अवस्था में कर देना चाहिए।

■ **निराई-गुडाई एवं खरपतवार नियंत्रण :** बोआई के 10-12 दिन बाद घने उगे हुए पौधों को उखाड़ देना चाहिए ताकि कतार में पौधे की दूरी 20 सेमी. रह जाये। खरपतवारों की रोकथाम करना भी जरूरी है। खरीफ फसल में दो बार, रबी में तथा बसंत ऋतु फसल में 1 बार निराई-गुड़ाई कर देना चाहिए।

■ **सूरजमुखी के अच्छा पैदावार बढ़ाने के गुण :** घने पौधे को बोनी के एक माह अन्दर निकाल कर विरलन कर देना चाहिए। फसल कां फूल बनने से बीज भरने की अवस्था में तोते चिडियों से बचाना चाहिए। यदि मधुमक्खियों की संख्या कम दिखाई दे तो हस्त परागण करना चाहिए, ताकि बीज पोचा न रहें।

■ **प्रमुख कीट एवं नियंत्रण :** जैसिड- मिथाइल डेमेटान 25 ई.सी. 1 ली./हे., माहो- डाइमिथोएट 30 ई.सी. 1000 मि.ली. दर से छिड़कें। रोमिल इल्ली- पैराथियान 2 प्रतिशत चूर्ण भुरकाव 25 कि.ग्रा./हे. की दर से।

■ **प्रमुख रोग एवं नियंत्रण :** बीज सड़न, बीज कुड, झुलसन, चारकोल सड़न, भभूतिया रोग, डाऊनी मिल्डयु आलटरनेरिया झुलसन, गेरुआ एवं हेडराट प्रमुख रूप से पाये जाते है। एक लीटर पानी में 3 ग्राम घुलनशील गंधक का घोल प्रति हेक्टेयर 500 लीटर छिड़काव करें।

■ **कटाई एवं मंडाई :** जब सूरजमुखी के बीज पककर कडे हो जाए तो उसके फूलों की कटाई कर लेना चाहिए। पके हुए फूलों का पिछला भाग पीले भूरे रंग का हो जाता है। फूलों को काटकर धूप में सुखा लेना चाहिए। इसके बाद फूलों को हाथ से या डण्डों सें पीटकर मंड़ाई की जा सकती है।

■ **उपज एवं भण्डारण :** सूरजमुखी की संकर किस्में उगाने पर 20 क्विं. प्रति हेक्टेयर एवं सामान्य सें किस्म सें 8-15 क्विं. प्रति हेक्टेयर प्राप्त किया जा सकता है। ■

मार्च माह के कृषि कार्य

■ **सब्जियाँ :** कद्दू, चप्पन कद्दू, लौकी, करेला, तोरई, खीरा, खरबूजा, तरबूज आदि बेल वाली सब्जियों की बुवाई करें। पूसा की निम्न प्रजातियों का चयन करें :- कद्दूः पूसा विश्वास, पूसा हाईब्रिड 1, खीराः पूसा उदय, खरबूजाः पूसा मधुरस, तरबूजः शुगर बेबी, चप्पन कद्दूः ऑस्ट्रेलियन ग्रीन एवं पूसा अलंकार। कद्दूवर्गीय फसलों में 100-50-50 किग्रा/ हैक्टेयर की दर से नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम की मात्रा डालें तथा 5-6 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहें। भिण्डी में फली व तना भेदक कीट के नियंत्रण के लिए 2 मिली इमिडाक्लोप्रिड दवा को 10 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। भिण्डी रस में चूसने वाले कीड़ों के नियंत्रण के लिए ट्राइजोफॉस और डेल्टामेथ्रिन 1 मिली दवा/लीटर पानी में घोलकर बारी-बारी से 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

■ **मूँग फसल :** खरपतवार नियंत्रण के लिए 1 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से पेन्डामिथालिन दवा 500 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के एक-दो दिन बाद छिड़काव करें। मूँग के लिए 20:40:20 किग्रा/है. की दर से एनपीके की मात्रा को आधार खुराक के रूप में दें। मूँग में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें।

■ **फल फसलें :** आम में चूर्णिल आसिता रोग की रोकथाम के लिए डाइनोकेम दवा 1 मिली प्रति 1 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। आम में एथ्रेक्नोज (पत्तियों व मंजरियों पर काले धब्बे) की रोकथाम के लिए 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम दवा प्रति 1 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। आम में यदि पत्तियों व शाखाओं पर भी एन्थ्रोक्नोज के लक्षण दिखते हैं तो 3 ग्राम दवा/लीटर पानी की दर से कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का छिड़काव करें। ■

सौजन्य से
श्री विष्णु पटेल (शा.प्र. बड़वाह)
श्री रमेशचंद्र रघुवंशी (पर्य. बड़वाह)
श्री नानकराम पटेल (शा.प्र. मंडी बड़वाह)
श्री सोहनसिंह रजावत (पर्य. मंडी बड़वाह)
श्री विष्णु पाटीदार (शा.प्र. मंडलेश्वर)
श्री सुनील पाटीदार (पर्य. मंडलेश्वर)
श्री कमल पाटीदार (शा.प्र. महेश्वर)
श्री परमानंद पाटीदार (पर्य. महेश्वर)
श्री दीपक अग्रवाल (शा.प्र. नान्द्रा)
श्री देवराम मालवीय (पर्य. नान्द्रा)
श्री मिश्रीलाल मकवाना (शा.प्र. पिपल्या)
श्री अमरसिंह चावड़ा (पर्य. पिपल्या)
श्री गोविंद जाट (शा.प्र. करही)
श्री कैलाशचंद्र पाटीदार (पर्य. करही)
श्री दिलीप श्रीवास (शा.प्र. काटकुट)
श्री नजर अली खान (पर्य. काटकुट)
श्री देवरान जाट (शा.प्र. बलवाड़ा)
श्री रविन्द्रनाथ शर्मा (शा.प्र. बागोद)
श्री नवीन शर्मा (पर्य. बागोद)

जन-जन के लाड़ले नेता एवं प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल.मकवाना (प्र. संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)

श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री राजेन्द्र आचार्य (प्रभारी सीईओ)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बड़वाह, जि.खरगोन
श्री दर्याव पटेल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. उमरिया, जि.खरगोन
श्री किशोर धुरकरी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. जगतपुरा, जि.खरगोन
श्री रमेशचंद्र रघुवंशी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सिरलाय, जि.खरगोन
श्री मन्नालाल हैंचा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रतनपुर, जि.खरगोन
श्री जगदीश चाचरिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. किठुद, जि.खरगोन
श्री सोहनसिंह राजावत (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. माचलपुर, जि.खरगोन
श्री गोविंद यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मंडलेश्वर, जि.खरगोन
श्री सुनील कुमार पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. चोली, जि.खरगोन
श्री दौलतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. करोदिया, जि.खरगोन
श्री भंवरलाल पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. महेश्वर, जि.खरगोन
श्री परमानंद पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. महेतवाड़ा, जि.खरगोन
श्री रामकृष्ण पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. आशापुर, जि.खरगोन
श्री तिलोक यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. धरगाँव, जि.खरगोन
श्री दुर्गालाल यादव (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कतरगाँव, जि.खरगोन
श्री देवकरण मालवीय (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पिपल्या, जि.खरगोन
श्री रमेश कनाड़े (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बड़दिया, जि.खरगोन
श्री अमरसिंह चावड़ा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. करही, जि.खरगोन
श्री किशोर वर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सौमाखेड़ी, जि.खरगोन
श्री कैलाशचंद्र पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. काटकुट, जि.खरगोन
श्री नजर अली खान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बड़ेल, जि.खरगोन
श्री हमीर परिहार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. थरवर, जि.खरगोन
श्री मनोहर वर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सोरठी बारूल, जि.खरगोन
श्री भूरेसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बलवाड़ा, जि.खरगोन
श्री रामप्रसाद अवस्थी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बागोद, जि.खरगोन
श्री नवीन शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. जेठवाय, जि.खरगोन
श्री रमेश गावशिन्दे (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

नव संवत्सर का स्वागत और वंदन

■ कैलाश विजयवर्गीय
राष्ट्रीय महासचिव भाजपा

सूर्य संवेदना पुष्पेः, दीप्ति कारुण्यगंधने।
लब्ध्वा शुभम् नववर्षेअस्मिन् कुर्यात्सर्वस्य मंगलम्॥

जिस तरह सूर्य प्रकाश देता है, संवेदना करुणा को जन्म देती है, पुष्प सदैव सुगन्धित रहता है, उसी तरह यह नव विक्रम संवत 2080 आपके लिए हर दिन, हर पल के लिए मंगलमय हो। विक्रम संवत 2080 के प्रथम दिन चैत्र शुल प्रतिपदा हिन्दू नववर्ष है। हिंदू नववर्ष के दिन महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, सिंधी समाज चेटीचंड पर्व, कर्नाटक में युगादि और आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में उगादि, गोवा और केरल में कोंकणी समुदाय के लोग संवत्सर पड़वो, कश्मीर में नवरेह, मणिपुर में सजिबु नोंगमा पानबा का पर्व मनाते हैं। हिन्दू नववर्ष का प्रथम दिन प्रकृति पर्व है और इसका सपूर्ण देश के लिए सांस्कृतिक महत्व है। वासंतिक नवरात्र के प्रथम दिन ही मां भगवती के नव रूपों के दर्शन करने का अवसर भी है। नवरात्र में नौ दिनों तक मां भगवती के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। नव संवत्सर का दिन हमें हमारी प्राचीन संस्कृति और पर्वों से जुड़ने का अवसर देती है।

नव संवत्सर को हम धूमधाम से मनाएं और अपने बंधु-बांधवों को नव वर्ष का स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन करते हुए इन दिन के महत्व की जानकारी देकर मनाने के लिए प्रोत्साहित करें। हमारे पुराणों और प्राचीन ग्रंथों के अनुसार चैत्र शुल प्रतिपदा को ही ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। आज के दिन भगवान श्री राम एवं धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक हुआ था। स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्यसमाज का स्थापना भी इसी दिन की थी। इसी दिन संत झूलेलाल की भी जयंती मनाई जाती है। राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत करने वाले विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूज्यनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी जन्मदिवस पर पुण्य स्मरण का दिवस भी है। भारत के विभिन्न हिस्सों में जैसे महाराष्ट्र और गोआ के अलावा आसपास के राज्यों में नव संवत्सर को गुड़ी पड़वा मनाया जाता है।

मराठी नव वर्ष भी ऋतु व संस्कृति से जुड़ा पर्व है। गुड़ी पड़वा को संवत्सर पड़वो के नाम से भी मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा में गुड़ी को भगवान ब्रह्मा का प्रतीक और पड़वा को चंद्रमा के चरण प्रथम दिन कहा जाता है। वैसे भी प्रतिपदा को उत्तर भारत में पड़वा कहा जाता है। गुड़ी का अर्थ विजय पताका भी होता है। माना जाता है कि एक कुम्हार-पुत्र शालिवाहन नाम ने मिट्‌टी के सैनिकों की सेना से अपने शत्रुओं पर विजय पाई थी। इसलिए इस दिन विजय के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार गुड़ी पड़वा के दिन से ही शालिवाहन शक का प्रारंभ होता है। भगवान ब्रह्मा द्वारा सृष्टि की रचना के कारण गुड़ी पड़वा के दिन भगवान ब्रह्मा की पूजा अर्चना की जाती हैं। इस पर्व पर समस्त बुराइयों का अंत होता है और सुख समृद्धि का आगमन होता है। मान्यता है कि दक्षिण भारत में भगवान श्रीराम ने राजा बलि का वध करके जनता को आतंक से मुक्ति दिलाई थी।

नव संवत्सर आतंक से मुक्ति दिलाने, बुराई का अंत करने के साथ सुख एवं समृद्धि की वृद्धि दिलाने वाला पर्व है। नव संवत्सर के दिन स्वच्छ होकर मां भगवती की उपासना करें। अपने परिवार में पकवान बनाएं और आसपास भी वितरित करें। अपने मित्रों को

मिठाई खिलाएं। मंदिरों में जाकर राष्ट्र में शांति और समृद्धि की कामना करें। रात में घरों में दीपक जलाकर नव संवत्सर का स्वागत करें। सिंधी समाज चेटी चंड के अवसर पर वरुण देवता के अवतार भगवान झूलेलाल की जयंती मनाता है। माना जाता है कि पहले समय में सिंधी समाज के लोग जलमार्ग से यात्रा की सकुशलता के लिए जल देवता झूलेलाल से प्रार्थना करते थे। यात्रा की सफलता पर भगवान का आभार जताते हैं। सिंधी समाज के बंधु-बांधवों को चेटी चंड जूं लख-लख वाधायूं। आतंक से मुक्ति दिलाने वाले पर्व पर जमू-कश्मीर में शांति सुखद अहसास कराती है। जमू-कश्मीर में 1990 के बाद नवरेह पर रौनक लौटी है।

पिछले वर्ष 32 वर्ष बाद कश्मीर घाटी में नवरेह यानी नववर्ष बहुत धूमधाम से मनाया गया। कश्मीर में नववर्ष की पूर्व संध्या पर थाल बरुन यानी कांसे की चावल से भरी थाली पर अखरोट, बादाम, दूध, दही, लेखनी, स्याही की दवात नया पञ्चांग, अदरक, एक फूल और छोटा दर्पण रखा जाता है। आईना, नमक आदि सजाकर रखे जाते हैं। सोने से पहले एक दूसरे को नवरेह पोषतु यानी नववर्ष शुभ हो कहा जाता है। नवरेह के अवसर ऋद्धि-सिद्धिसमृद्धि, आरोग्य, दीर्घायु, सुख-शांति, धन-धान्य, औषधि, वनस्पति के लिए कामना की जाती है। इस नव संवत्सर भारत के विभिन्न हिस्सों में प्राचीन मान्यताओं और परपराओं का स्मरण कराता पर्व है। नववर्ष के दिन प्रत्येक इंसान चाहे कहीं भी हो अपने आपको को उत्साहित, प्रफुल्लित व नई उर्जा से ओतप्रोत महसूस करता है। अधिकतर देशवासी एक जनवरी को ही नववर्ष की शुरुआत मानते हैं लेकिन अपनी संस्कृति व इतिहास के प्रति हमारी उदासीनता के चलते यह सत्य नहीं है।

एक जनवरी से शुरू होने वाला कैलेंडर तो ग्रिगोरियन कैलेंडर है। इसकी शुरुआत 15 अक्टूबर 1582 को इसाई समुदाय ने क्रिसमस की तारीख निश्चित करने के लिए की थी क्योंकि इससे पहले 10 महीनों वाले रूस के जूलियन कैलेंडर में बहुत सी कमियां होने के कारण हर साल क्रिसमस की तारीख निश्चित नहीं होती थी। इस उलझन को सुलझाने के लिए एक जनवरी को ही इन लोगों ने नववर्ष मनाना शुरू कर दिया। भारतीय कैलेंडर के अनुसार नववर्ष का आगाज एक जनवरी से नहीं बल्कि चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से नवसंवत्सर आरंभ होता है जो अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार अक्सर मार्च-अप्रैल माह में आता है। शास्त्रों में कुल 60 संवत्सर बताए गए हैं। मान्यता है कि नए वर्ष के प्रथम दिन के स्वामी को उस वर्ष का स्वामी मानते हैं। 2 अप्रैल को शनिवार का दिन है इसलिए इस वर्ष के देवता शनि महाराज हैं। इसके साथ ही नवसंवत्सर का निवास कुहार का घर व समय का वाहन अश्व होगा। भारतीय हिंदू कैलेंडर की गणना सूर्य और चंद्रमा के अनुसार होती है।

दुनिया के तमाम कैलेंडर किसी न किसी रूप में हिंदू कैलेंडर का ही अनुसरण करते हैं। भारतीय पंचांग और काल निर्धारण का आधार विक्रम संवत ही हैं। जिसकी शुरुआत मध्य प्रदेश की उज्जैन नगरी से हुई। यह हिंदू कैलेंडर राजा विक्रमादित्य के शासन काल में जारी हुआ था तभी इसे विक्रम संवत के नाम से भी जाना जाता है। विक्रमादित्य की जीत के बाद जब उनका राज्यारोहण हुआ तब उन्होंने अपनी प्रजा के तमाम ऋणों को माफ करने की घोषणा करने के साथ ही भारतीय कैलेंडर को जारी किया इसे विक्रम संवत नाम दिया गया। यूनानियों ने नकल कर इसे अलग-अलग हिस्सों में फैलाया। विक्रम संवत आज तक भारतीय पंचांग और काल निर्धारण का आधार बना हुआ है। सबसे बड़ी विशेषता इस कैलेंडर की यह है कि यह वैज्ञानिक रूप से काल गणना के आधार पर बना हुआ है। सभी 12 माह राशियों के नाम पर हैं, इसका समय 365 दिन का होता है। बात करें चन्द्र वर्ष की तो इसके महीने चैत्र से प्रारंभ होते हैं। इसकी समयावधि 354 दिनों की होती है शेष बढ़े हुए 10 दिन अधिमास के रूप में माने जाते हैं। ■

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
जन-जन के लाड़ले नेता एवं
प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री
श्री शिवराजसिंह चौहान को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाई
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल.मकवाना
(प्र. संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)
श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री राजेन्द्र आचार्य
(प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. खरगोन

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
माननीय मुख्यमंत्री
श्री शिवराजसिंह चौहान
को जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री बी.एल.मकवाना
(प्र. संयुक्त आयुक्त सह.)
श्री महेन्द्र दीक्षित
(प्रशासक एवं उपायुक्त सह.)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एस.धनवाल
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. धार

सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह गांधीनगर में 49वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में

आज देश को श्वेत क्रांति-2 की जरूरत : अमित शाह

गाँधीनगर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह गुजरात के गांधीनगर में इंडियन डेयरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित 49वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि दुनिया के लिए डेयरी एक व्यापार है लेकिन भारत जैसे 130 करोड़ की आबादी वाले देश में ये रोज़गार का साधन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने का विकल्प, कुपोषण की समस्याओं का समाधान प्रदान करने वाला और महिला सशक्तिकरण की संभावनाओं वाला क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि भारत की आज़ादी से अब तक के डेयरी उद्योग के विकास को देखें तो इन सभी पहलुओं को हमारे डेयरी सेक्टर ने बहुत अच्छे तरीके से देश के विकास के साथ जोड़ने के लिए काम किया है। श्री शाह ने कहा कि इसमें हमारी कोऑपरेटिव डेयरी का योगदान बहुत बड़ा रहा है जिन्होंने किसानों की समृद्धि के लिए काम किया है। कोऑपरेटिव डेयरी ने देश की गरीब कृषक महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता प्रशस्त किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि पिछले एक दशक में 6.6 प्रतिशत की वार्षिक दर से हमारे डेयरी क्षेत्र ने प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गठित सहकारिता मंत्रालय, एनडीडीबी और पशुपालन विभाग देश में 2 लाख पंचायतों में ग्रामीण डेयरी की स्थापना करेगा और तब डेयरी क्षेत्र की विकास दर 13.80 प्रतिशत तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि हमारी दूध प्रोसेसिंग की क्षमता लगभग 126 मिलियन लीटर प्रतिदिन है, जो विश्व में सर्वाधिक है। श्री शाह ने कहा कि हमारे कुल दूध उत्पादन का 22 प्रतिशत हम प्रोसेस करते हैं, जिसका फायदा किसान को आय वृद्धि के रूप में मिलता है। उन्होंने कहा कि डेयरी उत्पादों के निर्यात में भी मिल्क पाउडर, मक्खन और घी जैसे उत्पादों का बड़ा हिस्सा है और इसमें अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने निर्यात के लिए एक मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी बनाई है, जिसके साथ इन 2 लाख ग्रामीण डेयरियों को जोड़कर निर्यात के 5 गुना बढ़ने की संभावना है। श्री शाह ने कहा कि देश में आज श्वेत क्रांति-2 की आवश्यकता है और इस दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में सहकारिता का मॉडल आय, पोषण, पशुधन की सुनिश्चितता, मानवहित की सुरक्षा, रोज़गार और महिला सशक्तिकरण जैसे सभी पहलुओं को छूते हुए पूरी व्यवस्था में किसान और उपभोक्ता के बीच से बिचौलियों को समाप्त करके सबसे अधिक मुनाफा किसान तक पहुंचाने वाला मॉडल है।

इस वर्ष देश में गेहूँ का रकबा 85% से अधिक रहेगा

नई दिल्ली। देश में इस साल रबी की फसल काफी अच्छी रहने का अनुमान जताया जा रहा है. करनाल में आईसीएआर संस्थान में आयोजित बैठक में डीए एंड एफडब्ल्यू की निगरानी समिति द्वारा फसल की संभावनाओं का आकलन किया गया है, जिसमें इस बात का खुलासा हुआ है कि गेहू के रकबे में 85 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान जताया जा रहा है.

गेहूं की फसल पर निगरानी के लिए कृषि और किसान कल्याण विभाग द्वारा गठित समिति की एक बैठक में भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल में आयोजित हुई है. इस बैठक में आईएमडी, आईसीएआर, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ डीए एंड एफडब्ल्यू के अधिकारियों ने भाग लिया है. इस बैठक में गेहूं की फसल की स्थिति को पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर विस्तार से चर्चा की गई है. जिसमें गेहूं के रकबे का 85 प्रतिशत से अधिक का अनुमान जताया गया है.

इस समिति ने कहा है कि, आज सभी प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों में गेहूं की फसल की स्थिति सामान्य है. आईसीएआर और एसएयू के गहन प्रयासों के कारण, ऐसा देखने को मिल रहा है. विशेष रूप से उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में 50 फीसदी से अधिक के अनुमानित क्षेत्र में खेती हो रही है. हरियाणा और पंजाब में लगभग 75 फीसदी क्षेत्र इस समय बुवाई योग्य है. हैदराबाद में स्थित अखिल भारतीय कृषि मौसम विज्ञान अनुसंधान परियोजना के सहयोग से आईएमडी जिला कृषि मौसम विज्ञान इकाइयों के नेटवर्क के जरिये से सप्ताह में दो बार मंगलवार और गुरुवार को किसानों को कृषि सलाह जारी की जा रही है. जो पूरे केवीके का हिस्सा हैं.

मध्यप्रदेश की 3 महिलाओं को स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मध्यप्रदेश की दो जल योद्धाओं - श्रीमती अनिता चौधरी और श्रीमती गंगा राजपूत को जल संरक्षण में विशिष्ट योगदान के लिए आज स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान-2023 से सम्मानित किया। विज्ञान भवन नई दिल्ली में हुए अलंकरण समारोह में ये पुरस्कार प्रदान किए गए। ग्राम सरपंच श्रीमती नीतू परिहार को भी स्वच्छता के क्षेत्र में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान-2023 प्राप्त हुआ। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने यह पुरस्कार प्रदान किया।

छिंदवाड़ा जिले की जलसखी श्रीमती अनिता चौधरी को जल जीवन मिशन में पाइप जलापूर्ति के ऑपरेशन्स तथा मेंटेनेंस श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। उनके प्रयासों से जिले का ग्राम गढ़मऊ हर-घर-जल ग्राम घोषित हुआ है। छतरपुर जिले की जलयोद्धा श्रीमती गंगा राजपूत को राष्ट्रीय जल मिशन के तहत पुरस्कृत किया गया है। अपने अथक प्रयासों से उन्होंने ग्राम भोयरा की महिलाओं को जागरूक बना कर लोकभ्रांतियों को दूर करते हुए चंदेलकालीन तालाब को जीवित करने में विशेष योगदान दिया है। ग्वालियर जिले की सरपंच श्रीमती नीतू परिहार को स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत पुरस्कृत किया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत पुरा बनवार को ओडीएफ प्लस आदर्श ग्राम बनाने में असाधारण योगदान दिया है। कार्यक्रम में जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय जल मिशन और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण में विभिन्न श्रेणियों में कुल 18 पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल और श्री विश्वेश्वर टुडू भी उपस्थित थे।

भारत सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि : श्री तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। इसी दिशा में हमारे किसानों को अच्छी गुणवत्ता के बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार शीघ्र ही सीड ट्रेसेब्लिटी सिस्टम लांच करेगी। इससे बीज व्यापार क्षेत्र में गलत काम करने वालों पर अंकुश लगेगा। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने यह बात आज दिल्ली में नेशनल सीड एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय इंडियन सीड कांग्रेस के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में कही।

श्री तोमर ने कहा कि सीड ट्रेसेब्लिटी सिस्टम पर संबंधित पक्षों के सुझाव लिए गए हैं, इसे लांच करने से इसका फायदा किसानों के साथ ही बीज क्षेत्र में अच्छा काम करने वाले सभी लोगों को मिलेगा और बीज का क्षेत्र ठीक प्रकार से सुनिश्चितता से काम करने की ओर अग्रसर होगा। बीज क्षेत्र को सुचारू रूप से संचालित करने में जो कोई भी बाधाएं आती है तो सरकार इस संबंध में पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व वाली यह पहली ऐसी सरकार है, जिसने देश की आजादी के 75 वर्षों के दौरान अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को खत्म किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लेकर कड़े निर्देश देते हुए लगभग डेढ़ हजार ऐसे कानून समाप्त करा दिए हैं, ताकि किसी संस्था या व्यक्ति के खिलाफ इनका दुरूपयोग नहीं हो सकें। यह आवश्यक है कि देश में व्यापार-उद्योग क्षेत्र ठीक से, बेफिक्री से काम कर सकें और मोदी सरकार ने यह करके दिखा दिया है। पहली बार मोदी सरकार ने ही देश के करदाताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया है, साथ ही सभी वर्गों के हित में कानूनी सुधार करते हुए देश में सभी वर्गों के बीच विश्वास का माहौल कायम किया है। इससे सरकार का नजरिया प्रकट होता है। आने वाले समय में अपने देश को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आपसी विश्वास के इस माहौल को न केवल और सुधारना होगा, बल्कि हमें इसे मजबूत भी करना होगा, सरकार इंडस्ट्री की भावना को समझें और इंडस्ट्री इस पर मोहर लगाने का काम करें कि आपने हम पर भरोसा किया है तो निश्चित रूप से हम भी कुछ गलत काम नहीं करेंगे।

बहनों का सम्मान बढ़ाने का महायज्ञ लाड़ली बहना योजना

25 मार्च से आवेदन भरना शुरू होंगे। 10 जून को पहली किस्त बहनों के खातों में जमा की जाएगी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाड़ली बहना योजना मेरे दिल से निकली योजना है। बहने सशक्त होंगी तो परिवार, समाज, प्रदेश और देश सशक्त होगा। बहनों के जीवन को सरल, सुखद बनाना ही मेरे जीवन का ध्येय है। बहने अपनी छोटी-मोटी जरूरतों और पैसों की आवश्यकता के लिए परेशान न हो, इसलिए हर महीने बहनों को एक-एक हजार रूपए उपलब्ध कराने की व्यवस्था योजना में की गई है। जिन परिवारों की वार्षिक आय ढाई लाख रूपए से कम है, जिनके पास 5 एकड़ से कम भूमि है और जिन परिवारों में कोई आयकर दाता नहीं हो, ऐसे परिवारों की 23 से 60 आयु वर्ग की बहनें योजना के लिए पात्र हैं। योजना में परिवार का अर्थ है, पति, पत्नी और बच्चे। बहनों को यह राशि उपलब्ध कराने से बहनों के साथ पूरे परिवार का भी कल्याण होगा। योजना के लिए 25 मार्च से 30 अप्रैल तक आवेदन भरे जाएंगे। मई माह में आवेदनों की जाँच होगी और 10 जून को पहली किस्त बहनों के बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी। जिन बहनों के बैंक खाते नहीं हैं, उनके खाते खुलवाने में भी मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान भोपाल के जम्बूरी मैदान में विशाल सम्मेलन में योजना का शुभारंभ कर रहे थे। कार्यक्रम से प्रदेश के सभी गाँव तथा वार्ड वर्चुअली जुड़े।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने आई बहनों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कन्या-पूजन और बहनों का सम्मान करते हुए दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में सभी कार्यक्रमों का शुभारंभ कन्या-पूजन के साथ किया जाता है। मैं अपनी बहनों में देवी दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी का रूप देखता हूँ। आज के कार्यक्रम का शुभारंभ बहनों के सम्मान से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शाल तथा पोषण दलिया भेंट कर महिलाओं का सम्मान किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान का बहनों ने तिलक, श्रीफल, शाल, आरती, मिठाई और पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री के सम्मान में अभिनंदन-पत्र का वाचन भी किया गया।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, वित्त, मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, जनजातीय कार्य और अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल, राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा, पर्यटन, संस्कृति एवं अध्यात्म मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद भदौरिया और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, भोपाल सांसद सुश्री प्रज्ञा ठाकुर, खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायकगण और जन-प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित थे।

गेहूं की उन्नत किस्में बुवाई की सलाह

रायसेन। कृषि विज्ञान केंद्र रायसेन के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. स्वप्निल दुबे ने जिले के ग्रामों में भ्रमण कर किसानों से आगामी वर्ष में गेहूं की सिंचित अवस्था व समय से बुवाई हेतु गेहूं की उन्नत किस्म पूसा तेजस, जीडब्ल्यू 513, धान की उन्नत किस्में एचआई 1634, पूसा अहिल्या,जीडब्ल्यू 499 एवं मसूर की उन्नत किस्म आईपीएल 316 ,आईपीएल 319, आरबीएल 30 का उपयोग करने की सलाह दी। डॉ. दुबे के साथ केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल, भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान इंदौर एवं मंथन संस्था के प्रतिनिधियों ने ग्रामों का भ्रमण किया। इस दौरान केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल के वैज्ञानिक डॉ. बी. एम. नंदेरे, डॉ. दुष्यंत सिंह ने कृषि यंत्र जीरो टिलेज मशीन सुपर सीडर,स्ट्रा रीपर, रोटावेटर, डिस्क हैरो की जानकारी दी। गेहूं कटाई के बाद नरवाई ना जलाने की अपील की। इन मशीनों के द्वारा मिट्टी में मिला कर पूसा डी कंपोजर का उपयोग भी बताया। वैज्ञानिकों के साथ मंथन संस्थान भोपाल के प्रमुख डॉ. रजत सक्सेना एवं श्री अजय राजपूत भी उपस्थित थे।

ओलावृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे पूरी ईमानदारी से करें

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ओलावृष्टि से नुकसान का सर्वे 7 दिन में पूरा करें और 10 दिन के भीतर राहत राशि बाँटना शुरू की जाए। फसल क्षति सर्वे का कार्य पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से किया जाये। फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने की पूरी कार्यवाही गंभीरता से हो। खरीफ फसलों के लिए खाद का अग्रिम भंडारण करें। किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय में असुविधा नहीं होना चाहिए। साथ ही भुगतान समय पर सुनिश्चित हो। ग्रीष्मकाल में पेयजल की व्यवस्था बेहतर एवं सुचारू बनी रहे। प्रतिदिन जल प्रदाय हो, जहाँ पेयजल परिवहन की व्यवस्था करना है, उसकी भी तैयारी अग्रिम रूप से कर लें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास कार्यालय में विकास यात्रा के फीडबैक संबंधी बैठक को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मंत्रीगण, विधायक, जन-प्रतिनिधि और जिलों के प्रशासनिक अधिकारी वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विकास यात्राएँ व्यवस्थित और अभूतपूर्व तरीके से हुई हैं। यात्राओं में सरकार के साथ समाज भी जुड़ा। सभी 230 विधानसभाओं में यात्राएँ हुई। सभी ओर यात्रा की प्रशंसा हुई है। कलेक्टर्स ने कई नवाचार किए हैं। यात्रा का स्वरूप अद्भुत था। मुख्यमंत्री ने यात्रा की सफलता के लिए सभी को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस बार गेहूँ उत्पादन अच्छा होने की संभावना है। किसानों के हित में समर्थन मूल्य पर गेहूँ के उपार्जन की व्यवस्थाएँ अच्छी हों। उपार्जन व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करें।

भोपाल और नर्मदापुरम संभाग की रबी समीक्षा

खरीदी केन्द्रों पर माकूल इंतजाम किए जायेंगे

भोपाल। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग की रबी उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा के दौरान तय किया गया है कि जिन किसानों ने पंजीयन करवाया है उनका एक सप्ताह में राजस्व अमले द्वारा सत्यापन करवा लिया जाए जिससे वास्तविक किसानों से ही सुविधाजनक ढंग से गेहूँ की खरीदी की जा सके।

संभागायुक्त भोपाल के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव ने की। संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री श्रीमन शुक्ला, आपूर्ति निगम के संचालक श्री तरूण पिथौड़े तथा भोपाल, रायसेन, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, बैतूल हरदा और नर्मदापुरम जिलों के कलेक्टर भी उपस्थित थे।

बैठक में प्रमुख सचिव श्री उमराव ने धान खरीदी की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए कलेक्टर्स को धन्यवाद देते हुए अपेक्षा की है कि गेहूँ की खरीदी की व्यवस्थाएं और भी बेहतर होंगी। रबी सीजन में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी का लक्ष्य लगभग पूर्व वर्ष अनुसार ही तय किये जाने पर सहमति बनी है। कलेक्टर्स ने अब तक हुए पंजीयन की जानकारी प्रस्तुत की। भोपाल में 32468, सीहोर में 79670, रायसेन में 66420, राजगढ़ में 71059 और बैतूल में 20404 किसानों ने पंजीयन करवाया है।

संचालक श्री पिथौड़े ने कलेक्टर्स से कहा कि वे खरीदी केन्द्र एफसीआई के गोदाम और अन्य ऐसे गोदामों के पास बनाए जिससे भंडारण और परिहवन की स्थिति पैदा ही नहीं हो। उन्होंने कहा कि पूर्व का बचा बारदाने का पहले उपयोग करें, उन्होंने बताया कि बारदाना की कोई समस्या नहीं है। बैठक में किसान द्वारा स्लाट बुकिंग की प्रक्रिया भी बताई गई। वे ही किसान स्लाट बुक कर सकेंगे जिनके बैंक खाता आधार और मोबाइल से लिंक होंगे। किसान स्वयं किसी भी विक्रय केन्द्र का चयन कर सकेगा। बैठक में बताया गया कि रबी उपार्जन में प्रस्तावित नवीन प्रावधान के अनुसार एनआरएल एम को आवंटित उपार्जन केन्द्र स्टील स्व सहायता समूह एवं एफपीओ, एफपीसी को एक-एक ही उपार्जन केन्द्र का कार्य सौंपा जाये। इन संस्थाओं को आवंटित उपार्जन केन्द्र स्टील साइलो, साइलो बैग, गोदाम एवं केप पर ही स्थापित किये जायेंगे। विशेष परिस्थिति में गोदाम स्तरीय केन्द्र से अन्यत्र केन्द्र की स्थापना राज्य शासन की अनुमति से की जा सकेगी।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
श्री दिनेश जैन (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सह.)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.के. दुबे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की बधाइयाँ
सौजन्य से : श्री कमलेश कुमार जैन (शा.प्र. मोहन बड़ोदिया)। श्री महेन्द्र जोशी (पर्य. मोहन बड़ोदिया)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहन बड़ोदिया, जि.शाजापुर
श्री महेन्द्र जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिजाना, जि.शाजापुर
श्री नरेन्द्र जी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहना, जि.शाजापुर
श्री रामेश्वर इटावदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सारसी, जि.शाजापुर
श्री अखलेश आर्य (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करजू, जि.शाजापुर
श्री चंदरसिंह चंद्रवंशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देहरीवाल, जि.शाजापुर
श्री लालसिंह राजपूत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वरनावद, जि.शाजापुर
श्री उमेरसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धीनका, जि.शाजापुर
श्री संजु वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धतरावदा, जि.शाजापुर
श्री रमेश भगतजी (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

हितग्राहियों को 'वन नेशन-वन राशन' योजना का मिले

भोपाल। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने वन नेशन-वन राशन योजना का लाभ सभी हितग्राहियों को अनिवार्य रूप से मिलना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। मंत्री डॉ. मिश्रा आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश 2023 और अमृत काल 2047 सुशासन से संबंधित मंत्री समूह की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में 7 विभागों के निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा की गई। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया, पशुपालन मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री रामखेलावन पटेल, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री विनोद कुमार और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ मिलने में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। राशन मिलने में होने वाली गड़बड़ी से संबंधित दोषियों का चिन्हांकित कर उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें। सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने योजनाओं से अधिकतम पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिये लक्ष्य बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश में पेक्स सोसायटी के डिजिटाइजेशन का कार्य करने का लक्ष्य रखा गया है। जल्द ही इस लक्ष्य को पूर्ण भी किया जायेगा। पेक्स के बेहतर संचालन के लिये आवश्यक प्रबंध भी किये जा रहे हैं। आगामी एक साल में 10 हजार पंचायतों में पेक्स सोसायटी की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पशुपालन मंत्री श्री पटेल ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं का समय पर लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन की सार्थकता तभी है, जब तत्परता से जनता लाभान्वित हो। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री पटेल ने कहा कि योजनाओं का लाभ मैदानी स्तर पर ग्रामीणों को उपलब्ध हो। उन्होंने सरकार की योजनाओं को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने के निर्देश दिये। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, सहकारिता, जनजातीय कार्य, लोक सेवा प्रबंधन, पशुपालन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, राजस्व तथा परिवहन विभाग की समीक्षा की गई।

आईपीसी बैंक में गेहूं उपार्जन केन्द्र प्रभारियों को प्रशिक्षण

इंदौर। रबी विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर उपार्जन की प्रारम्भिक तैयारियों एवं गुणवत्ता नियंत्रण के संबंध में गत दिवस आई.पी.सी. बैंक मुख्यालय सभाकक्ष, महारानी रोड़ इन्दौर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर डॉ.इलैयाराजा टी के निर्देशानुसार उपार्जन पूर्व की तैयारियाँ व व्यवस्थाऐं बनाने तथा गुणवत्ता हेतु भारतीय खाद्य निगम के प्रशिक्षकों द्वारा समस्त 97 उपार्जन केन्द्रों से संबंधित समिति प्रबंधकों, समस्त विपणन सहकारी संस्थाओं तथा कृषि उपज मण्डी के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कृषकों को खरीदी के समय किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस हेतु समस्त प्रकार की तैयारियाँ जैसे बैनर, पोस्टर, फास्टएड, छाया हेतु टेंट, पंखे / कुलर, स्वच्छ पानी, बैठक व्यवस्था, समय पर भुगतान, ग्रेडिंग एवं नमी नापने की मशीन आदि की सुविधाऐं उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री मदन गजभिये, उपायुक्त सहकारिता जिला इन्दौर, जिला विपणन अधिकारी श्री अर्पित तिवारी, आपूर्ति अधिकारी श्री एस.एस. घावड़, मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन इन्दौर के जिला प्रबंधक श्री रजनीश पोरवाल, वेयर हाउस से जिला प्रबंधक श्री प्रताप भूरिया एवं आई.पी.सी. बैंक के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनिल हर्षवाल सम्मिलित हुए।

सहकारिता विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

सहकारी बैंकों ने 39.57 लाख केसीसी जारी किये

भोपाल। प्रदेश के किसानों को सहकारी बैंकों द्वारा नवम्बर-2022 तक 39 लाख 57 हजार किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये गये हैं। विभिन्न बैंकों द्वारा जारी कुल 65 लाख 83 हजार केसीसी में से सहकारी बैंकों की भागीदारी 7 प्रतिशत है। केसीसी से कृषकों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण प्रदान किया जाता है। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में विधानसभा परिसर में विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में यह जानकारी दी गई। समिति के सदस्य विधायक श्री संजय सत्येंद्र पाठक उपस्थित थे।

सचिव सहकारिता श्री विवेक पोरवाल ने बताया कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ का उपार्जन और शासकीय उचित मूल्य दुकानों का संचालन सफलता से किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर समितियों द्वारा 46 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का उपार्जन किया गया। समितियों द्वारा प्रदेश में 16 हजार 452 शासकीय उचित मूल्य दुकानों का संचालन किया जा रहा है। इनसे 119 लाख परिवारों को समय पर राशन वितरित किया जा रहा है। विभाग द्वारा किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण के वितरण में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की गई है। वर्ष 2022-23 में 14 हजार 699 करोड़ रूपये के ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को को उपलब्ध कराये गये हैं। राज्य सहकारी बैंक और जिला सहकारी बैंकों में बैंकिंग सेवाओं का उन्नयन किया जा रहा है। प्रदेश के 29 जिला सहकारी बैंकों से संबद्ध शाखाओं और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में 4 हजार माइक्रो एटीएम स्थापित किये जा रहे हैं। इनसे समिति स्तर पर किसानों को आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ मिलेगा। साथ ही राज्य सहकारी बैंक और खरगोन, इंदौर एवं विदिशा जिला सहकारी बैंक में मोबाइल बैंकिंग की सुविधा संचालित की जा रही है।

दुनिया भर में प्याज की कीमतों में भारी उछाल

नई दिल्ली। दुनिया भर में प्याज की भारी कमी हो गई है। इससे कई देशों में इसकी कीमत में काफी उछाल आई है। हालत यह हो गई है कि कई देशों में लोगों को प्याज के बिना ही गुजारा करना पड़ रहा है। इसकी शुरुआत फिलिपींस से हुई। वहां प्याज इतना महंगा हो गया है कि लोगों ने इसकी तुलना गोल्ड से करनी शुरू कर दी है। अब कई देशों में प्याज की कीमत आसमान छू रही है। तुर्की से लेकर कजाखिस्तान तक प्याज की महंगाई लोगों के रुला रही है।

प्याज एक तरह से ग्लोबल फूड क्राइसिस का सिंबल बन गया है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में स्थिति और बदतर हो सकती है। दुनियाभर में सब्जी से लेकर सलाद और करी में प्याज का भरपूर इस्तेमाल होता है। पाकिस्तान में बाढ़, सेंट्रल एशिया में पाले के प्रकोप और यूक्रेन युद्ध के कारण प्याज की कीमत बढ़ी है। दूसरी ओर भारत में किसानों को लागत के अनुरूप कीमत नहीं मिल पा रही है। किसानों को एक रुपये किलो प्याज बेचना पड़ रहा है। फिलीपींस में प्याज की कीमत मीट से भी ज्यादा हो गई है। वहां पिछले कई महीनों से इसकी कीमत में उछाल आ रही है। सितंबर से देश में प्याज की कीमत ग्लोबल एवरेज से अधिक बनी हुई है। पिछले चार महीने में इसकी कीमत में चार गुना उछाल आई है। वहां लाल प्याज की कीमत 2,476 रुपये प्रति किलो पहुंच गई है। यह चिकन की कीमत से तीन गुना और बीफ से 25 फीसदी ज्यादा है। फिलीपींस में पिछले साल आए कई तूफानों के कारण फसल को भारी नुकसान पहुंचा था। वहां प्याज की जमाखोरी की भी खबरें हैं। अब सरकार ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं। खरीदने वाले सोलापुर एपीएमसी के व्यापारी नासिर खलीफा का कहना है कि चव्हाण के प्याज की क्वालिटी बहुत खराब थी। लासलगांव मंडी में प्याज की आवक दोगुनी हो गई है। दिसंबर में औसत थोक कीमत 1,850 रुपये प्रति क्विन्टल थी जो अब गिरकर 550 रुपये रह गई है। देश से प्याज का एक्सपोर्ट पिछले दो साल स्थिर रहने के बाद इस साल बढ़ा है। खासकर पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने के कारण इसमें तेजी आई है। इस वित्त वर्ष के दौरान अब तक 15.19 लाख टन प्याज का एक्सपोर्ट किया जा चुका है जबकि पिछले पूरे साल 15.38 लाख टन प्याज का निर्यात किया गया था। देश में होने वाले कुल प्याज का 10 से 15 फीसदी निर्यात किया जाता है। देश में सबसे ज्यादा प्याज महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात में होता है। भारतीय प्याज की पश्चिम एशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और नेपाल में बहुत मांग है।

शाहगंज बना है अन्य शहरों के लिये प्रेरणा : मुख्यमंत्री

सीहोर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि यदि सरकार की नीयत और नीति दोनों ठीक हो तो तस्वीर और तकदीर बदलती है। प्रदेश में जनता की तकदीर और प्रदेश तस्वीर बदलने का महाअभियान चल रहा है। मेरी जिंदगी का मकसद है, आपकी जिंदगी में खुशहाली लाना और इसके लिये मैं निरंतर कार्य कर रहा हूँ। यदि आपकी जिंदगी खुशहाल होती है, तो मेरा मुख्यमंत्री बनना सार्थकता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान सीहोर जिले के शाहगंज नगर के गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नगर की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितलाभ और स्वीकृति-पत्र हितग्राहियों को वितरित किये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार के साथ समाज के सहयोग से शाहगंज आज प्रदेश के अन्य शहरों के लिये प्रेरणा बन गया है। शाहगंज स्वच्छता में छोटे शहरों में नंबर एक है। यहाँ शासन की सभी योजनाएँ व्यवस्थित रूप से लागू हुई हैं। गौरव दिवस का आयोजन भी व्यवस्थित ढंग से किया गया है।

जिले के प्रभारी और लोक स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को जननायक बताते हुए कहा कि अब वे लाडले मामा से लाडले भाई भी बन गये हैं। मंत्री डॉ. चौधरी ने मुख्यमंत्री का कल्याणकारी योजनाओं के लिए आभार माना। सांसद श्री रमाकांत भार्गव ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को प्रदेश के साथ ही शाहगंज के विकास का शिल्पी निरूपित करते हुए उन्हें शाहगंज का गौरव बताया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शाहगंज के गौरव दिवस पर नगर के मुख्य मार्गों पर रोड-शो कर नगरवासियों का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री का नागरिकों ने पुष्प-वर्षा कर और फूल मालाओं से स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने सभी शहरवासियों को गौरव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। नगर के सभी सामाजिक, संस्कृतिक, धार्मिक, व्यापारिक संस्थाओं के साथ सभी वर्गों के नागरिक, बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। बेटियाँ भी अपने प्रिय मामा को अपने बीच पाकर खुश नजर आयीं।

मध्यप्रदेश को सिंचाई क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार

भोपाल। केन्द्रीय सिंचाई एवं ऊर्जा ब्यूरो ने प्रदेश को सिंचाई क्षेत्र में हुए कार्यों के लिए उत्कृष्ट राज्य चुना है। ब्यूरो ÷सीबीआईपी अवार्ड÷ के लिये मध्यप्रदेश की मोहनपुरा एवं कुण्डालिया परियोजना के सफल क्रियान्वयन के आधार पर नामांकन दाखिल किया गया था। मध्य प्रदेश ने जल संसाधन के दक्षतम उपयोग में प्रथम स्थान अर्जित किया है। मध्यप्रदेश को यह अवार्ड 3 मार्च को नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री श्री आर.के. सिंह ने प्रदान किया। इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज विधानसभा समिति कक्ष में मंत्रि-परिषद की बैठक शुरू होने के पहले जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट और विभागीय अमले को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंचाई क्षेत्र के विस्तार के लिए निरंतर निर्णय लिए और प्रदेश की अनेक सिंचाई योजनाएँ मंजूर कर उन्हें क्रियान्वित भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के विजन एवं विशेष प्रयासों से गत 15 वर्ष से राज्य के सिंचित क्षेत्र को 8 लाख हेक्टेयर से 45 लाख हेक्टेयर तक पहुँचाया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान की दृढ़-इच्छा शक्ति से पिछले 3 साल में मध्यप्रदेश में नवीन तकनीक का प्रयोग कर प्रेशर पाईप प्रणाली से पानी खेतों तक पहुँचाया गया है। पाईप प्रणाली से सिंचाई कर नहर प्रणाली की तुलना में समान जल में दोगुने से भी अधिक क्षेत्र में सिंचाई करने वाले पहले राज्य के रूप में मध्यप्रदेश की पहचान बनी है।

खंडवा कृषि महाविद्यालय में प्रशिक्षण

खंडवा। भगवंत राव मंडलोई कृषि महाविद्यालय में आरआईएम परियोजना अंतर्गत जिले के कृषि आदान विक्रेताओं एवं जिनिंग मिल संचालकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिथि श्री मुकेश तन्वे प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष खंडवा एवं श्री जितेंद्र भाटे अध्यक्ष कृषि स्थाई समिति उपस्थित थे। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर. आई. सिसोदिया ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों पर संक्षिप्त विवरण बताया। वहीं परियोजना संचालक आत्मा श्री आनंद सिंह सोलंकी ने संबोधित कर कृषि विकास में आदान विक्रेताओं की भूमिका एवं फसल कटाई उपरांत फसलों के उचित मूल्य के लिए प्रबंधन विषयों पर मार्गदर्शन किया।

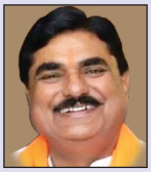

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री तुलसीराम सिलावट
(प्रभारी मंत्री)

म.प्र. के लाड़ले मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री डी.सी. कुमार सानू
(भारसाधक अधिकारी)

श्री किशोर माहेश्वरी
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति पंधाना, जि.खंडवा

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री प्रेमसिंह पटेल
(प्रभारी मंत्री)

म.प्र. के लाड़ले मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री दीपक चौहान
(भारसाधक अधिकारी)

श्री जयराम वानखेड़े
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बुरहानपुर, जि.बुरहानपुर

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री ओ.पी.एस. भदौरिया
(प्रभारी मंत्री)

म.प्र. के लाड़ले मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री मनीष जैन
(भारसाधक अधिकारी)

श्री रम्मू वसुनिया
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सैलाना, जि. रतलाम

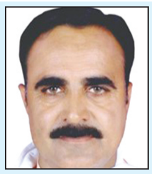

श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)

श्री बृजेन्द्र सिंह यादव
(प्रभारी मंत्री)

म.प्र. के लाड़ले मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री नरेन्द्र नाथ पाण्डेय
(भारसाधक अधिकारी)

श्री रामवीर किरार
(मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति शाजापुर, जि.शाजापुर

हरदा छोटा लेकिन विकसित और समृद्ध जिला : राज्यपाल

हरदा। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हरदा छोटा जिला होने के बाद भी विकसित और समृद्ध जिला है। यहाँ के लोग परिश्रमी हैं। वे विकास की दौड़ में अपना समस्त योगदान देने के लिये तत्पर दिखाई देते हैं। यह बात राज्यपाल श्री पटेल ने हरदा जिले के दौरे पर ग्राम रहटगांव और केलझिरी के ग्रामीणों को कई सौगातें देते हुए कहीं। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हरदा विकास के मार्ग पर अग्रसर है। राज्यपाल श्री पटेल ने ग्राम रहटगांव में 29 करोड़ 33 लाख रूपये के एकलव्य आवासीय विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। केलझिरी में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान किये। स्थानीय सासंद श्री डी.डी. उइके, टिमरनी विधायक श्री संजय शाह और अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने ग्राम रहटगांव में एकलव्य आवासीय विद्यालय भवन की सौगात देते हुए कहा कि बच्चों को अपने क्षेत्र के साथ ही प्रदेश और देश का नाम रौशन करने के लिये खूब पढ़ना-लिखना है। शिक्षा ही आगे बढ़ने के मार्ग को प्रशस्त करती है। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल एनिमिया के प्रति लोगों को जागरूक करने का महती कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हरदा देश का पहला जिला है, जहाँ सबसे पहले स्वामित्व योजना का लाभ लोगों को मिलना सुनिश्चित किया गया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रहटगांव आवासीय विद्यालय का लोकार्पण करने के बाद छात्राओं से चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल ने ग्राम केलझिरी में आँगनवाड़ी केन्द्र का अवलोकन कर बच्चों से व्यवस्थाओं और पोषण आहार संबंधी जानकारी ली। राज्यपाल ने आँगनवाड़ी भवन की व्यवस्थाओं और साज-सज्जा की सराहना की।

सांसद श्री उइके ने कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूहों से ही देश और प्रदेश की महिलाएँ सशक्त हुई है और उनका हौसला बढ़ा है। विधायक श्री संजय शाह ने कहा कि टिमरनी विधानसभा क्षेत्र में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सराहनीय कार्य किया है। जो महिलाएँ पहले घर से बाहर नहीं निकलती थी, अब वे व्यवसाय कर रही है और अपनी आय बढ़ा कर परिवार का पालन-पोषण भी कर रही है।

प्रदेश में 1 अप्रैल से शुरू होगी पशु एम्बुलेंस सेवा

भोपाल। प्रदेश में एक अप्रैल 2023 से पशु एम्बुलेंस सेवा शुरू हो जायेगी। पशुपालन विभाग ने एम्बुलेंस में एक डॉक्टर, एक कम्पाउण्डर, एक ड्रायवर सहित कॉल-सेंटर के लिये 1238 लोगों को रोजगार से जोड़ा है। एम्बुलेंस में सभी आवश्यक सुविधाएँ रहेंगी। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल की अध्यक्षता में हुई पशुपालन विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक यह जानकारी में दी गई। समिति सदस्य विधायक श्री सीताराम, श्री विजय राघवेन्द्र सिंह, सुश्री चन्द्रभागा किराड़े सहित प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री गुलशन बामरा, दुग्ध महासंघ के प्रबंध संचालक श्री तरूण राठी, संचालक डॉ. आर.के. मेहिया और कुक्कुट विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री एच.बी. भदौरिया मौजूद थे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि धार्मिक व्यक्ति और संस्थान गो-शालाओं का संचालन बेहतर ढंग से करते हैं। जिन ग्राम सभाओं में गो-शालाओं का व्यवस्थित संचालन नहीं हो रहा है, वहाँ यह जिम्मेदारी एनजीओ को दें। बताया गया कि पड़ौसी राज्य राजस्थान में लम्पी बीमारी से लगभग 70 हजार गायों की मृत्यु के बावजूद सतर्कता के चलते मध्यप्रदेश में केवल 696 मृत्यु दर्ज की गई। लम्पी बीमारी से बचाव के लिये गायों को लगाये गये 37 लाख 13 हजार से अधिक टीकों का इसमें बड़ा योगदान है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा अनुसार ब्लॉक में अलग-अलग और छोटी-छोटी गो-शालाओं की जगह एक बड़ी गो-शाला में बेसहारा गायों को रखें। इससे गायों की देखभाल अच्छी होने के साथ गोबर और गो-मूत्र अधिक होने से उनकी आत्म-निर्भरता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि 10 गो-शालाओं को जोड़ कर एक गो-वंश वन विहार बनायें। पशुपालन की विभिन्न केन्द्रीय और राज्य की गो-भैंस, बकरी, कुक्कुट-पालन आदि योजनाओं की अद्यतन स्थिति पर भी चर्चा की गई। बकरी-पालन में हितग्राही को शासन द्वारा 60 प्रतिशत की सबसिडी दी जाती है।

प्रदेश को कृषि में अव्वल बनाना हमारा लक्ष्य : कृषि मंत्री

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि प्रदेश को कृषि के हर क्षेत्र में अव्व्ल बनाने के लक्ष्य की पूर्ति की दिशा में सभी आवश्यक कार्यवाही की जाना सुनिश्चित करें। मंत्री श्री पटेल विधानसभा के बैठक कक्ष में कृषि विभाग की परामर्शदात्री समिति बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री श्री पटेल ने विभाग की प्रमुख गतिविधियों, प्रदेश की कृषि क्षेत्र में उपलब्धियों एवं कृषि से संबंधित अन्य़ महत्वपूर्ण कार्य किये जाने संबंधी विषयों पर आवश्यक निर्देश दिये। विधायक सर्वश्री देवीलाल धाकड़, राजेंद्र पांडेय और प्रद्युमन सिंह लोधी, अपर मुख्य सचिव कृषि श्री अशोक वर्णवाल, संचालक कृषि एम. सेल्वेंद्रम, प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड श्रीमती जी.वी. रश्मि और जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपर मुख्य सचिव कृषि श्री वर्णवाल ने जानकारी दी कि प्रदेश दलहन फसलों में देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में देश के कुल दलहन उत्पादन का 21 प्रतिशत, खाद्यान्न में कुल राष्ट्रीय उत्पादन का 10 प्रतिशत, कुल राष्ट्रीय तिलहन उत्पादन का 19 प्रतिशत उत्पादन होता है। प्रदेश गेहूँ उपार्जन में देश में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश वर्ष 2011-12 से वर्ष 2017-18 तक लगातार विभिन्न श्रेणी में कृषि कर्मण पुरूस्कार प्राप्त करता रहा है। कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में गुड-गवर्नेंस इण्डेक्स में राज्य का पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। ग्रीष्मकालीन मूंग से कृषकों को ?80 हज़ार से 1 लाख 20 हज़ार रुपए प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त आय हुई है।

कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों में प्रदेश, देश का इकलौता राज्य है, जिसने एम.पी. फार्म गेट मोबाइल एप द्वारा कृषकों को कहीं से भी अपनी कृषि उपज बेचने का विकल्प दिया है। एप पर अब तक कुल 91 लाख मीट्रिक टन उपजों के सौदे संपादित हुए हैं। कृषि संबंधित विभिन्न जानकारी एवं सेवा- जैसे मण्डी भाव, योजनाओं की जानकारी, मौसम आधारित कृषि सलाह इत्यादि समन्वित मोबाइल एप पर कृषकों हेतु उपलब्ध है। कृषि के क्षेत्र में प्रदेश द्वारा ई-उपार्जन पंजीकरण से लेकर किसान के खाते में राशि का पारदर्शी हस्तांतरण का कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश को 2022 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पोर्टल पर लेण्ड रिकार्ड इंटीग्रेशन के लिए एक्सीलेंस अवार्ड और बेस्ट इमर्जिंग स्टेट अवार्ड इन मिलेट प्रमोशन पुरूस्कार प्राप्त हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में कृभको ने लगाया मानव चिकित्सा शिविर

दुर्ग। कृभको दुर्ग द्वारा सामुदायिक भवन लताबोड़ (बालोद) मे मानव चिकित्सा अभियान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरिश्चंद्र साहू जी जनपद पंचायत सदस्य लाताबोड तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गंगा प्रसाद साहू जी (सरपंच) के द्वारा की गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती श्रद्धा नोनहरे (चिकित्सा अधिकारी आयुष) एवम समस्त स्टॉफ चिकित्सा विभाग बालोद रहे। कार्यक्रम सुभारंभ में आए हुए सभी अथितियो को परिचय कराते हुए पुष्पगुच्छ से सभी को सम्मानित किया गया।

कृभको प्रतिनिधि प्रभात दीक्षित ने कृभको द्वारा किए जा रहे व्यापारिक गतिविधियों सहित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही किसानों को मृदा परीक्षण करने की विधि एवम उससे होने वाले लाभों के संदर्भ में भी विस्तार से बताया। कृभको द्वारा किए जा रहे जन हितैषी कार्यों को भी प्रमुखता से अवगत कराया। उन्होंने सभी कृषकों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहते हुए समय समय पर स्वस्थ परीक्षण लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कृभको द्वारा आयोजित मानव चिकित्सा शिविर से अधिक से अधिक जुड़ कर निशुल्क स्वास्थ लाभ प्राप्त करें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लाताबोड जनपद पंचायत सदस्य श्री हरिश्चंद्र साहू ने कृभको द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि कृभको द्वारा विगत एक वर्ष से इस क्षेत्र में स्वस्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है जिससे किसानों, छात्र–छात्राओं और ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है।

क्षेत्रीय प्रतिनिधि प्रभात दीक्षित ने किसानों को कृभको कृभको के साथ विभिन्न सोशल मीडिया माध्यम जैसे यूट्यूब ,फेसबुक , इंस्टाग्राम एवम ट्विटर आदि से जुड़ने का अनुरोध किया। अंत में कृभको द्वारा आयोजित मानव स्वस्थ शिविर में 150 से अधिक किसानों ने जुड़ कर शिविर से अपना निशुल्क उपचार कराकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

इंदौर में भविष्य की जरूरतों के मान से होगा विकास कार्य

इंदौर। इंदौर में भविष्य की जरूरतों के मान से विकास योजनाओं की प्लानिंग तैयार करने तथा उन्हें अमली रूप देने, यातायात सुधार संबंधी प्लान आदि विकासात्मक गतिविधियों पर चर्चा के लिए यहां सांसद श्री शंकर लालवानी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुयी। कलेक्टर कार्यालय में संपन्न इस बैठक में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, विधायकगण श्रीमती मालिनी गौड़, श्री रमेश मेंदोला तथा श्री आकाश विजयवर्गीय, श्री गौरव रणदिवे, श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री सतीश मालवीय सहित अन्य जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के संबंध में भी चर्चा की गयी।

बैठक में मुख्य रूप से शास्त्री ब्रिज के पास नए रेल्वे स्टेशन के सम्बंध में चर्चा की गयी। इस संबंध में बनाए गए प्लान का प्रस्तुतिकरण दिया गया। इसी तरह कोंपरिहेंसिव मोबिलिटी प्लान पर प्रस्तुतिकरण हुआ। बैठक में सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि इंदौर में आगामी 20 वर्षों की जरूरतों के मान से प्लान तैयार किए जा रहे हैं। व्यापक विचार-विमर्श के बाद इन्हें अमली रूप दिया जाएगा। बैठक में शास्त्री ब्रिज के समीप बनने वाले नए रेलवे स्टेशन के अवरोधों को दूर करने के संबंध में चर्चा की गयी। बैठक में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के संबंध में नागरिकों से आग्रह किया कि वे किसी भी भ्रामक जानकारी से सावधान रहे। किसी भी भ्रम में न पड़े। भ्रामक जानकारी फेलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन के संबंध में कहा कि आगामी 25 मार्च से आवेदन भराने के लिए गांव-गांव तथा शहर के वार्डों में शिविर लगाए जाए। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग ले।

पॉली हाउस लगाने से बढ़ी किसान की आमदनी

बड़वानी। ग्राम बलवाड़ी के कृषक विपुल पिता अशोक लाठी ने संरक्षित खेती अंतर्गत पॉली हाउस के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त कर वर्ष 2019-20 में पॉली हाउस का 4000 वर्ग मीटर (1 एकड़) में निर्माण कराया। जिस पर उन्हे एनएचबी द्वारा लागत का 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्ट हुआ। जिसमें मैने उद्यानिकी फसलें लगाना शुरू की। जिससे शुरूआत में पॉली हाउस के अन्दर खेती के बारे में अनुभव कम होने के कारण उत्पांदन कम मिला था। फिर मेने उद्यानिकी अधिकारी, कर्मचारियों के मार्गदर्शन एवं कृषक प्रशिक्षण के माध्यम से वर्ष 2021-22 में पॉली हाउस के अन्दर खीरा फसल नामधारी की कुकु-9 किस्म लगाई जिसका कुल उत्पादन लगभग 390 क्विंटल प्राप्त हुआ। जिसका औसत बाजार मूल्य 16 रूपये प्रति किलो प्राप्त हुआ। इस प्रकार कुल आय 6,24,000 रूपये प्राप्त हुई, जिस पर फसल लागत 2,50,000 रूपये लगी, इस प्रकार कुल शुद्ध आमदनी 3,74,000 प्राप्त हुई। इसी प्रकार एक वर्ष में लगभग खीरा की 3 फसल लगाई जिससे लगभग 10 से 12 लाख रूपये की शुद्ध आमदनी प्राप्त हुई जिसका कारण पॉली हाउस के अन्दर वातावरण नियंत्रण होना, रोग एवं कीटों का प्रकोप न होना, उत्पाद की गुणवत्ता अच्छा होने से ओपन फील्ड की तुलना में पॉली हाउस में उत्पादित खीरा का मूल्य अधिक मिलता है। पॉली हाउस जिससे कम जमीन में अधिक मुनाफा अर्जित किया जा सकता है जिसका उपयोग बच्चों की शिक्षा एवं खेती की नई-नई उन्नत तकनीकी में किया जा रहा है।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री हर्ष दीक्षित (कलेक्टर एवं प्रशासक)	श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)	श्री ओ.पी.गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)	श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)	श्री डी.आर. सरोठिया (मुख्य कार्यपालन अधिकारी)

सौजन्य से : श्री प्रेमसिंह हाड़ा (शा.प्र. खुजनेर) । श्री रामप्रसाद शर्मा (पर्य. खुजनेर)
श्री दिनेश कुमार शर्मा (शा.प्र. पचोर) । श्री कमलसिंह राजपूत (पर्य. पचोर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. संडावता, जि.राजगढ़ श्री जीतमल दांगी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उदनखेड़ी, जि.राजगढ़ श्री मोहनसिंह राजपूत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खुजनेर, जि.राजगढ़ श्री रामप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुस्तानी, जि.राजगढ़ श्री भगवानसिंह राणा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धामन्दा, जि.राजगढ़ श्री नारायणसिंह नागर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करनवास, जि.राजगढ़ श्री बनेसिंह यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़, जि.राजगढ़ श्री बद्रीलाल दांगी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोकड़ी, जि.राजगढ़ श्री तुलसीराम नागर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लिम्बोदा, जि.राजगढ़ श्री रविप्रकाश व्यास (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुल्तानिया, जि.राजगढ़ श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. म्याना, जि.राजगढ़ श्री मोड़सिंह तोमर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.ओढ़पुर, जि.राजगढ़ श्री दिलीप सिंह परमार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टुनी, जि.राजगढ़ श्री रोड़मल कुम्भकार (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पानिया, जि.राजगढ़ श्री मोहनसिंह गोस्वामी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिडलावनिया, जि.राजगढ़ श्री भारत नागर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाँसखेड़ा, जि.राजगढ़ श्री बलवंतसिंह नागर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पाटक्या, जि.राजगढ़ श्री मथुरालाल नागर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवलखेड़ा, जि.राजगढ़ श्री लक्ष्मीचंद्र यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पचोर, जि.राजगढ़ श्री बालचंद्र नागर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पटा धाकड़, जि.राजगढ़ श्री कमलसिंह राजपूत (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

उपभोक्ताओं की माँग पर साँची ने पुनः शुरू किया शीतल आम्रखण्ड और लस्सी लाइट

भोपाल। भोपाल सहकारी दुग्ध संघ ने आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए उपभोक्ताओं की माँग पर आम्रखण्ड और साँची लस्सी लाइट की रि-लाँचिंग की है। दोनों दुग्ध उत्पाद साँची के सभी पार्लर, एजेन्सी सहित आउटलेट्स पर आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं। साँची दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता और शुद्धता के प्रति उपभोक्ताओं में काफी विश्वास बढ़ा है।

साँची लस्सी लाइट : केवड़ा फ्लेवर से भरपूर साँची लस्सी लाइट, पाचन में मददगार है। गर्मी में ठण्डक का एहसास देने वाले इस उत्पाद में कम फेट होता है। इसका सेवन आग बरसाती गर्मी और खाने के बाद किया जा सकता है। इसमें प्रति 100 ग्राम पर 79 कैलोरी और 1.5 प्रतिशत फेट होता है। यह उत्पाद स्वादिष्ट और ताजगी का एहसास देने वाला है। यह पाउच पैक में उपलब्ध है और 100 ग्राम पाउच का उपभोक्ता मूल्य 15 रूपए है।

साँची आम्रखण्ड : यह फलों के राजा आम के स्वाद वाला स्वादिष्ट दुग्ध पदार्थ है। इसका निर्माण गाढ़ी क्रीमी अलफांसो आम की प्यूरी से बनाया गया है। खट्टे-मीठे स्वाद वाली यह मिठाई खासतौर पर बच्चों और महिलाओं को अच्छी लगती है। इसमें प्रति 100 ग्राम पर 234 कैलोरी, 5.4 प्रतिशत प्रोटीन और 8.6 प्रतिशत फेट रहता है। 100 ग्राम वाले कप का उपभोक्ता मूल्य 35 रूपए है।

किसानों को नई तकनीक से अवगत कराया

भोपाल। प्रदेश के उद्यानिकी कृषकों को खेती की नई तकनीक और उससे होने वाले लाभ से अवगत कराने जिले, प्रदेश और प्रदेश के बाहर भ्रमण करा कर प्रशिक्षित किया जा रहा है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 2661 किसान को प्रशिक्षण दिया गया। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में विधानसभा परिसर में हुई उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में यह जानकारी दी गई। विधायक सर्वश्री मनोज चावला, सुभाष रामचरित, गोपाल सिंह चौहान, अपर मुख्य सचिव श्री जे.एन. कंसोटिया उपस्थित थे।

संचालक उद्यानिकी सुश्री निधि निवेदिता ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग की योजनाओं की प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। फल पौध-रोपण योजना में वित्तीय वर्ष 2022-23 में 247 हेक्टेयर में पौध-रोपण के लिये किसानों को 3 करोड़ 84 लाख 31 हजार रूपये का अनुदान दिया गया है। मसाला क्षेत्र विस्तार योजना में 28 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों के उत्पादन के लिये कृषकों को अनुदान दिया गया है।

सहकारी बैंक खरगोन ने 87.54 लाख रु. का लाभांश चेक मुख्यमंत्री को सौपा

खरगोन। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. खरगोन में जमा अंशपूँजी पर लाभांश 87.54 लाख रु. का चेक सौंपा गया। उक्त चेक बैंक महाप्रबंधक श्री राजेन्द्र आचार्य ने मुख्यमंत्री को प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. खरगोन द्वारा अर्जित लाभ में से सदस्य संस्थाओं एवं म.प्र. शासन की जमा अंशपूँजी पर लाभांश वितरण किया जाता रहा है। जिला सहकारी बैंक खरगोन में कुल अंशपूँजी 25303.31 लाख में से म.प्र. शासन द्वारा प्रदत्त अंशपूँजी राशि रु. 5836.65 लाख है। वर्ष 2021-22 का बैंक द्वारा राशि रु. 1606.10 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया। बैंक की साधारण सभा द्वारा सदस्य संस्थाओं की अंशपूँजी पर लाभांश स्वीकृत किया गया।

अपेक्स बैंक की गुलमोहर शाखा के नए भवन का श्री तिवारी ने किया शुभारंभ

भोपाल। अपेक्स बैंक की गुलमोहर शाखा के नए भवन का शुभारंभ बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस. तिवारी ने किया। इस अवसर पर उप सचिव सहकारिता श्री मनोज सिन्हा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारीगण श्रीमती अरुणा दुबे, श्री के.के. द्विवेदी, उप महाप्रबंधक श्री आर.एस. चंदेल, सहायक महाप्रबंधक श्री के.टी. सज्जैन, श्री अरविंद बौद्ध, विकअं प्रबंधकगण श्री विवेक मलिक, श्री करुण यादव, श्री आशीष राजौरिया, उप पप्रबंधक श्री एस.के. जैन के साथ बैंक के अनेक वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं अमानतदार उपस्थित हुए। शाखा प्रबंधक श्री विजय माथुर ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

नाबार्ड अधिकारी ने की खरगोन सहकारी बैंक की प्रशंसा

खरगोन। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. खरगोन द्वारा अपने ग्राहकों को मोबाईल बैंकिंग, नेट बैंकिंग सहित समस्त सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी कड़ी में बैंक द्वारा अपने ग्राहकों, अमानतदारों को पर्सनलाइज्ड सीटीएस चेकबुक (नाम एवं खाता नंबर मुद्रित वाली) ग्राहकों को नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री निरूपम मेहरोत्रा के हस्ते उपलब्ध करवाई गई। इस अवसर पर गोगाँवा शाखा के 2 ग्राहकों को सीटीएस चेक प्रदान किये गये। बैंक महाप्रबंधक श्री राजेन्द्र आचार्य ने बताया कि नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री निरूपम मेहरोत्रा द्वारा प्राथमिक कृषि साख संस्था गोगाँवा का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर जिला सहकारी बैंकों के कार्यों की समीक्षा भी की गई। समीक्षा के दौरान श्री मेहरोत्रा ने बैंक कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि प्रदेश की अन्य सहकारी बैंकों की तुलना में खरगोन सहकारी बैंक प्रदेश में डिजीटल सुविधाएँ देने वाला एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजनांतर्गत सर्वाधिक ऋण वितरण करने वाला पहला बैंक है। इस अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री विजेन्द्र पाटिल, शाखा प्रबंधक गोगाँवा श्री अशोक वैद्य एवं समिति प्रबंधक श्री पर्वतसिंह गेहलोत सहित संस्था के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश और सहकारिता पर प्रशिक्षण

झाबुआ। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश और सहकारिता पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर के प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। बैंक के महाप्रबंधक श्री आर.एस.वसुनिया द्वारा अपने उद्बोधन मे कहा कि म.प्राज्य सहकारी संघ द्वारा प्रदेश की सभी सहकारी संस्थाओ मे प्रशिक्षण आयोजित किये जाकर कर्मचारियो को प्रशिक्षित किया जाता है एवं महत्वपूर्ण जानकारियो से अवगत कराया जाता है।

प्रशिक्षण मे आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिये जारी रोडमेप के मुख्य बिन्दू भौतिक अद्योसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, अर्थव्यवस्था एवं रोजगार संबंधी विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया। सहकारिता एवं कृषि विभाग द्वारा भी कई प्रकार की योजनाये बनाकर उसका लाभ किसानों को दिया जा रहा है, जिससे कृषि क्षेत्र में उन्नति होकर किसानो की आर्थिक स्थिति मे काफी सुधार होगा। आत्मनिर्भर योजनान्तर्गत जिले मे अच्छा कार्य कर रही चुनिंदा पैक्स को बहुसेवा केन्द्र के रूप मे विकसित कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण मे कक्षाधिकारी हेमन्त नीमा, बी.एस.नायक, महेन्द्रसिंह जमरा, मनोज कोठारी, शाखा प्रबंधक दिलीप वाणी एवं प्रधान कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजगढ़ कलेक्टर ने लिया ओला से प्रभावित फसलों का जायजा

राजगढ़। जिले में गत दिवस हुई बारिश एवं ओलावृष्टि से फसल क्षति का जायजा लेने कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित ने खिलचीपुर अनुभाग के ग्राम मोयाखेड़ा, रूपारेल एवं कछोटिया में लिया। साथ ही उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खिलचीपुर को निर्देश दिए कि ओला-पाला से हुए नुकसान का सर्वे शीघ्र प्रारंभ करें एवं क्षति का आकंलन कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए।

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से

श्री गजेन्द्र दुबे (शा.प्र. मंडी सीहोर)
श्री राधेश्याम झलावा (पर्य. मंडी सीहोर)
श्री भारतसिंह ठाकुर (पर्य. मंडी सीहोर)
श्री शैलेन्द्र बिसोरिया (शा.प्र. श्यामपुर)
श्री भारतसिंह ठाकुर (पर्य. श्यामपुर)
श्री प्रमोद श्रीवास्तव (शा.प्र. दोराहा)
श्री केशरसिंह चौहान (पर्य. दोराहा)
श्री रमेश बारिया (शा.प्र. अहमदपुर)
श्री केसरसिंह चौहान (पर्य. अहमदपुर)
श्री दयाराम पाटीदार (शा.प्र. हकीमाबाद)
श्री बद्रीप्रसाद जामलिया (पर्य. हकीमाबाद)

श्री प्रवीण सिंह अढायच (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता) | श्री बी.के.गुप्ता (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी. एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानियाकलां, जि.सीहोर श्री सुरेश गौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिराड़ी, जि.सीहोर** श्री गुलाब सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुंगावली, जि.सीहोर श्री राधेश्याम झलावा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सौंठी, जि.सीहोर** श्री कैलाश विश्वकर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खामलिया, जि.सीहोर श्री जगदीश मेवाड़ा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दोराहा, जि.सीहोर** श्री प्रमोद सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. महोड़िया, जि.सीहोर श्री भारत सिंह (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झरखेड़ा, जि.सीहोर** श्री सुनील मेवाड़ा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मूंडलाकलां, जि.सीहोर श्री बनवारीलाल वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खाईखेड़ा, जि.सीहोर** श्री प्रेमनारायण साहू (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोगराराम, जि.सीहोर श्री राधेश्याम वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा हसन, जि.सीहोर** श्री अनिल शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नापलाखेड़ी, जि.सीहोर श्री रूपसिंह वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चरनाल, जि.सीहोर** श्री माँगीलाल गौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुस्करा, जि.सीहोर श्री राधेश्याम झलावा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अहमदपुर, जि.सीहोर** श्री सुभाष नामदेव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. थूना पचामा, जि.सीहोर श्री प्रीतम मेवाडा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चांदबड़, जि.सीहोर** श्री केशरसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चन्देरी, जि.सीहोर श्री प्रहलाद प्रजापति (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुपाड़िया, जि.सीहोर** श्री सजनसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिजोरी, जि.सीहोर श्री रतनलाल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हकीमाबाद, जि.सीहोर** श्री मोहनसिंह परमार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खंडवा, जि.सीहोर श्री शिवप्रसाद जामलिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लोरासखुर्द, जि.सीहोर** श्री हेमराज मेवाड़ा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजुरियाकलां, जि.सीहोर श्री प्रभुलाल गौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मैना, जि.सीहोर** श्री गोविंद सरोठिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पानबिहार, जि.सीहोर श्री भारत सिंह (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेवदा, जि.सीहोर** श्री प्रहलाद चौधरी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

उ.प्र. सहकारी ग्राम विकास बैंक लि. की 43वीं बैठक संपन्न

लखनऊ। उ.प्र. सहकारी ग्राम विकास बैंक लि. की सामान्य निकाय की 43वीं बैठक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश के सभी संचालक एवं शाखा अध्यक्षों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय सभापति श्री संतराज यादव जी ने की एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय सहकारिता मंत्री श्री जे.पी.एस. राठौर रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव की मां लीला बाई का निधन

उज्जैन। मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव की माताजी लीला बाई यादव का निधन हो गया। वे 95 साल की थीं। वे लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उनका अंतिम संस्कार शिप्रा नदी किनारे चक्रतीर्थ पर किया गया। उनके निधन पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा के प्रदेश प्रभारी पी मुरलीधर राव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश सरकार के मंत्री गोपाल भार्गव, डॉ नरोत्तम मिश्रा, जगदीश देवड़ा, तुलसीराम सिलावट, विश्वास सारंग सहित प्रदेश सरकार के अन्य मंत्रीगणों ने शोक व्यक्त किया। प्रदेश के शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण और कुलसचिवों ने भी मंत्रालय में आयोजित एक बैठक के अंत में दो मिनट का मौन रखकर मृतात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्व. लीला बाई

जबलपुर में पशुपालन प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर। अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत पशुपालन के उन्नत तरीके विषय पर गत दिनों तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. जे.एस.मिश्र, निदेशक, खरपतवार अनुसंधान निदेषालय, जबलपुर के मुख्य अतिथ्य में आयोजित किया गया। इस आयोजन में अनुसूचित जाति के किसानों सहित 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ.जे.एस.मिश्र ने उद्घाटन समारोह में बताया कि कृषि एवं पशुपालन आपस में जुड़े हुए है। पशुपालन के उन्नत तरीके अपनाकर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। किसानों की आय दुगुनी करने में उन्नत तरीके से पशुपालन भी सहायक सिद्ध हो सकता है, आवश्यकता है वैज्ञानिक तरीके अपनाने की।

इफको कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

ग्वालियर। इफको द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र में तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अरुण सिंह तोमर संचालक इफको किसान सेवा ट्रस्ट नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि श्री डी. एल. कोली संयुक्त संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास ग्वालियर,श्री राजसिंह कुशवाह प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर, श्री एस.वी. सिंह उप महाप्रबंधक इफको ग्वालियर, श्री आरकेएस राठौर मुख्य प्रबंधक विपणन भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित ग्वालियर एवं चंबल संभाग के लगभग 40 प्रगतिशील कृषकों के साथ आगंतुक वक्ताओं द्वारा कृषि की उन्नत तकनीक, इफको के नैनो उत्पाद एवं विशेष उत्पादों के प्रयोग एवं महत्व पर परिसंवाद हुआ।

जालना की 5 एफपीओ ने लिया प्रशिक्षण

इंदौर। भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के कृषि व्यवसाय इनक्युबेशन केंद्र द्वारा सोया खाद्य प्रसंस्करण एवं उपोत्पाद उपयोग विषय पर गत दिनों तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया 7 जिसमें महाराष्ट्र के जालना जिले की 5 कृषक उत्पादक संस्थाओं के कुल 25 प्रतिनिधि कृषकों ने भाग लिया। कृषि विभाग, महाराष्ट्र शासन द्वारा संचालित स्मार्ट परियोजना के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ के.एच.सिंह तथा संस्थान के तीनों विभागों के अध्यक्ष डॉ अनीता रानी, डॉ महावीर शर्मा ,डॉ बी.यु. दुपारे तथा स्मार्ट प्रोजेक्ट, कृषि विभाग, जालना के श्री तेजस शिंदे एवं श्री कैलाश राजभिंडे उपस्थित थे।

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर में नेफस्काब की राष्ट्रीय बैठक संपन्न

किसानों के हित में छत्तीसगढ़ मॉडल को अन्य राज्य अपनाएं

रायपुर। राष्ट्रीय राज्य सहकारी बैंक महासंघ (नेफस्काब) मुम्बई के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर व जनरल असेम्बेली की बैठक में अपेक्स बैंक छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष और नेफस्काब के राष्ट्रीय संचालक श्री बैजनाथ चंद्राकर ने सुझाव दिया गया कि अन्य राज्यों में भी छत्तीसगढ़ मॉडल को अपनाया जाना चाहिए। केन्द्र एवं राज्य शासन को ब्याज अनुदान की राशि समितियों को समय उपलब्ध कराना चाहिए। शासकीय योजनाओं के तहत् समितियों को हुई हानि की प्रतिपूर्ति समय पर किए जाने से समिति की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

अपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र के लगातार मजबूत बनाया जा रहा है। इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहें हैं। प्राथमिक कृषि साख समितियों में अंधोसंरचना के विकास के साथ-साथ नई समितियों का गठन किया जा रहा है। राज्य में 725 नवीन पैक्स का गठन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए खरीदी केन्द्रों में आवश्यक सुविधाओं के साथ नवीन प्राथमिक साख सहकारी समिति (पैक्स) प्रारंभ करने और इन समितियों में अंधोसंरचना विकास के कदम उठाए गए हैं। बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल की सराहना की गई।

महाबलेश्वर (महाराष्ट्र) में आयोजित बैठक की अध्यक्षता नेफस्काब के अध्यक्ष श्री कोंडरू रविन्द्र राव ने की। बैठक में नेफस्काब उपाध्यक्ष (गोआ) श्री उल्लास बी. फल देसाई, नेफस्काब उपाध्यक्ष हिमांचल प्रदेश श्री खुशी राम बालनाथ, नेफस्काब उपाध्यक्ष मिजोरम श्रीमती टी.लालमॉनपुई, नेफस्काब उपाध्यक्ष उत्तराखंड श्री दान सिंह रावत, नेफस्काब संचालक दिल्ली, श्री बैजेंद्र सिंह, एमडी महाराष्ट्र श्री विद्याधर वी.अनस्कर, नेफस्काब संचालक नागालैंड, श्री केखवेंगुलो लिया, नेफस्काब संचालक तमिलनाडु थिरु आर. इलंगोवान, नेफस्काब एमडी श्री बी. सुब्रमण्यम, छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक के एजीएम श्री एल के चौधरी, प्रबंधक श्री ए के लहरे तथा अन्य पदाधिकारीगण मौजूद थे।

एटीएम एवं गोदाम निर्माण समय-सीमा में पूर्ण किया जाए

रायपुर। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम की अध्यक्षता में 6 मार्च को सहकारिता विभाग की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के सभागार में आयोजित की गई। मंत्री डॉ. टेकाम ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सहकारी बैंकों में एटीएम की स्थापना और समितियों में गोदाम निर्माण का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में सहकारी बैंकों की कुल 325 शाखाएं है, जिसमें 145 एटीएम संचालित हैं। 115 नवीन एटीएम लगाये जाने की जिलेवार समीक्षा में पाया गया कि अब तक 42 एटीएम की स्थापना हो चुकी है। मंत्री डॉ. टेकाम ने संबंधित अधिकारियों को शेष 73 एटीएम और नवीन 725 सहकारी समितियों में माइक्रो एटीएम 30 अप्रैल तक लगाये जाने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि छत्रीसगढ़ में 2058 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां है, जिसमें से 1333 समितियों में माइक्रो एटीएम प्रदाय किया गया था। नाबार्ड सहायता अंतर्गत आरआईडीएफ योजना से 725 गोदाम निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर 73.53 करोड़ रूपये निर्माण एजेंसियों को प्रदाय कर दिया गया है। जिलेवार समीक्षा में पाया गया कि 662 गोदाम निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है। मंत्री डॉ. टेकाम ने बैठक में सभी जिला उप-पंजीयकों को इन गोदामों का निर्माण कार्य 30 जून 2023 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रायपुर, सरगुजा संभाग एवं मुंगेली जिले में गोदाम निर्माण की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। सभी संयुक्त पंजीयक को इन निर्माणाधीन गोदामों का भौतिक सत्यापन कराते हुए प्रति सप्ताह रिपोटिंग करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 725 गोदाम का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण कर लिया जाए। बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह में एक बार संचालक मंडल की बैठक कर कार्यों की समीक्षा की जाए।

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ○ खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ○ कृषि यंत्र के लिए ऋण ○ दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

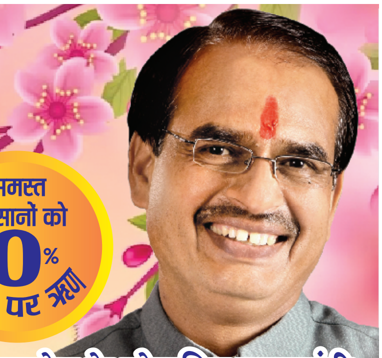

मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री दिनेश जैन (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सह.) | श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री आर.के.दुबे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से :- श्री ज्ञानप्रकाश तिवारी (शा.प्र. नलखेड़ा) श्री राणा शक्ति सिंह (शा.प्र. सुसनेर) श्री राणा प्रदीप सिंह (शा.प्र. सोयतकलां)
श्री धरमचंद्र जैन (पर्य. नलखेड़ा) श्री देवेन्द्र जोशी (पर्य. सुसनेर) श्री कमलेश गुर्जर (पर्य. सोयतकलां)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीलवास, जि.आगर श्री रणवीरसिंह राणा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुसनेर, जि.आगर** श्री राणा छत्रपाल सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दमदम, जि.आगर श्री रमेशचंद्र जायसवाल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेराना, जि.आगर** श्री महेन्द्रसिंह कावल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमलखेड़ी, जि.आगर श्री धीरजसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मैना, जि.आगर** श्री जब्बार खान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रीछी, जि.आगर श्री भेरूसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जामुन्या, जि.आगर** श्री देवीलाल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नलखेड़ा, जि.आगर श्री भेरूलाल नवाया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मालनवासा, जि.आगर** श्री कालू सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भण्डावद, जि.आगर श्री राजेन्द्र सोनी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोड़ी, जि.आगर** श्री देवेन्द्र जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया, जि.आगर श्री हरेन्द्रसिंह (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ठोलाना, जि.आगर** श्री मानसिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धरोला, जि.आगर श्री प्रेम गवली (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लटुरी गेह, जि.आगर** श्री कालू सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोल्याखेड़ी, जि.आगर श्री सिद्धनाथ शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गणेशपुरा, जि.आगर** श्री सौरभ जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोयल, जि.आगर श्री दिनेश गुर्जर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोयतकलां, जि.आगर** श्री कमलेश गुर्जर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुशलपुरा, जि.आगर श्री जयसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डोंगरगाँव, जि.आगर** श्री भँवरलाल कारपेंटर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बड़ागाँव, जि.आगर श्री कमल किशोर शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोयतखुर्द, जि.आगर** श्री ओमप्रकाश झाला (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पानखेड़ी, जि.आगर श्री गंगाराम सोंधिया (प्रबंधक)	

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

आर्थिक प्रयासों में तेजी आएगी। संतान पक्ष के कार्यों में सहयोग देना होगा। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। रुके कार्य स्वप्रयत्नों से पूरे होंगे।

वृषभ

मानसिक प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा। उत्साहजनक समाचार मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक हेगी। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे।

मिथुन

भाग्यबल द्वारा आपके कार्य बनेंगे। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति अनुकूल रहेगी। नौकरीपेशा अनुकूल स्थिति पाएंगे। संतान के कार्यों में खर्च होगा। परिवार में शुभ कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

अधिकारी वर्ग का सहयोग मिलने से कार्य कुशलतापूर्वक बनेंगे। धन-कुटुम्ब के मामलों में सहयोग के साथ उत्तम स्थिति रहेगी। आर्थिक मामलों में स्वप्रयत्नों द्वारा लाभान्वित होंगे। सोचे कार्यों में थोड़ी बाधा रहेगी।

सिंह

प्रभाव में वृद्धि होगी, वहीं स्वास्थ्य ठीक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधित मामलों में सावधानी रखना होगी। व्यापार-व्यवसाय में संतोषजनक स्थिति रहेगी। जमीनी कार्य से लाभार्जन कर सकते हैं।

कन्या

ईष्ट मित्रों व भाइयों का सहयोग मिलेगा। साझेदारी के कार्य में अनुकूल स्थिति रहेगी। नौकरीपेशा के लिए समय मिला-जुला रहेगा। अधिकारी वर्ग का सहयोग लेकर चलें। स्वास्थ्य अधिकतम ठीक रहेगा।

तुला

दांपत्य जीवन में मधुर वातावरण रहेगा। संतान पक्ष में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थी वर्ग में अनुकूल स्थिति रहेगी। आर्थिक प्रयासों में अनुकूल सफलता पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए समझदारी से चलना होगा।

वृश्चिक

इच्छित कार्य में सफल होंगे, मानसिक सुख-शांति रहेगी। पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। मातृपक्ष से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सुखद स्थिति पाएंगे। अधिकारी वर्ग भी सुखद स्थिति पाएंगे।

धनु

पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

बाहरी व्यक्तियों से सावधानीपूर्वक वार्तालाप करें व यात्रा में भी सावधानी रखना होगी। स्थानीय मामलों में सफलता के साथ प्रसन्नता रहेगी। स्त्री पक्ष के मामलों में सावधानी रखना होगी।

कुम्भ

भाग्य में अनुकूलता होने से कार्य में प्रगति आएगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। नौकरीपेशा अपने कार्य में प्रगति के साथ लाभान्वित होंगे। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। शत्रुपक्ष पर प्रभाव बना रहेगा।

मीन

भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। अधिकार क्षेत्र में वृद्धि पाएंगे। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए सहयोगवादी समय रहेगा।

कई किरदारों के लिए याद आएंगे सतीश कौशिक

बॉलीवुड के शानदार एक्टर और डायरेक्टर सतीश कौशिक के निधन की खबर ने पूरे सिनेमा जगत को स्तब्ध कर दिया है। एक्टर ने हाल ही में होली सेलिब्रेशन की कई सारी तस्वीरें शेयर की थी, इसके बाद अचानक उनके निधन की खबर सामने आई। फैंस से लेकर स्टार्स तक, हर कोई उनके जाने से सदमे में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने सतीश कौशिक के निधन पर दुःख व्यक्त किया। सतीश कौशिक बॉलीवुड के ऐसे एक्टर हैं, जिन्होंने कादर खान से लेकर गोविंदा और अनिल कपूर तक, बदलते समय के कई स्टार संग काम किया। 'पप्पू पेजर' और 'कैलेंडर' उनके निभाए कुछ ऐसे किरदार है, जिन्हें फैंस हमेशा याद करेंगे। अनिल कपूर, श्रीदेवी और अमरीश पुरी स्टारर 'मिस्टर इंडिया' में सतीश कौशिक ने अनिल कपूर के कुक 'कैलेंडर' का किरदार निभाया था और अपनी एक्टिंग से दर्शकों को इंप्रेस किया। मल्टीस्टारर 'राम लखन' में उन्होंने अनुपम खेर की दुकान पर काम करने वाले नौकर का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके डायलॉग और मजाकिया अंदाज ने उन्हें खूब वाहवाही दिलाई। साजन चले ससुराल में साउथ इंडियन म्यूजिशियन 'मुत्तु स्वामी' का किरदार निभाया था। मिस्टर एंड मिसेज खिलाड़ी में सतीश कौशिक ने एक ज्योतिषी का किरदार निभाया था। दीवाना मस्ताना में सतीश कौशिक ने 'पप्पू पेजर' नाम के डॉन का किरदार निभाया था। 'दीवाना मस्ताना' में उनकी कॉमिक टाइमिंग और एक्टिंग ने उन्हें खूब वाहवाही दिलाई थी। ■

तू झूठी मैं मक्कार की बंपर ओपनिंग

फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' ने पहले दिन ही बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया। फिल्म की बंपर ओपनिंग ने होली पर की तगड़ी कमाई करके धुआंधार कलेक्शन इकट्ठा किया। फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार ' में श्रद्धा कपूर और रणबीर कपूर की जोड़ी लोगों को बेहद पसंद आई। साथ ही रोमांस का भरपूर तड़का लगाते हुए फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा दिखा दिया है। तो वहीं रणबीर कपूर के फैंस लगातार ट्वीट कर रहें हैं रणबीर के एक फैन ने शाहरुख खान की फिल्म को लेकर कहा कि 'पठान में है दम तो हम भी नहीं हैं कम।' शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' लगातार कमाई के नए रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सभी भाषाओं में 536.77 करोड़ और वर्ल्डवाइड 1039 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। तो वहीं दर्शकों के इंतजार को खत्म कर फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार ' ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाना शुरू कर दिया है। श्रद्धा कपूर और रणबीर कपूर की रोमांटिक जोड़ी फिल्म में खूब जच रही हैं। साथ ही यह फिल्म मजेदार रोमांटिक ड्रामा फिल्म बताई जा रही है। ■

होली और रंगपंचमी की
हार्दिक शुभकामनाएँ
साँची
Sanchi
SANCHI
श्री जे.एन.कंसोटिया
(प्रशासक, म.प्र. राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लि., भोपाल)
स्वाद और शक्ति से भरपूर साँची
श्री मोतीसिंह पटेल
(अध्यक्ष)
संचालकगण
श्री रामेश्वर गुर्जर
श्री किशोर परिहार
श्री विक्रम मुकाती
श्री जगदीश जाट
श्री राजेन्द्रसिंह पटेल
श्री रामेश्वर रघुवंशी
श्री तँवर सिंह चौहान
श्री सुरेश पटेल
श्री प्रहलादसिंह पटेल
श्री कृपालसिंह सेंधव
श्री महेन्द्र चौधरी
डॉ. आर.के. दूर्वार
(मुख्य कार्यपालन अधिकारी)
इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ मर्या.
तलावली चांदा, मांगलिया, जिला इन्दौर (फोन : 0731-2811189, टोल फ्री नं. : 1800 233 2535)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, ए-11, विस्तारा, मायाखेड़ी बायपास, इंदौर द्वारा मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17